शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

अनुपम

2024-25







COLLEGE OFFICE STAFF



TEACHING STAFF

अनुपम

वार्षिक पत्रिका
2024-25

संरक्षक

डॉ.शालिनी सक्सेना
प्राचार्य

सम्पादक

डॉ.मीनाक्षी सक्सेना
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, गृहविज्ञान

सह सम्पादक

डॉ.मीनू चतुर्वेदी
आशा वाधवानी
डॉ.मीनाक्षी तांडेकर
डॉ.ज्योति पंथी
श्रीमती निशा यादव
डॉ.सालेहा सुल्तान

प्रिंट एवं ग्राफिक्स

न्यू लॉजिक कम्प्यूटर

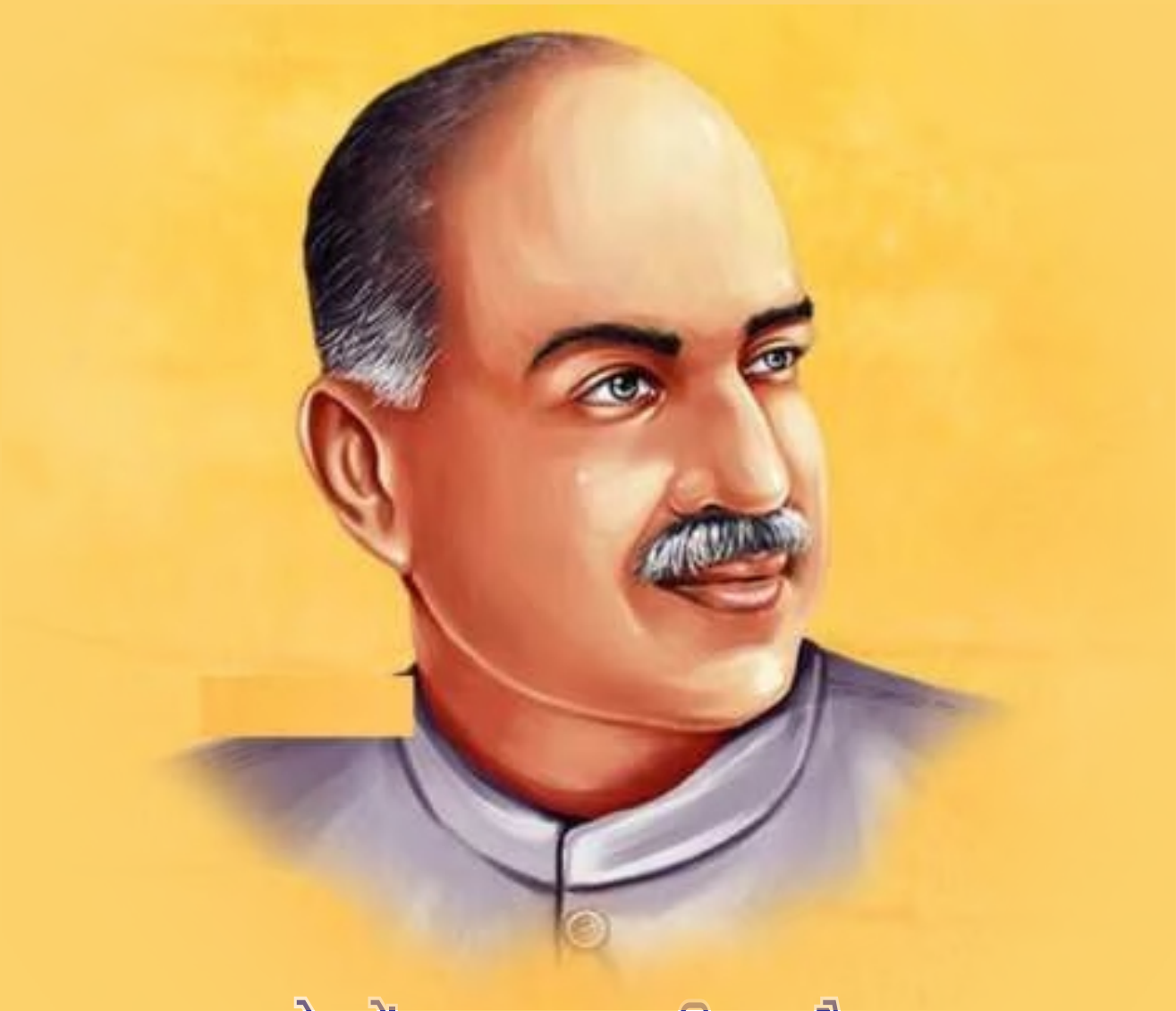
महाविद्यालय का शैक्षणिक परिवार





अनुपम पत्रिका का संपादक मंडल

राष्ट्रीय एकता के धरातल पर ही सुनहरे
भविष्य की नींव रखी जा सकती है



देश में एक प्रधान, एक विधान और
एक निशान का संदेश देने वाले

महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक
और भारतीय जनसंघ के संस्थापक

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

मंगुभाई पटेल
MANGUBHAI PATEL



सत्यमेव जयते

राज्यपाल, मध्यप्रदेश
GOVERNOR OF MADHYA PRADESH

राज भवन
भोपाल-462052
RAJ BHAVAN
BHOPAL-462052

क्रमांक 131 /राजभवन/2025
भोपाल, दिनांक- 15 अप्रैल, 2025

संदेश

हर्ष का विषय है कि शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालयीन, भोपाल द्वारा पत्रिका **"अनुपम" सत्र 2024-25** का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका प्रकाशन के लिए महाविद्यालय बधाई का पात्र है।

महाविद्यालय का दायित्व विद्यार्थियों के ज्ञान, और कौशल के द्वारा समाज में शिक्षा के महत्व को स्थापित करना है। छात्र-छात्राओं को ज्ञानवान, संस्कारवान, नैतिक और मानवीय गुणों के प्रतीक के रूप में समाज में स्थान बनाने के लिए सक्षम बनाना है। इस तरह समाज में बौद्धिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों और संस्कारों को प्रसारित करना है। विद्यार्थियों के सृजनात्मक, अनुभवों और मौलिक प्रतिभा को प्रदर्शित एवं साझा करने और एक दूसरे से सीखने का मंच महाविद्यालय पत्रिका को होना चाहिए।

आशा है, पत्रिका **"अनुपम"** विद्यार्थियों को सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से देश और समाज के विकास में सक्षम बनाएगी।

शुभकामनाएं,

मंगुभाई पटेल

(मंगुभाई पटेल)

दूरभाष : 0755-2858828, 2858830, फैक्स : 0755-2858832, ई-मेल : mprajbhavan@mp.gov.in



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

क्रमांक-130/मु.मं.प्रे.प्र./25
भोपाल, दिनांक :- 04-04-2025

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल द्वारा पत्रिका अनुपम का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय की पत्रिकाएं संस्था की वर्ष भर की गतिविधियों का दर्पण होती हैं। इसके साथ ही लेखन से जुड़े विद्यार्थियों की प्रतिभा को भी मंच मिलता है। नई शिक्षा नीति : 2020 के माध्यम से अनेक गुणात्मक सुधार किए गए हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा के संबंध में भी विद्यार्थियों को महाविद्यालय स्तर पर अवगत करवाया जा रहा है। विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप शिक्षा दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आएगा। इसमें शिक्षा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

आशा है, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(डॉ. मोहन यादव)

6, श्यामला हिल्स, भोपाल - 462 002



इन्दर सिंह परमार

मंत्री
उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष
मध्यप्रदेश शासन

जावक क्रमांक 851 मंत्री/उ.शि.त.शि. एवं आ./2025

दिनांक : 02/04/2025

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी, वि.स. २०८२

// संदेश //

अत्यंत हर्ष का विषय है कि **शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल** द्वारा वार्षिक पत्रिका **'अनुपम'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका में महाविद्यालयीन गतिविधियों एवं उपलब्धियों के उल्लेख के साथ-साथ विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों का समावेश किया है, जो कि अत्यंत सराहनीय है। आशा है कि यह पत्रिका जीवंत अभिलेख के रूप में विद्यार्थियों के लिए अपनी उपादेयता सिद्ध करेगी।

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका **'अनुपम'** के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(इन्दर सिंह परमार)

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान
एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)।

कार्यालय : कक्ष क्रमांक ई-206, द्वितीय तल, मंत्रालय वल्लभ भवन-III, भोपाल, (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2708685 (मंत्रालय) : 0755-2446227, 2471875
निवास कार्यालय : बी-4, श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)
ई-मेल एड्रेस : minister.hed @mp.gov.in

जय जवान जय किसान जय विज्ञान जय अनुसंधान

रामेश्वर शर्मा

- विधायक , हुजूर विधानसभा-155
- अध्यक्ष, ''कर्मश्री''

मोबा.: 09425004111
फोन : 0755- 4244566
4281317
2570182



28–03–2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा पत्रिका 'अनुपम' सत्र 2024–2025 का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चित ही उक्त पत्रिका महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को महाविद्यालय को विस्तृत रूप से जानने का स्त्रोत बनेगी तथा सामाजिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट शिक्षा एवं शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे उच्च कार्यों की जानकारी प्रदान करेगी एवं सामाजिक हित में उक्त पत्रिका शहर एवं प्रदेश के विद्यार्थियों को महाविद्यालय में प्रवेश कराने हेतु संकल्पित करेगी।

मेरी ओर से पत्रिका "अनुपम" के सफल प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपका

(रामेश्वर शर्मा)
विधायक

प्रति,

प्राचार्य,
शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं
वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोलार रोड,
भोपाल

कार्यालय : युवा सदन, विधायक विश्राम गृह, भोपाल (म.प्र.)-462003
निवास : 65, पत्रकार कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)
email : rameshwarsharma4111@gmail.com
@rameshwarsharma4111 @rameshwar4111

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य

स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल म.प्र.

Tele. No. 07552551837, Website : www.gscbhopal.in, E-mail : hegbsccbho@mp.gov.in

अनूप सिंह बैस

अध्यक्ष, जनभागीदारी

ए-59 बंजारी सोसाइटी, कोलार रोड, भोपाल

E-mail :anoopsinghbais9@gmail.com

Mob. No. 9981217280, 7974399090

क्रमांक / /2025

भोपाल, दिनांक 07../07/2025



//शुभकामना संदेश//

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि शासकीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2024–25 हेतु वार्षिक पात्रिका अनुपम प्रकाशित की जा रही है पत्रिका में महाविद्यालय परिवार द्वारा प्रदान की गई नवीन जानकारियों से विद्यार्थी और पाठक गण लाभान्वित होगें।

मुझे विश्वास है यह पत्रिका महाविद्यालय को समग्र रूप से प्रतिबिंबित करने में समर्थ होगी। पत्रिका की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

अनूप सिंह बैस

अध्यक्ष, जनभागीदारी

शासकीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,भोपाल

Azadi Ka Amrit Mahotsav

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय
BARKATULLAH VISHWAVIDYALAYA, BHOPAL
भोपाल - 462026 मध्यप्रदेश (भारत)

प्रो. एस. के. जैन
कुलगुरू

Prof. S.K. JAIN
Vice Chancellor

Ref. : ...2212/VC/2025

Date : ...01/04/2025



संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि शासकीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल द्वारा हर वर्ष की भांति महाविद्यालय की पत्रिका 'अनुपम' सत्र 2024–25 का प्रकाशन किया जा रहा है।

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा वर्षभर में महाविद्यालय के लिये की गई प्रगति, उपलब्धियों को प्रदर्शित करने में सहायक होती है। पत्रिका में प्रकाशित सुविचार, लेख, उद्‌बोधन, विद्यार्थियों को एक नई दिशा प्रदान करते हैं जो देश एवं समाज के बदलाव में अहम भूमिका निभाते हैं।

मैं अपनी तथा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपके महाविद्यालय के निरन्तर आगे बढ़ने की कामना करता हूँ। यहाँ अध्यनरत् समस्त विद्यार्थीगण महाविद्यालय से प्राप्त शिक्षा के आधार पर उत्तम जीवन शैली को अपनाते हुए देश के चहुंमुखी विकास में अपना योगदान देंगे साथ ही अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगे, ऐसी अपेक्षा सभी से करता हूँ।

पत्रिका के सफल प्रकाशन पर बहुत–बहुत शुभकामनाएं एवं बधाईयॉ ।

सादर

(प्रो.एस.के.जैन)
कुलगुरू

Phone : +91-755-2517001, 2517002, E-mail : buvcmp@nic.in, Web.: www.bubhopal.ac.in

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल म.प्र.



प्राचार्य की कलम से.....

हमारा महाविद्यालय, शासकीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल का लक्ष्य न केवल उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना है बल्कि एक ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जहां हर विद्यार्थी शिक्षा के माध्यम से जीवन जीने की कला सीख सके। हमारा विजन है –''शिक्षा सभी के लिये'' और हमारा मिशन है –''प्रत्येक विद्यार्थी को नैतिकता, जिम्मेदारी और जीवन कौशल से सुसज्जित करना, जिससे वह भारत के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में योगदान दें सके। शिक्षा मात्र डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि शिक्षा मतलब जीवन की दिशा तय करने वाली शाक्ति होनी चाहिए।''

हम यह मानते है कि हर विद्यार्थी का नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि वह उच्च शिक्षा के माध्यम से न केवल स्वंय को बल्कि राष्ट्र को भी आगे ले जाये। हमारे महाविद्यालय की सोच और प्रयास का मूल्य वाक्य है –''सबके लिये शिक्षा, जीवन के लिये शिक्षा'' (Education for all, Education for Life).

हमारा महाविद्यालय परिवार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं सहयोग करने के लिये सदैव तत्पर रहते है। विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिये प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों के साथ–साथ उनके अभिभावकों का सहयोग भी अपेक्षित है। विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये मेरी और से बहुत–बहुत शुभकामनायें। अनुपम पत्रिका 2024–25 के लिये हार्दिक शुभकामनायें।

Shalini Saxena

डॉ.शालिनी सक्सेना
प्राचार्य
शासकीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी
विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,भोपाल

सम्पादकीय



भारत को प्राचीन काल से विश्व गुरू की पदवी से विभूषित किया जाता रहा है,हमारे प्राचीनतम विश्वविद्यालय जो कि नालंदा , तक्षशिला ,मगध से लेकर कंथल्लूर तक विस्तारित होकर शिक्षा के प्रमुख केंद्र थे।यह संस्थान धर्म, गणित और खगोल विज्ञान के साथ-साथ दर्शन और चिकित्सा का अध्ययन करने में रुचि रखने वाले दूर-दूर के देशों के विद्वानों को आकर्षित करते थे। यह संस्थान औपचारिक शिक्षा के स्थान मात्र न होकर, जीवंत संस्कृति, नवाचार और बौद्धिक सम्पदा के आदान-प्रदान केंद्र थे।

उस ऐतिहासिक युग में भारत के शिक्षासंस्थान, विश्व सूची में शीर्ष पर होकर, उन्नत पाठ्यक्रम, बहु-आयामी शिक्षा और वास्तुकला की भव्यता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध रहे हैं।

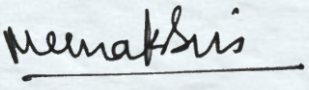
उपनिवेश काल में भारतीय शिक्षा प्रणाली को छिन्न- भिन्न करते हुये ब्रिटिश शासकों ने अपनी प्रशासनिक आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखतें हुयें औपचारिक शैक्षणिक संस्थानो की स्थापना पर बल दिया , जहाँ पश्चिमी ज्ञान, भाषाओं एवं सांस्कृतिक मानदंडो का प्रचार-प्रसार करते हुये शिक्षा की पारंपरिक भारतीय प्रणालियों को हाशियें पर धकेल कर, शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल शासकीय नौकरियाँ प्राप्त करना बना दिया गया।

भारतीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिन्हित किया गया है,जिसमें पाठ्यक्रम के मूलभूत घटक के रूप में भारतीय ज्ञान प्रणालियों को सम्मिलित किया गया है।भारतीय ज्ञान प्रणाली प्रमुख उद्देश्य अगली पीढी को पारंपरिक ज्ञान का महत्व बताना एवं भारतीय होने के गर्व को अनुभव कराना है।भारत को पुन:विश्व गुरू के पद पर पुनर्स्थापित करना भारतीय ज्ञान प्रणाली का केन्द्रीय उद्देश्य है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़ाव रखने वाले परम्परागत एवं समसामयिक विषयों से सुसज्जित महाविद्यालय की पत्रिका "अनुपम" नूतन कलेवर के साथ प्रस्तुत है।यह वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की अभिव्यक्ति का प्रमुख माध्यम होकर महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का जीवंत दस्तावेज भी है।

"अनुपम" पत्रिका के प्रस्तुत अंक में भारतीयता से ओतप्रोत विषय सामग्री को पठनीय एवं रोचक स्वरूप प्रदान करने के लिये समस्त रचनाकारों के सहयोग हेतु हम आभार व्यक्त करते हैं। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ॰ श्रीमती शालिनी सक्सेना के कुशल- अनुभवी मार्गदर्शन एवं सतत सक्रिय सहयोग हेतु कृतज्ञता ज्ञापित करते है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालयीन पत्रिका "अनुपम" 2024-25 का यह अंक एक पठनीय एवं संग्रहणीय दस्तावेज के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगा।

जय भारत....



डॉ. मीनाक्षी सक्सेना
सम्पादक



जन गण मन

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य–विधाता ।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग ।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे;
गाहे तव जय गाथा ।
जन–गण मंगलदायक जय हे,
भारत–भाग्य–विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

मध्यप्रदेश गान

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

विंध्याचल सा भाल नर्मदा का जल जिसके पास है,
यहां ज्ञान विज्ञान कला का लिखा गया इतिहास है।

उर्वर भूमि, सघन वन, रत्न, सम्पदा जहां अशेष है,
स्वर-सौरभ-सुषमा से मंडित मेरा मध्यप्रदेश है।

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

चंबल की कल-कल से गुंजित कथा तान, बलिदान की,
खजुराहो में कथा कला की, चित्रकूट में राम की।

भीमबैठका आदिकला का पत्थर पर अभिषेक है,
अमृत कुंड अमरकंटक में, ऐसा मध्यप्रदेश है।

क्षिप्रा में अमृत घट छलका मिला कृष्ण को ज्ञान यहां,
महाकाल को तिलक लगाने मिला हमें वरदान यहां।

कविता, न्याय, वीरता, गायन, सब कुछ यहां विषेश है,
हृदय देश का है यह, मैं इसका, मेरा मध्यप्रदेश है।

सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है,
माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है।

महाविद्यालय गान

"श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, इसका नाम।
शिक्षा के इस शुभ संस्थान को बारम्बार प्रणाम।
भोपाल ताल की लहर-लहर जैसे कि जल की पाती,
यह महाविद्यालय शिक्षा के दीप की ज्योति-बाती।
विज्ञान-कला-वाणिज्य-गृहविज्ञान सभी का संगम,
ये सारे संकाय बनाते हैं संस्था को अनुपम।
कार्य-दिवसों में प्राध्यापन चलता रहता अविराम।
शिक्षा के इस शुभ संस्थान को बारम्बार प्रणाम
एन.सी.सी. की कार्य प्रणाली अनुशासन की भाषा,
एन.एस.एस. में व्यक्त यहाँ सेवा की परिभाषा।
ग्राम्य और शहरी परिवेशों की इसमें मिश्रित लय,
विद्यार्थी प्रतिभाएँ गुंजित करती हैं इस की जय।
खेलकूद में भी महाविद्यालय का है खास मुकाम।
शिक्षा के इस शुभ संस्थान को बारम्बार प्रणाम।
बेनज़ीर महल में था, अब कोलार में स्थापित,
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय अति प्रतिष्ठित।
गुणवत्ता वाली शिक्षा का महाविद्यालय धारक,
ज्ञान-चेतना-नवाचार का यह संस्थान प्रसारक।
महाविद्यालय अपना जैसे संस्कारों का धाम।
शिक्षा के इस शुभ संस्थान को बारम्बार प्रणाम।"

- अज़हर हाशमी

महाविद्यालय एक नजर में

शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल अपनी स्थापना के 43 में वर्ष में प्रवेश कर रहा है विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अतिरिक्त 2018-19 में महाविद्यालय में गृह विज्ञान संकाय में स्नातक तथा कला संकाय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन अध्यापन प्रारंभ हुआ।महाविद्यालय का गौरवशाली अतीत रहा है प्रारंभ में बेनजीर के नाम से जाना जाने वाला महाविद्यालय वर्तमान में सत्र 20 -21 से अपने नवीन भवन में स्थानांतरित है। सत्र 24 -25 में महाविद्यालय में स्नातक में प्रवेशित कुल विद्यार्थियों की संख्या 1347 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 423 है। महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में पंजीकृत शोध निर्देशको के निर्देशन में 2024-25तक कुल 132 Ph D अवार्ड हुई तथा अनेक शोधार्थी शोधरत है। महाविद्यालय में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की समस्त हितग्राही योजनाएं अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, छात्रवृत्ति आवास योजना, गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजना, विक्रमादित्य योजना ,मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना ,मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना का लाभ विद्यार्थियों को मिल रहा है।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा छात्र-छात्राओं को रोजगार संबंधी प्रशिक्षण व रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाने हेतु तत्परता से सतत प्रयास किया जा रहे हैं। कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा कई एम ओ यू भी साइन किए गए हैं।

शिक्षक- अभिभावक योजना एवं भूतपूर्व छात्र संगठन जैसे समिति द्वारा प्रयास भी सक्रियता से महाविद्यालय में किया जा रहे हैं। महाविद्यालय के अनुशासन समिति और एंटी रैगिंग समिति महाविद्यालय परिसर में शांति और सुरक्षा प्रदान करने में तत्परता से कार्य कर रही है।

हमारे लिए गर्व का विषय है कि महाविद्यालय के छात्र-छात्र विभिन्न क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

विशेष उल्लेखनीय है कि इस वर्ष से सत्र 2023-24 के महाविद्यालय के सभी छात्राओं के सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को प्रतिभा सम्मान दिया जा रहा है। जिससें विद्यार्थी शैक्षणेत्तर गतिविधियों के साथ अकादमिक स्तर पर भी प्रेरित होकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

हमारा महविद्यालय 2020 में माननीय विधायक जी के प्रयास से इस बिल्डिंग में शिफ्ट हुआ था, सन् 2024 को महाविद्यालय के नये भवन तथा बहुउद्देशीय भवन का लोकार्पण हुआ। महाविद्यालय का NAAC द्वारा मूल्यांकन किया गया जिसमें हमारे महाविद्यालय को 2.99 अंक के साथ B++ ग्रेड प्राप्त हुआ था, महाविधालय को इस ऊंचाई तक पहुंचाने में हमारे शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टॉफ एवं विद्यार्थियों का बहुत बडा योगदान है। सभी शिक्षक उत्कृष्ट स्तर का शोध एवं शैक्षणिक कार्य करते है। यह कोलार क्षेत्र का एकमात्र शासकीय महाविद्यालय है।

हमारे विद्यालय के स्पोर्ट्स आफिसर डॉ सतीश कुमार के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के छात्र शिवम् गुर्जर (BA III Year) ने अंतर विश्वविद्यालयीन कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, सूरज जायसवाल B.Com Ist year ने भी रोहतक में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में सहभागिता कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मिथुन नायक, षीयूष गौर, संकल्प सोनवाने ने अंतर महाविद्यालयीन बाक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वेदांत भारद्वाज M A समाजशास्त्र ने अंतर विश्वविद्यालयीन शंतरज प्रतियोगिता में सहभागिता की, इनका स्थान Chess International Rating में 1791 है।

राष्ट्रीय सेवा योजना NSS अधिकारी डॉ. हेमलता वर्मा एवं डॉ. मधुसूदन प्रकाश के मार्गदर्शन में स्वंयसेवकों ने भी कई जिला एवं राज्यस्तरीय शिविरों में सहभागिता कर हमारे महाविद्यालय को गौरवान्वित किया जिसमे सरस्वती कोसले, देव्यानी वराठे, सौम्या चौधरी, सोन कुमारी कासले, राहुल लोधी ने यूथ महापंचायत, पंख मैराथन आदि में भाग लिया। ग्राम गोद योजना के तहत गाँव गोद लिया है।

महाविद्यालय में वर्ष 2000 से NCC की आर्मी विंग सीनियर डिविजन स्थापित है जिसकी कमान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र सिंह पटेल को है, जिनके मार्गदर्शन में कैडेट्स शिवानी मीना अंडर ऑफीसर, ट्रैकिंग केम्प सिक्किम और अनेक कैडेट्स छतरपुर कैम्प में शामिल हुए।

हमारे महाविद्यालय में माह जनवरी 2025 में जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमे माननीय विधायक जी ने पधार कर छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया था जिसमें महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने विजय प्राप्त की थी एवं विजेता रहे थें।

महाविद्यालाय में, B.A., B.SC, B.Com B.SC होमसांइस कोर्स संचालित है, जिसमें होम सांइस में छात्र छात्रायें दोनों हैं। स्नातकोत्तर में वाणिज्य, गणित, रसायन, प्राणीशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास में संचालित है। शासन से अनुरोध किया गया है कि स्नातकोत्तर स्तर पर भौतिकशास्त्र, राजनीतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र विषय में कोर्स शुरू करने का अनुमोदन प्रदान करें। इसी तरह स्नातक स्तर पर बी.ए. होमसांइस, संगीत, अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य तथा कम्प्यूटर एप्लीकेंशन के कोर्स खोलने हेतु प्रयासरत हैं। इनका प्रस्ताव सत्र 2025-26 के लिये भेजना प्रस्तावित है। महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम UG 75% एवं PG का 80% रहा है।

संसाधन

महाविद्यालय में 20000 से अधिक पुस्तकें व 28 पत्र -पत्रिकाएं एवं शोध जर्नल्स उपलब्ध है।आठ न्यूज़ पेपर (दैनिक/ साप्ताहिक) भी अध्ययन हेतु उपलब्ध है उसके साथ ही 07 स्मार्ट क्लासरूम और एक वर्चुअल क्लासरूम भी विद्यार्थियों के लाभार्थ उपलब्ध है एवं रसायन शास्त्र विभाग में RUSA के सहयोग से एटॉमिक अब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोमीटर का संस्थापन किया गया है जो की आधुनिक शोध का महत्वपूर्ण उपकरण है।

महाविद्यालय के गौरव











सत्र 2024-25 में सभी शिक्षको, अभिभावकों और गणमान्य नागरिको की सर्वसम्मति से महाविद्यालय में छात्र छात्राओं हेतु यूनिफार्म लागू की गयी।





विजन तथा मिशन

विजन:/ दृष्टि:

The institution is committed to provide sublime educational opportunities that are perceptibly amenable to the needs of our students, and empowers them to meet and surpass challenges by being an active ingredient in sculpturing the future of our world in general and own society in particular.

संस्था उत्कृष्ट शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है जो कि हमारे विद्यार्थियों की जरूरतों के लिए प्रत्यक्ष रूप से अनुकूल हो और सामान्यतः हमारे विश्व के और विशिष्टत:हमारे समाज के भविष्य को गढ़ने में एक सक्रिय घटक के रूप में उन्हें चुनौतियों का सामना करने एवं उनसे उबरने में सशक्त बनाता है।

मिशन:/ ध्येय:

1. Government College provides students with exceptional quality educational experiences and augment services that lead to the successful completion of degrees, transfer, certificates, career/technical education and exemplary basic skills proficiency.

शासकीय महाविद्यालय विद्यार्थियों को असाधारण गुणवत्ता वाले शैक्षिक अनुभव उपलब्ध कराने तथा शैक्षिक सेवाओं का संवर्धन कर उन्हें उपाधि, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, कॅरियर, तकनीकी शिक्षा और अनुकरणीय बुनियादी कौशल एवं दक्षता को सफलतापूर्वक (पूर्ण) हासिल करने की ओर अग्रसर करता है।

2. The college fosters academic and career success through holistic development of critical thinking, effective communication skills, creativity and innovation, cultural awareness in a safe, accessible , conducive and affordable learning environment.

महाविद्यालय एक सुरक्षित सुलभ, अनुकूल एवं वहनीय सीखने योग्य वातावरण, में विश्लेषणात्मक चिंतन ,प्रभावी संचार कौशल ,सृजनात्मकता एवं नवाचार ,सांस्कृतिक जागरूकता के माध्यम से समग्र विकास कर अकादमिक और कॅरियर की सफलता को बढ़ावा देता है।

3 To cater for the needs of our demographically diverse student population, we embrace equity and accountability through measurable learning imbibed outcomes, ethical data-driven decisions and student achievement processes.

हमारे जनांकिकीय रूप से विविध छात्र आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए हम मापने योग्य शिक्षण परिणामों , नैतिक डाटा प्रेरित निर्णयों और छात्र निष्पादन प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व को अंगीकार करते हैं।

अनुक्रमणिका

- प्राचार्य की कलम से I
- संपादकीय II
- राष्ट्रगान, मध्य प्रदेश गान, महाविद्यालय गान III - IV
- महाविद्यालय एक नजर में V
- महाविद्यालय के गौरव VI
- **Vision and Mission of the college** VII

विभागीय प्रतिवेदन

1. वनस्पतिशास्त्र विभाग 01
2. वाणिज्य विभाग 02
3. रसायन शास्त्र विभाग 03-04
4. अर्थशास्त्र विभाग 05
5. अंग्रजी विभाग 06
6. भूगोल विभाग 07
7. इतिहास विभाग 07
8. हिन्दी विभाग 08
9. गृहविज्ञान विभाग 09
10. गणित विभाग 10
11. भौतिक शास्त्र विभाग 11
12. राजनीतिशास्त्र विभाग 12-13
13. समाजशास्त्र विभाग 14
14. प्राणीशास्त्र विभाग 15-16
15. क्रीड़ा विभाग 17-22
16. पुस्तकालय विभाग 23-30

समितियों के प्रतिवेदन

- ➪ वार्षिक उत्सव ``अनुपम`` 31-42
- ➪ साहित्यिक सांस्कृतिक समिति 43-44
- ➪ इको क्लब 45-49
- ➪ भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ 50-54
- ➪ राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी) 55-58
- ➪ राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) 59-63
- ➪ छात्रवृत्ति योजनाऐं 64
- ➪ स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ 65-69
- ➪ शिक्षक अभिभावक योजना समिति 70-71
- ➪ महिला उत्पीड़न / सशक्तिकरण समिति 72-74
- ➪ युवा उत्सव समिति 75-82

रचना संदर्भ (उभरते कलाकार)

1. सूरज की प्रेरणा- सौंमपाल सिंह गौंड 83
2. प्रेरित आत्म विश्वास मोटिवेशन - पवन कुशवाह 84
3. आंकड़ों के आईने में मध्य प्रदेश- संदीप उईके एवं शोभना 85
4. रिश्ते- देवेन्द्र शुक्ला 86
5. प्रेम -अमर मिरी 86
6. स्ट्रेस फ्री लाइफ-परी जाटव 87
7. मानव के कारण वातावरण प्रदूषण-अनिकेत चौरसिया 88
8. मैं और राष्ट्र- अभिषेक बाबू 89
9. लड़का लड़की एक समान- शिवानी धनक 90
10. वो लड़ रहा हे किस लिये- अनुज अहिरवार 91
11. Time Management -Sourabh Kushwaha 92
12. Tech for Viksit Bharat- Hemant Yadav 93-94
13. April's Breezing Heat- Varnit Rajak 95
14. The Eternal Sun- Umrah Parveen 95

15.Pseudo Feminism- Nivedita Saxena 96
16.Help Me Signal- Mihika Frank 97
17.Living Green, Thriving Students- Khusbu Korav 98
18.Women of the world- Rishika Sahu 99
19.Thought of my mind- Nancy Ahirwar 100
20.Blue Economy: A New Dimension of India's Growth-
Hemant Yadav 101-102
21. The Spirit of Innovation at Shyama Prasad
Mukherjee College- Sourab Keer 103

रचना संदर्भ-प्रेरणा स्त्रोत

1. भारतीय ज्ञान परम्परा और आधुनिक शिक्षा का संबंध-डॉ. मीनाक्षी सक्सेना,
प्राध्यापक गृह विज्ञान विभाग 104-105
2. चरित्र - व्यक्तित्व विकास की पूँजी - डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी प्राध्यापक
रसायन शास्त्र विभाग 106-107
3. जहाँ खड़े हो वहीं से शुरू करो- डॉ. मीनू चतुर्वेदी, प्राध्यापक हिन्दी विभाग 108
4. संस्कार :विकास और परिमार्जन -डॉ.इला जैन, प्राध्यापक रसायनशास्त्र विभाग 109
5. पानी सेहत की जरूरत- डॉ. हर्षा जलौरी, प्राध्यापक, भौतिकी विभाग 110
6. Herbovigilance: Ensuring safety in the use of Herbal Medicine
Mrs.Asha Wadhwani, Assistant Professor, English Department 111-112
7. Emotional Intelligence & Personality Development –
Dr. Neetupriya Lachoriya, Assistant Professor,
Chemistry Department 113
8. Tribal Art of Madhya Pradesh, Mrs. Nisha Yadav,
Assistant Professor, Home Science Department 114-115

स्मृति शेष - डॉ. संजय तेलंग, (पूर्व प्राचार्य) 116
डॉ. आशा शर्मा, प्राध्यापक वनस्पति विभाग 117

- महाविद्यालय की झलकियां 118-120
- महाविद्यालयीन परिवार की संपर्क सूची 121

विभागीय प्रतिवेदन संदर्भ

वनस्पति शास्त्र विभाग



डॉ. कीर्ति जैन
विभागध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र

महाविद्यालय का वनस्पति शास्त्र विभाग महाविद्यालय के अस्तित्व में आने के साथ ही कार्यरत है । विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्यापन कार्य सुचारू रूप से हो रहा है । विभाग में वर्तमान में 06 नियमित प्राध्यापक एवं एक अतिथि विद्वान कार्यरत हैं । नवीन शिक्षा पद्धति के तहत स्नातक चतुर्थ वर्ष ऑनर्स में भी अध्यापन कार्य हो रहा है। विभाग के सभी सदस्य डॉ एस डी सिंह , प्रोफेसर रफत फातिमा , डॉ. सरला पटेल , डॉ. देवेंद्र सिंह पटेल एवं डॉ. शालिनी नेमा तथा अतिथि विद्वान के रूप में डॉ. मनीष शर्मा पूर्ण आपसी सामंजस एवं सहयोगात्मक रूप से विभाग की उन्नति के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं । अभी भी कई पंजीकृत शोधार्थी हैं । विभाग के सभी सदस्य विभाग में नियमित अध्यापन, अन्य विभागीय कार्यों के अलावा प्राचार्य द्वारा निर्देशित सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों में अपना सक्रिय योगदान देते हैं । डॉ. कीर्ति जैन विभागाध्यक्ष के अलावा प्रभारी सेमेस्टर प्रकोष्ठ प्रभारी, रूसा / विश्व बैंक परियोजना तथा प्रभारी इको क्लब है । डॉ. एस डी सिंह जन भागीदारी समिति के प्रभारी हैं तथा महाविद्यालय के रखरखाव में पूर्ण सक्रियता से कार्य कर रहे हैं । तथा इसके अलावा संचालनालय में विभिन्न महत्वपूर्ण समितियां में भी यथा समय अपना योगदान देते हैं । प्रोफेसर रफत फातिमा महाविद्यालय के अनुशासन समिति, कैंटीन समिति जैसी महत्वपूर्ण समितियां में कार्य कर रही है । डॉ सरला पटेल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति, विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ जैसी समितियां में सक्रिय सहभागिता करती हैं । डॉ. देवेंद्र पटेल एनसीसी ऑफिसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा महाविद्यालय की रूसा / विश्व बैंक जैसी समितियां में कार्य कर महाविद्यालय प्रशासन को सहयोग प्रदान कर रहे हैं तथा संचालनालय में समय-समय पर विभिन्न महत्वपूर्ण समितियां के सदस्य के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं । विभाग की एक और सदस्य डॉ शालिनी नेमा ने इस सत्र में करीब छ: माह तक पीएम एक्सीलेंस कॉलेज रायसेन में अपनी सेवाएं दी है तथा महाविद्यालय में स्कॉलरशिप जैसी महत्वपूर्ण समितियां में पूर्ण निपुणता से कार्य करती हैं । विभाग में डॉ मनीष शर्मा अतिथि विद्वान के रूप में कार्यरत है जो पूर्ण निष्ठा के साथ अध्यापन एवं अन्य विभागीय कार्य तथा प्रशासनिक कार्यों में सहयोग प्रदान करते हैं । श्री हीरालाल मौर्य प्रयोगशाला सहायक के रूप में पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते हैं ।

इस तरह से वनस्पति शास्त्र विभाग आपसी समन्वय एवं तालमेल से अध्यापन विभागीय कार्य एवं प्रशासनिक कार्यों में सहयोग प्रदान करते हैं ।

COMMERCE DEPARTMENT



Dr. M.K.Gupta
Professor & Head of the Department

In the present times, the importance of Commerce education is steadily increasing alongside Engineering and Medical education. Commerce plays a crucial role in modern global trade and finance. Students pursuing Commerce not only find employment opportunities in banks and financial institutions but also in business, marketing, and management sectors.

Commerce education has been a part of our college since 1983. Currently, the college offers the following programs under the Department of Commerce:

- B.Com (Plain)
- B.Com (Computer Applications)
- M.Com

The number of students currently enrolled is as follows:
- B.Com (Plain) – 575 students
- B.Com (Computer Applications) – 124 students
- M.Com --116

All classes under these programs are being conducted smoothly and effectively.

Faculty Members :

- Dr. M.K.Gupta – Professor and Head of the Department
- Dr. Shivali Shakya – Assistant Professor
- Dr. Saleha Sultan – Assistant Professor
- Dr. Varsha Jain – Assistant Professor
- Ms. Vibha Srivastava – Guest Faculty

Faculty members for Computer Applications are also posted in the Department of Commerce.

The department is known for its dedicated and committed faculty, who not only excel in teaching but also actively contribute to fulfilling other departmental responsibilities with sincerity and devotion.

रसायन शास्त्र विभाग



डॉ सुधांशुधर द्विवेदी
विभागध्यक्ष रसायनशास्त्र

महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग अपने स्थापना वर्ष 1982 से ही शैक्षणिक गतिविधियों को सतत रूप से संचालित करता रहा है मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के नीति निर्देशन के अनुक्रम में एवं विश्वविद्यालय भोपाल के विभाग द्वारा प्रवेश प्रक्रिया शैक्षणिक कार्य संपादन एवं परीक्षाएं समय अनुसार संपादित की गई NEP 2020 के अनुसार समता मूलक समावेशी एवं उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण कार्य किया जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा तथा आधुनिक विज्ञान में समन्वय करते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास किया गया

इस सत्र के एकेडमिक उत्कृष्ट MPHEQIP के अंतर्गत सत्र में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा छात्र हित को दृष्टिगत रखते हुए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में रोजगार प्राप्त किया गया

01 अंशुल नायक टीजीटी साइंस नवोदय विद्यालय

02 संजय अहिरवार सब इंस्पेक्टर CRPF

03 अंकित रघुवंशी वैज्ञानिक न्यूक्लियर प्रशिक्षक न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड कैगा स्थल विभाग के सभी प्राध्यापको द्वारा महाविद्यालय की विभिन्न समितियो में संयोजक/ सदस्य के रूप में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है -

B.Ed एडमिशन

IQAC

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

रूसा

कॉलेज डेवलपमेंट

स्वामी विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल

AISHE

यूथ फेस्टिवल क्रय कमेटी

स्टूडेंट ट्रैकिंग एंड अल्युमिनई कल्चरल समिति एग्जाम समिति सेमेस्टर समिति इत्यादि

विभागीय प्राध्यापक द्वारा सत्र की विशेष उपलब्धिया इस प्रकार है :

डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी

डॉ.द्विवेदी के निर्देशन में दो शोधार्थियों ने पीएचडी डिग्री प्राप्त की ।
RNTU एवं IES विश्वविद्यालय में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया ।
महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर में रसायन शास्त्र के बोर्ड ऑफ ऑफिस स्टडीज के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।
दो शोध पत्रों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय जनरल्स में हुआ ।
IQAC कोऑर्डिनेटर के रूप में महाविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित किये ।
कैवल्यधाम योग प्रशिक्षण केंद्र द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
HOD के रूप में डिपार्मेंट के विद्यार्थियों के लिए वर्कशॉप लेक्चर सीरीज एवं एजुकेशनल टूर काआयोजन किया।
IQAC कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य करते हुए महाविद्यालय को 2.99 स्कोर के साथ B++ ग्रेड प्राप्त हुआ ।

डॉ. आशा वर्मा

डॉ. वर्मा द्वारा महाविद्यालय की स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्ग दर्शन योजना (संयोजक), टी.पी.ओ., अनुशासन समिति, शोध एवं विकास समिति, ऑल इंडिया सर्वे आफ हायर एजुकेशन (नोडल अधिकारी) के कर्व्यों का निवार्हन किया।
06 केंपस ड्राइव का आयोजन किया गया
04 सेमिनार का आयोजन किया गया
03 वर्कशॉप का आयोजन किया 01 ट्रेनिंग का आयोजन विद्यार्थी हित में किया गया
आपके शोध निर्देशन में 03 विद्यार्थियों ने अपनी पीएचडी थीसिस जमा की एवं 01 शोधार्थी को पीएचडी डिग्री अवार्ड की गई ।
06 शोध पत्रों का प्रकाशन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जनरल्स में हुआ।
मध्य प्रेदश शासन के सृजन 2025 में मेन्टर के रूप में अपने शोधार्थी के साथ 02 प्रोजेकट प्रस्तुत कर पुरे मध्य प्रदेश मे Waste Management Category मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

डॉ. इला जैन

02 एफडीपी में अपनी सहभागिता दी केवल्य धाम योग प्रशिक्षण केंद्र से 15 दिवसीय योग प्रशिक्षण प्राप्त किया
NAAC के मास्टर फैसिलिटेटर के रूप में SLNC द्वारा नियुक्त किए गए
विभिन्न वर्कशॉप लेक्चर सीरीज एजुकेशनल टूर आयोजित करवाए

डॉ. नीतूप्रिया लचौरिया

02 एफडीपी में अपनी सहभागिता दी केवल्य धाम द्वारा योग प्रशिक्षण प्राप्त किया
SLNC के द्वारा दो महाविद्यालय का नेक फैसिलिटेटर नियुक्त किया गया
स्टेट लेवल नेक कमेटी की नेक मॉक टीम के सदस्य मनोनीत की गई
02 महाविद्यालय के मॉक पियर टीम विजिट की
दो रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए
विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विशेष सहयोग प्रदान किया

डॉ. स्मिता वर्मा

सत्र 2024 25 में महाविद्यालय के निम्न समितियां में सक्रिय रूप से कार्य किया-
शिक्षक अभिभावक समिति, स्टूडेंट ट्रैकिंग समिति ,स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन सेल, ऐश ,आईटी समिति । स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के 9 विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट एवं फील्ड वर्क हेतु गाइड किया।

अर्थशास्त्र विभाग



(डॉ. सुषमा जैन)
विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र

कला संकाय के अंतर्गत स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र विषय की स्वीकृति शासन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 में प्रदान की गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप निम्नलिखित विद्यार्थियों की आकादमिक उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुये अध्ययन अध्यापन पूर्ण किया गया।

कक्षा बी.ए. प्रथम वर्ष में सत्र – 2024-25 में अर्थशास्त्र मेजर –35, माइनर – 18 ओपन इलेक्टिव – 20 विद्यार्थीयों ने प्रवेश लिया ।

* छात्र एवं छात्राओं के अकादमिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिये कई विभागीय गतिविधियाँ आयोजित की गई। जिसमें छात्र छात्राओं से अर्थशास्त्रीयों के पोस्टर बनवाये गये एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जैन द्वारा पुरूस्कार दिये गये।

* अर्थशास्त्र विभाग में Book Bank की स्थापना विभागाध्यक्ष द्वारा नमूनार्थप्रतियां जो उन्हें अब तक प्राप्त हुई एवं उनके स्वर्गीय पिता डॉ. राजेन्द्र जैन (अर्थशास्त्री) द्वारा दान की गई किताबे सामान्य वर्ग के बी.ए प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ग के गरीब छात्रों को लाभान्वित करने के लिये दी जाती है। जिसकी NACC PEER TEAM द्वारा भी प्रशंसा की गई थी।

* 2024-25 में प्रथम वर्ष के दस्तावेजों के सत्यापन का संयोजक बनाया गया।

* महाविद्यालय की आवास सहायता योजना में संयोजक बनाया गया।

* युवा उत्सव 2023-24 एवं 2025 में स्वल्पहार समिति एवं युवा उत्सव में सह संयोजक बनाया गया।

* महाविद्यालय द्वारा MPHEQIP के अंतर्गत Workshop on Question Bank का आयोजन किया गया साथ ही डॉ.जैन, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र द्वारा शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय भोपाल एवं शासकीय बाबूलाल गौर (BHEL) द्वारा Workshop on Question Bank में विषय विशेषज्ञ के रूप में में सहभागिता की गई।

* जिला स्तरीय पिटटू प्रतियोगिता में स्वल्पहार समिति में सहभागित्ता की ।

* 2024-25 में युवा उत्सव सह संयोजक एवं अपलेखन समिति में सदस्य बनाया गया तथा गर्ल्स कॉमन रूम में संयोजक बनाया गया।

* वर्तमान में अर्थशास्त्र विभाग में सह-प्राध्यापक के पद पर डॉ. सुषमा जैन विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र के रूप में पदस्थ है। जो अकादमिक गतिविधियों राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला तथा फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में सहभागिता तथा शासकीय योजनाओं, परीक्षा एवं प्रवेश संबंधी कार्य का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर महाविद्यालय विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहीं है।

Department of English: A Brief Report (2024–25)



Mrs. Asha Wadhwani
HOD English

Established: 1982

The Department of English continues to be a dynamic and integral part of the college, enhancing academic excellence in a region where English holds key to literary , scientific, technological treasure both foreign and functional relevance. Through innovative methods like the sandwich technique, the department bridges linguistic divides and nurtures students' proficiency in reading, writing, speaking, and listening. It continues to be a passport to upward mobility in the society.

Courses Offered/ Taught:

- Vocational Course in Personality Development (B.A. I & II Year)
- Generic Electives: Communicative English, Translation Studies, Business English
- English Foundation Course (for undergraduates)
- Personality Development and character building (As part of FC) III rd year

Faculty:

- Mrs. Asha Wadhwani
- Dr. Nidhi Nema

Academic & Cultural Contributions:

- Faculty members have participated in national workshops, administrative training, and webinars. They also served as resource persons for specialized sessions in phonetics and grammar, and took part in key evaluation and invigilation duties.

Events & Initiatives:

- Personality Development Program in collaboration with Swami Vivekananda Career Guidance Cell & Aakash Unnati Foundation

Participation in events like Hindi Divas, Mental Health Day, National Girl Child Day, and creative competitions such as debates, poster making and face painting.

Roles & Responsibilities:

- Faculty actively contribute to academic governance—as members of the Board of Studies, the Editorial Board, and examination committees—besides overseeing UG exams.

Student-Centric Efforts:

- The department facilitates major scholarship schemes (Mukhyamantri Medhavi Vidyarthi Yojana, Mukhyamantri Jan Kalyan Yojana) and conducts Parent-Tutor Meetings to support student development.

In Summary:

The Department of English remains steadfast in its mission to develop confident communicators and culturally aware citizens, reinforcing its role as a cornerstone of the college's academic and cultural environment.

भूगोल विभाग



डॉ पूनम वासनिक
विभागाध्यक्ष

भूगोल एक अंतरानुशासनिक विषय है । जिसका संबंध सभी वैज्ञानिक, कलात्मक एवं समाजशास्त्रीय विषयों से है। इसी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल के बी. ए. स्नातक पाठ्यक्रम में वर्ष 2018 से भूगोल विषय को सम्मिलित किया गया । भूगोल विषय में स्नातक डिग्री का प्रथम बैच 2021 में उत्तीर्ण हुआ। वर्तमान में नयी शिक्षा नीति के अंतर्गत भूगोल विषय में अध्यापन कार्य किया जा रहा है । जिसमें क्षेत्र भ्रमण, प्रोजेक्ट रिपोट, केस स्टडी, प्रश्न बैंक द्वारा विद्यार्थियों को विषय के प्रति जागरूक बनाकर समाज उपयोगी वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास किया जा रहा है।

इतिहास विभाग



डॉ मधुसूदन प्रकाश
विभागाध्यक्ष इतिहास

महाविद्यालय में इतिहास विभाग की स्थापना वर्ष 2018 में हुई थी। विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। वर्तमान मे बी. ए. प्रथम वर्ष में 107 विद्यार्थी, बी. ए. द्वितीय वर्ष में 87 एवं तृतीय वर्ष में 69 विद्यार्थी इतिहास विभाग मे अध्ययनरत है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में एम. ए. प्रथम सेमेस्टर में 49 विद्यार्थी एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में 44 विद्यार्थी अध्ययनरत है। विभाग में कुल 356 विद्यार्थी पंजीकृत है। विभागीय पुस्तकालय मे लगभग 75 पुस्तके है, जो विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु प्रदान की जाती हैं। वर्तमान मे इतिहास विभाग में 03 नियमित सहायक प्राध्यापक जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ मधुसूदन प्रकाश, डॉ एकता पाल एवं श्रीमती पुष्पा देवी साहू कार्यरत हैं।

हिन्दी विभाग



डॉ मीनू चतुर्वेदी
विभागाध्यक्ष हिन्दी

भारतवर्ष में सर्वाधिक प्रयुक्त होने वाली भाषाओं में हिंदी भाषा सर्वोपरि है । महाविद्यालय में हिंदी विभाग भाषा के माध्यम से ज्ञान परंपरा ,संस्कृति और आत्मिक चेतना को विस्तार देने हेतु सतत् प्रयत्नशील रहता है। इसी तारतम्य में नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है ,ताकि अध्यनरत विद्यार्थी समाज के सरोकारों से जुड़कर स्वयं का चरित्र निर्माण कर सके व राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के दायित्व को निभा सके।

विभाग की प्राध्यापक डॉ संगीता गुप्ता विभागाध्यक्ष की सेवानिवृत्ति के पश्चात डॉ.मीनू चतुर्वेदी विभागाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वाहन कर रही है।डॉ° मीनू चतुर्वेदी शोध निर्देशक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के मार्गदर्शन में दो शोधार्थी अपना शोध कार्य कर रहे हैं । साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी तथा प्रतिभा किरण व गांव की बेटी योजना की संयोजक तथा साहित्यिक सांस्कृतिक समिति की संयोजक भी है। डॉ. मीनू चतुवेदी द्वारा लिखित दूसरी पुस्तक विष्णु दास कृत रामायण कथा सत्र2024-.25 प्रकशित हुई है।

विभाग में पदस्थ डॉ° उमाशंकर कुल्हारे 15 वर्षों से अपनी सेवाएं विभिन्न शासकीय महाविद्यालय में दे चुके हैं। वर्तमान में वे इस महाविद्यालय में **कॉलेज चलो अभियान** में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों के उन्नयन हेतु विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं जिसके अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के विशेष व्याख्यान द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जाता है। इसी क्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ° उर्मिला शिरीष जी को 14 सितंबर 2024 हिंदी दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया तथा मातृभाषा दिवस(20/02/25) के सफल आयोजन हेतु प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय सीहोर (हिंदी के वरिष्ठ प्राध्यापक) डॉ. रोहिताश्व शर्मा द्वारा विशिष्ट व्याख्यान दिया गया।

गृह विज्ञान विभाग



डॉ. मीनाक्षी सक्सेना
विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल में गृह विज्ञान संकाय का प्रारंभ 2018-19 में किया गया था।

गृह विज्ञान संकाय में 2023-24 में प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी सक्सेना (गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष) एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. रूचि सोनी, श्रीमती भारती गोस्वामी, श्रीमती निशा यादव पदस्थ है। विभाग के शैक्षणिक स्टाफ के तीनों सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि सफलतापूर्वक समाप्त कर ली है।गृह विज्ञान में बी. एच.एस.सी. प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाऐं NEP के पाठ्यक्रम में सुचारू रूप से चलाई जा रही है। तथा इस में विद्यार्थी आहार एवं पोषण , वस्त्र विज्ञन तथा पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विषय मेजर एवं माइनर रूप से ज्ञन प्राप्त कर रहें है। First Aid Nursing and Hygiene (प्राथमिक चिकित्सा नर्सिग एवं हाईजीन) विषय Open Elective के रूप में अन्य संकाय के विद्यार्थी भी अध्ययन कर रहे है। गृह विज्ञन विभाग के विद्यार्थी अति उत्साही है तथा विभिन्न पाठ्येत्तर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते है।

मध्य प्रदेश इन्सटीयूट ऑफ हॉस्पिटालिटी ट्रेवल एण्ड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल के तत्वाधान में 15/09/2024 को नेशनल न्यूट्रीशन मंथ के कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभाग द्वारा अगस्त 2024 के प्रथम सप्ताह में विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान सप्ताह बनाया गया ।सुरक्षित मातृत्व संबंधी जानकारी गर्भवती महिलाओं को दी गई।01 सितम्बर 2024 से 07 सितम्बर 2024 के मध्य विभाग द्वारा पोषण सप्ताह बनाया गया। जिसमें पोस्टर एवं हेल्दी रेसीपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गृहविज्ञन विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र श्री अरविंद नामदेव का चयन NID में लेब असिस्टेण्ट , NIFT में गेस्ट फेकल्टी के रूप में हुआ था। एवं स्वरोजगार हेतु वह Ministry of textile के अंतर्गत N. Prayansh Handloom Producer Company Ltd. में निर्देशक के रूप में कार्यरत है। छात्रा रचना यादव का चयन NIFT में लेब असिस्टेण्ट , के रूप में चयन हुआ एवं मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग के खादी वस्त्र डिजाइनर के रूप में चयनित हुई है। तथा पूनम बटाला गारमेंट डिजाइनर के रूप में बुटिक में कार्यरत है। इन विद्यार्थियों ने महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

गणित विभाग



डॉ. राजेश श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष गणित

महाविद्यालय के गणित विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षायें क्रमशः 1982 एवं 1997 से संचालित हो रही हैं। वर्तमान में विभाग में 03 प्राध्यापक, 01 सह प्राध्यापक एवं 01 सहायक प्राध्यापक पदस्थ है।

डॉ. राजेश श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष है। आपको 38 वर्ष का अध्यापन अनुभव है। आपके निर्देशन में 01 शोधार्थी श्रीमती दीपिका का शोधग्रंथ विश्वविद्यालय में जमा किया गया है, एवं 04 शोधार्थी वर्तमान में शोधरत है। आपके 06 शोधपत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. श्रीवास्तव बी.एस.एस. एवं गीतांजली महाविद्यालय की बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य भी हैं। आप सत्यसांई कन्या महाविद्यालय भोपाल के प्रबंधन बोर्ड में शासकीय निकाय के सदस्य के रूप में मनोनीत किये गये हैं। आप मीडिया समिति, छात्र संघ प्रभारी शीर्ष समिति एवं रिसर्च सेल, यू.जी.सी. समिति में भी कार्यरत है। डॉ. श्रीवास्तव को म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आर्यभट्ट विश्वविद्यालय श्यामपुर, सीहोर के शासकीय निकाय के सदस्य नियुक्त किये गये है।

डॉ. नवल सिंह के 02 शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। आपको 31 वर्ष का अध्यापन अनुभव है। आप संघ लोक सेवा आयोग, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एवं मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल में आब्जर्वर रहे है। महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी., जनभागीदारी, आयकर समिति में सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. अनीता मंडलोई को 32 वर्ष का अध्यापन अनुभव है। आपके सत्र 2024-25 में 02 रिसर्च पेपर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। आप सेमेस्टर सेल, समय सारिणी, युवा उत्सव समिति, समान अवसर प्रकोष्ठ समिति की सदस्य भी है। आई.क्यू.ए.सी. समिति में सदस्य के रूप में कार्यरत है। बी.एस.सी. प्रथम वर्ष प्रवेश समिति का कार्य भी इस सत्र में आपके द्वारा किया गया।

डॉ. संदीप कुमार मल्होत्रा को 28 वर्ष का अध्यापन अनुभव है। आप के निर्देशन में इस सत्र में 02 शोधार्थी के शोध पी.एच.डी. हेतु जमा किये गये एवं 06 शोधार्थी शोधरत है। आपके 02 पेपर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके है। आपके द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्यवक्ता के रूप में भाग लिया। आपने 12 महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्यान दिये। डॉ. मल्होत्रा, आई.ई.एच.ई. भोपाल, पं.एस.एन.शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल, बी.एस.एस.एस. कॉलेज भोपाल में बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य भी है। आप महाविद्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदस्थ है। आप महाविद्यालय की अन्य समितियों जैसे शीर्ष समिति, ईपीएफ समिति, वित्त एवं लेखा समिति, आयकर समिति, सी.एम.हेल्प लाइन समिति, क्रीड़ा समिति, छात्र संगठन समिति, बेवसाईट समिति, रिसर्च सेल, समान अवसर प्रकोष्ठ समिति, विश्वविद्यालयीन कार्य समिति, जनभागीदारी समिति, आई.क्यू.ए.सी./नैक समिति, अतिथि विद्वान समिति एवं टेंडर समिति के सदस्य है।

डॉ. ज्योति पंथी को 20 वर्ष का अध्यापन अनुभव है। संघ लोक सेवा आयोग, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एवं मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल की परीक्षाओं में पर्यवेक्षक रह चुकी है। वर्तमान में प्रवेश मार्गदर्शिका समिति में डॉ. पंथी संचालनालय उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. द्वारा गठित समिति की सदस्य है। अतिरिक्त संचालक भोपाल नर्मदापुरम संभाग द्वारा गणित पी.एच.डी. शोध छात्रवृत्ति नवीनीकरण समिति की सदस्य भी है। आप महाविद्यालय की अनुसूचित जाति/जनजाति स्कॉलरशिप समिति, आयकर समिति, मीडिया एवं कम्यूनिकेशन, विद्यार्थी परिचय पत्र समिति, आई.टी./टेक्निकल समिति की सक्रिय सदस्य है।

शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत गणित विषय के सभी विद्यार्थियों का उनके अभिभावकों के साथ बैठक आयोजित कर उनसे चर्चा की जाती है। विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिये गणित दिवस का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के उन्नयन के लिये पावरपाइंट प्रजेंटेशन एवं पोस्टर निर्माण कराया गया। स्नातक एंव स्नातकोत्तर के छात्रों ने गणित विभाग में फील्ड प्रोजेक्ट एवं इन्टर्नशिप पूर्ण करते हुए विश्वविद्यालयीन परीक्षओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की।

भौतिकी विभाग



डॉ. रागिनी तिवारी
विभागाध्यक्ष भौतिकी

वर्तमान में महाविद्यालय में भौतिक शास्त्र विभाग की स्नातक कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। विभाग में 04 प्राध्यापक कार्यरत हैं। डॉ. रागिनी तिवारी विभागाध्यक्ष है। डॉ. हर्षा जालोरी एवं डॉ. ममता पाण्डेय, डॉ. धर्मेश कुमार खरे, प्राध्यापक के पद पर एवं श्री मणिकांत भिडे प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर कार्यरत है। विभाग में भौतिकी की दो एवं कम्प्यूटर की एक प्रयोगशाला है। PMCs पाठ क्रम महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अर्न्तगत संचालित है। कम्प्यूटर विभाग में विपिन कुमार अतिथि विद्वान के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. हर्षा जालोरी सत्र 2023-24 में B.Sc प्रथम वर्ष (गणित) प्रवेश समिति में संयोजक रहीं। डॉ. हर्षा जालोरी मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना व मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना की प्रभारी है। डॉ. ममता पाण्डेय, गाँव की बेटी योजना का कार्य संपादित कर रही हैं। विभाग दवारा अध्यापन के साथ-साथ उच्च स्तर का शोध कार्य भी किया जाता है। विभाग के सभी सदस्य प्राचार्य के द्वारा दिये गये सभी कार्यों को पूर्ण निष्ठा से करते हैं। डॉ. हर्षा जालोरी के निर्देशन में एक शोधार्थी ने सितम्बर 2023 में पीएच.डी की उपाधि प्राप्त की व एक शोधार्थी पीएच.डी. के लिये पंजी□त है। सत्र 2023-24 में डॉ. हर्षा जालोरी उपविजेता टीम बैडमिंटन व शंतरज (राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शिक्षक अधिकारी एवं कर्मचारी) की सदस्य रही हैं। डॉ. ममता पाण्डे गर्ल्स कॉमन रूम की प्रभारी हैं डॉ. हर्षा जालोरी वर्ष 2023-24 में युवा उत्सव की प्रभारी रही है। डॉ. हर्षा जालोरी आई.टी. समिति, साहित्यिक व सास्कृतिक समिति की सदस्य हैं एवं डॉ. हर्षा जालोरी व डॉ. ममता पाण्डेय स्वच्छता समिति की सदस्य रही। डॉ. हर्षा जालोरी का राष्ट्रीय शोध पत्र में दो पेपर प्रकाशित हुआ है डॉ. हर्षा जालोरी ने 02 एक सप्ताह के फेकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम में भाग लिया। डॉ. हर्षा जालोरी ने MPHEQIP के अंतर्गत प्वक्ण्च् अनुसार भौतिक शास्त्र प्रयोगशाला के उपकरण क्रय करने के संबंध में स्पेसिफिकेशन के निर्धारण एवं निविदा प्रारूप के बनाये जाने के संबंध में महत्वपूर्ण कार्य किया। डॉ. हर्षा जालोरी ने उच्च शिक्षा विभाग के Integrated IT Portal में College management Website की Nodal officer रही है। डॉ. ममता पाण्डेय का सत्र 2023-24 में राष्ट्रीय शोध पत्र में 1 शोध-पत्र प्रकाशित हुआ एवं एक-एक सप्ताह के 02 Faculty Development Programme में भाग लिया। डॉ. ममता पाण्डेय ने छात्राओं के लिये (गर्ल्स कॉमन रूम की प्रभारी होने के नाते) स्वच्छता व पोषण पर महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजित किया।

डॉ. धर्मेश कुमार खरे अध्ययन केन्द्र म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल प्रभारी हैं। विभाग के द्वारा भौतिकी में स्नातकोतर कक्षायें प्रारम्भ करने का प्रस्ताव उच्चशिक्षा विभाग में जा चुका है।

राजनीतिशास्त्र विभाग



डॉ. व्ही.पी. सिंह गौर
विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र

➪ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप निम्नलिखित विद्यार्थियों की अकादमिक उन्नयन को दृष्टिगत रखते हुये अध्ययन पूर्ण किया गया।

बी.ए. प्रथम वर्ष में सत्र–2024 - 25 में राजनीतिशास्त्र विषय मेजर -35, माइनर - 113, इलेक्टिव - 18 विद्यार्थीयों ने प्रवेश लिया।

➪ विभाग के प्राध्यापक डॉ. गौर के द्वारा विधान सभा निर्वाचन 2023 एवं लोकसभा निर्वाचन 2024 में मास्टर ट्रेनर के रूप में मतदान दलों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सामग्री वितरण दलों का प्रशिक्षण कार्य भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा समय-2 पर जारी निर्देशानुसार सुचारू रूप से संपन्न किया गया।

➪ विधान सभा क्षेत्र–150 भोपाल उत्तर में दिनांक 21.10.2023 से 02.11.2023 तक रिटर्निंग ऑफीसर कार्यालय में उपस्थित रहकर नाम निर्देशन प्राप्ति से संबन्धित कार्य निष्ठा पूर्वक संपादित किया गया।

➪ प्राध्यापक डॉ. गौर द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के अखिल भारतीय सेवा एवं केन्द्रीय सेवाओं के अधिकारियों के लिये विशेष आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 01.12.2023 को विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित होकर प्रतिभागियों से पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

➪ शासकीय हमीदिया चिन्हित महाविद्यालय भोपाल द्वारा गठित समिति के सदस्य के रूप में डॉ. गौर द्वारा भोपाल स्थित शासकीय महाविद्यालयों में संचालित छात्रावासों का भौतिक निरीक्षण उपरांत प्रतिवेदन प्रेषित किया गया।

➪ न्यायालयीन प्रकोष्ठ के प्रभारी के रूप में डॉ. गौर ने अवमानना प्रकरण क्र0 CONC - 190/2024 डॉ. उमाकांत मिश्र विरूद्ध श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता एवं अन्य में दिनांक 07.03. 2024 को माननीय उच्च न्यायालय मुख्य पीठ जबलपुर प्राचार्य के सहयोग में उपस्थित होकर शासन का पक्ष प्रस्तुत किया।

➪ शिक्षक अभिभावक योजना के अंतर्गत बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं समस्याओं का समाधान से संबंधित कार्य संपन्न किये गये।

➪ डॉ. गौर द्वारा बी.ए. तृतीय वर्ष में प्रवेश नवीनीकरण कार्य एवं उनके ए.बी.सी. आई.डी. जनरेट कराने का कार्य, जिलास्तरीय योगा (पुरूष) प्रतियोगिता में पात्रता समिति के संयोजक एवं युवा उत्सव के अंतर्गत प्रश्नमंच के संयोजक के रूप में उक्त कार्यों को सफलता पूर्वक संपन्न किया।

- महाविद्यालय में दिनांक 11.12.2023 को भारतीय भाषा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का उद्बोधन/मार्गदर्शन किया गया। शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय भोपाल में दिनांक 27/28 फरवरी 2024 को ``भारतीय ज्ञान परम्परा`` पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ई-कंटेंट लेखक के रूप में सहभागिता की।

- बी.ए. द्वितीय वर्ष (NEP) एवं बी.ए. द्वितीय/ तृतीय वर्ष पुराना पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन विश्वविद्यालय के पोर्टल पर शुल्क जमा कराते हुए ऑनलाईन दर्ज कराने की कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित की गई।

- कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2023 के संबंध में परीक्षार्थियों द्वारा प्रश्नों के संबंध में प्राप्त आपत्तियों के निराकरण हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। दिनांक 21 एवं 22 सितम्बर 2023 को उक्त परीक्षा की उत्तरकुंजी को अंतिम स्वरूप प्रदान किया गया।

- राजनीति विभाग द्वारा दिनांक 26.11.2023 को संविधान दिवस के कार्यक्रम का गरिमा पूर्ण आयोजन किया गया। संविधान द्वारा स्थापित लोकतांत्रिक, पंथ निरपेक्ष एवं गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था के अन्तर्गत एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उन्हें मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।

- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की दिनांक 06.06.2024 से सांय पाली में आयोजित महाविद्यालयीन वार्षिक परीक्षाओं का सफल संचालन सहायक पाली अधीक्षक के रूप में किया गया।

- निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 150 भोपाल उत्तर के आदेश क्र0 151/निर्वा./भो. उत्तर/150/2023 भोपाल दिनांक 17.07.2023 के अनुपालन में बी.एल.ओ. सुपरवाइजर/ बी.एल.ओ. को निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण के प्रशिक्षण कार्य को संपन्न किया गया।

- विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी श्रेती कार्यरत है। जो कि महाविद्यालय की निम्नलिखित समितियों में सदस्य है- आवास सहायता योजना समिति , सेमेस्टर सेल, गाँव की बेटी समिति, प्रतिभाकिरण योजना समिति, बी.ए. परीक्षा आवेदन जमा करने संबंधित समिति, कॉलेज चलो अभियान समिति।

- राजनीतिशास्त्र विभाग में एक प्राध्यापक- डॉ. व्ही.पी. सिंह गौर, विभागाध्यक्ष है। और एक सहायक प्राध्यापक है- डॉ. मीनाक्षी श्रेती है।

SOCIOLOGY DEPARTMENT



Dr. Harneet Chima
(HOD Sociology)

The department of sociology was established in Govt. Dr. Shyama Prasad Mukherjee Science & Commerce College in the year 2018.

The department has both U.G. & P.G. classes, with semester system in P.G. & choice based credit system at the U.G.level. Sociology is one of the newest branch of social sciences. Sociology has theoretical as well as practical application. It is very popular amongst students, especially for those who are preparing for civil services and those who want a job in government departments as well. At present, there are three sanctioned posts of sociology; in which the following faculty members are there-

1. Dr. Harneet Chima (HOD)

2. Dr. S. S. Yadav

3. Dr. Archana Nagar (Guest Faculty)

To encourage the holistic development of students and to not just limit their knowledge about society to the syllabus, there are continuous discussions with the students about important social events, both national and international. Oral Presentations, Group Discussions and ppt presentations are also encouraged so that students become confident in verbal communication.

The M.A. SEM IV students are sent to various organizations like old age homes, NGO, Anganwadis, De-addiction centers, Juvenile homes, Jail, slums- Self help groups, Adult education Centers - Panchayats, Police mitra etc.

Dr. Harneet Chima organized a workshop on issues related to Protection of women against sexual harassment in which Dr. Madhvilata Dubey (HOD Sociology SNGGPG College, Bhopal) spoke on protection of women from sexual harassment on 28th March 2024.

प्राणीशास्त्र विभाग



डॉ. कल्पना दवे
विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र

प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक विषय का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष ज्ञान दिया जाता हैं, जिससे उनका विषय के प्रति रूझान बना रहें।

विभाग में स्नातक कक्षाएं 1982 से और स्नाकोत्तर कक्षाएं 2017 से संचालित की जा रही हैं, विभाग के द्वारा ही स्नातक स्तर पर बायोटेक्नोलॉजी विषय की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कक्षाएं सत्र 2007 से अतिथि विद्वान द्वारा संचालित की जा रही हैं, विभाग में कुल 06 प्राध्यापक एवं 02 सहप्राध्यापक तथा 01 अतिथि विद्वान कार्यरत हैं, विभाग में एक लैब टेक्नीशियन कार्यरत हैं।

डॉ. संजय तेलंग, सत्र 2023-24 में प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्यरत रहे, उनके द्वारा महाविद्यालय के नेक प्रत्यायन को सत्र 2023 में पूर्ण कर ठ ग्रेड अर्जित किया गया। जो महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय हैं, एवं महाविद्यालय को भोपाल शहर में विशिष्ट पहचान दिलाई। नेक 2020 के अन्तर्गत बायोटेक्नोलॉजी विषय के पाठ्यक्रम बनाने हेतु समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत रहें। 02 शोधार्थियों को शोध हेतु सहनिर्देशक के रूप में निर्देशन भी प्रदान किया।

डॉ.कल्पना दवे, प्राध्यापक के निर्देशन में 01 शोधार्थी द्वारा 2022 में शोध ग्रंथ जमा किया एवं पी.एच.डी. की उपाधि सत्र 2023 में अवार्ड हुई, 03 अन्य शोधार्थी भी शोध कार्य कर रहें हैं, शास. एम.एल.बी महाविद्यालय भोपाल के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज में महाविद्यालय से मनोनीत सदस्य के रूप में कार्यरत रहीं। नेक 2020 के अन्तर्गत सेरीकल्चर विषय की पाठ्यक्रम समिति में सदस्य के रूप में कार्यरत हैं, नेक प्रत्यायन के काइटेरिया 04 में सदस्य एवं संयोजक के रूप में कार्य किया एवं शिक्षक अभिभावक संयोजक के रूप में कार्य का संपादन किया।

डॉ. माह्रिा परवीन, के द्वारा पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के कार्य को संचालित किया गया। बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की शिक्षक अभिभावक के रूप में कार्य को संपादित किया। नेक 2020 के अन्तर्गत सेरीकल्चर विषय के पाठ्यक्रम की समिति की सदस्य के रूप में कार्यरत रहीं।

डॉ. के. के. मिश्र, प्राध्यापक द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम कक्षाओं का कार्य संपादन किया। इनके द्वारा नेक 2020 के अन्तर्गत बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के द्वितीय पेपर की पुस्तक (हिन्दी मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमीं) प्रकाशित की गई, उनके द्वारा प्राणीशास्त्र विषय से संबधित बी.एस.सी. प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के विभिन्न माड्यूल चेक करने हेतु समिति के संयोजक के रूप में कार्य संपादित किया। नेक काइटेरिया 03 समिति के संयोजक के रूप में कार्य किया।

डॉ. आई.ए. दुर्रानी, द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में सदस्य के रूप में कार्य किया, तथा छात्रवृति के नोडल के रूप में कार्य का संचालन कर रहे हैं। रूसा एवं वर्ल्ड बैंक में सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। तथा शिक्षक अभिभावक के रूप में कार्य किया।

डॉ. मुकेश नापित, सतपुड़ा में शासन के द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यों को संपादित कर रहें हैं, उनके द्वारा वर्चुअल क्लास भी समय-समय पर ली जा रही हैं। इन्होने नेक 2020 के पाठ्यक्रमानुसार बी.एस.सी. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के ई-कंटेंट को तैयार किया सत्र 2023-2024 में शोध निर्देशक के रूप में पंजीकृत हुयें हैं। डॉ. दीप्ती वैश्य, सतपुड़ा उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश समिति में संचालन कर रहीं हैं।

डॉ. हेमलता वर्मा, एन.एस.एस. प्रभारी हैं, जिनके अन्तर्गत इन्होने विभिन्न गतिविधियों को संचालित किया। बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष का ई-कंटेन्ट तैयार किया गया।

विभाग के सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों की फील्ड वर्क कार्य को संचालित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एम.एस.सी. तृतीय वर्ष के छात्र जीतू मस्काम के द्वारा सत्र 2024-2025 में सेट

(State eligibility test) उतीर्ण किया हैं।

विभाग के द्वारा वन्य जीव सप्ताह के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें टीम गठित कर उनको प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान दिया गया।

शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग



डॉ. सतीश कुमार
क्रीड़ा अधिकारी

महाविद्यालय में विभिन्न खेल विद्याऐं आयोजित कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। म.प्र. शासन , उच्च शिक्षा विभाग एवं बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से प्राप्त खेल कैलेन्डर के अनुसार निम्न खेलों में महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने भागीदारी कर महाविद्यालय का नाम रौशन किया है।

1. जिला स्तर एवं अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता - पिट्ठू , बॉल बैडमिंटन, योग , क्रिकेट , वॉलीबॉल, क्रॉसकंट्री , कराटे, ड्रेगनबोट , कबड्डी , बॉक्सिंग, बैडमिंटन, शतरंज।

2. संभाग स्तर प्रतियोगिता- पिट्ठू , योग , शतरंज।

3. राज्य स्तर प्रतियोगिता- श्शतरंज ।

आयोजन-

1. जिला स्तरीय पिट्ठू (महिला) प्रतियोगिता

2. जिला स्तरीय पिट्ठू (पुरूष) प्रतियोगिता

उपलब्धियाँ-

1. जिला स्तरीय पिट्ठू (महिला) प्रतियोगिता में विजेता

2. जिला स्तरीय पिट्ठू (पुरूष) प्रतियोगिता में विजेता

3. अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विजेता

4. अंतर महाविद्यालयीन बॉल बैडमिंटन (पुरूष) प्रतियोगिता में उप विजेता

5. अंतर महाविद्यालयीन कराटे प्रतियोगिता के 84 किलो. वर्ग में छात्र शिवम गुर्जर बी.ए. तृतीय वर्ष स्वर्ण पदक विजेता रहें।

6. अंतर महाविद्यालयीन कराटे प्रतियोगिता के 84 किलो. वर्ग में छात्र सूरज जयसवाल, बी.कॉम प्रथम वर्ष स्वर्ण पदक विजेता रहें एवं रोहतक में आयोजित अखिल भारतीय कराटे प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

7. अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 60 - 63 कि.लो. वर्ग में छात्र मिथुन नायक बी.कॉम तृतीय वर्ष स्वर्ण पदक विजेता रहे एवं पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

8. अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 48 - 50 कि.लो. वर्ग में छात्र पियूष गौर बी.कॉम तृतीय वर्ष स्वर्ण पदक विजेता रहे एवं पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

9. अंतर महाविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 57 - 60 कि.लो. वर्ग में छात्र संकल्प सोनवाणे बी.ए. प्रथम वर्ष स्वर्ण पदक विजेता रहे एवं पंजाब में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
10. महाविद्यालय के छात्र शिवम गुर्जर बी.ए. तृतीय वर्ष ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर दक्षिण -पश्चिम अंतरविश्वविद्यालयीन कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता एवं रोहतक में आयोजित अखिल भारतीय अंतरविश्वविद्यालयीन कराटे प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
11. म.प्र. स्टेट लेवल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में छात्र पियूष गौर बी.कॉम तृतीय वर्ष ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुये कांस्य पदक विजेता रहे।
12. म.प्र. शासन , उच्चशिक्षा विभाग की जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में छात्र वेदांत भारद्वाज, एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर ने भोपाल - नर्मदापुरम संभाग शतरंज दल का प्रतिनिधित्व किया। शतरंज में वेदांत का अंतर्राष्ट्रीय रेंटिंग 1791 है।
13. म.प्र. शासन , उच्चशिक्षा विभाग की इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय पिट्ठू (महिला/पुरूष) प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा अंशिका भारतीय , (बी.एस.सी तृतीय वर्ष) , अंगूरी तोमर , (बी.कॉम प्रथम वर्ष) एवं छात्र देवांग प्रजापति , (बी.कॉम द्वितीय वर्ष) ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।
14. बैंगलुरू में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन बॉल बैडमिन्टन प्रतियोगिता में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व महाविद्यालय के छात्र सूरज सिंह एम.कॉम द्वितीय सेम. , पार्थ श्शर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं आतिश भाटी, बी.कॉम प्रथम वर्ष ने किया।

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के अंतर्गत महाविद्यालय में जेनरिक इलेक्टिव विषय के रूप में श्शारीरिक शिक्षा (Physical Education) की कक्षायें निरंतर रूप सें संचालित कि जा रही है। सत्र 2024-25 में शारीरिक शिक्षा अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है।-

1. प्रथम वर्ष - 111 विद्यार्थी
2. द्वितीय वर्ष - 180 विद्यार्थी
3. तृतीय वर्ष - 135 विद्यार्थी

स्पोर्ट्स गतिविधियों की झलक












NEW HORIZON
COLLEGE
ALL INDIA INTER-UNIVERSITY
BALL BADMINTON CHAMPIONSHIP
FOR MEN 2024-25


BOXING
Men & Women
WRESTLING
Men & Women
KABADDI
Women
KICKBOXING
Men & Women
NAAC
GRADE
GURU KASHI
UNIVERSITY
www.gku.ac.in


NEW HORIZON
COLLEGE
FOR MEN 2024-25

महाविद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय पिट्ठू प्रतियोगिता विधायक जी सहभागिता करते हुए









राज्य स्तरीय शिक्षक अधिकारी कर्मचारी चयन खेल कूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की डॉ हर्षा जालौरी द्वारा चैस, टेबल टेनिस एवं बेडमिंटन विधाओं में उत्कृष्ट प्रर्दशन किया गया।











पुस्तकालय विभाग

के.एल. खांडपा
पुस्तकालयाध्यक्ष

आधुनिक सूचना क्रांति उद्योग एवं सार्वभौमिक ज्ञान जगत के इस युग में किसी भी शिक्षण संस्था का उसके अपने पुस्तकालय की अहम एवं महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए पुस्तकालयों को ''**हृदय स्थल**'' या प्रमुख सूचना केन्द्र या सूचना तंत्र के नेटवर्क का केन्द्र भी कहा जाता है।

पुस्तकालय एक सामाजिक संस्था होने के साथ–साथ निरन्तर उत्तरोत्तर ज्ञानवर्धनशील संस्था है। इसी कड़ी में हमारा अपने शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर (पुराना बेनजीर) महाविद्यालय, भोपाल का पुस्तकालय भी उच्च शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन–वृद्धि–विस्तार में निरन्तर विकास की ओर अग्रसर होकर ''**बेनजीर**'' है।

वर्तमान में लगभग 21239/– पुस्तकों का विशाल संग्रह पुस्तकालय में संग्रहित है जिसमें यू.जी.सी., बुक बैंक, सामान्य योजनान्तर्गत एवं जनभागीदारी मद से क्रय की गई पुस्तकें शामिल हैं। उपर्युक्त योजनाओं में छात्रहित में वार्षिकी पद्धति एवं सेमेस्टर वाइज पाठ्य पुस्तकें एवं मौलिक विषयों के संदर्भ ग्रन्थ जिसमें भारतीय संस्कृति, भारतीय संविधान, विवेकानन्द साहित्य, कॅरियर विषयों की रोजगारोन्मुखी जानकारी विषयक पुस्तकें, भारतीय त्यौहार, महापुरूषों की जीवनियाँ, स्वतंत्रता संबंधित एवं भारतीय इतिहास, धर्म आदि की पुस्तकें क्रय की गई। सत्र 2024–25 में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या लगभग 4035 हैं। इन सभी 4035 विद्यार्थियों को 672 + 9865 (अनुसूचित जाति, जनजाति सहित) पुस्तकें प्रदाय एवं वापसी कार्य किये गये। पुस्तकें प्रदाय वापसी कार्य निरन्तर जारी रहता है। सत्र 2024–25 में पुस्तकालय में नंबर ऑफ रीडर्स की संख्या 5897 लगभग रही। पुस्तकालय से विद्यार्थियों को Library cum Identity card – जारी किये गये।

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर: भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी शास्त्र, गणित, वाणिज्य, कम्प्यूटर साइंस/एप्लीकेशन्स, बॉयोटेक्नोलॉजी, गृह विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल तथा

स्नातकोत्तर स्तर पर: गणित, रसायनशास्त्र, वाणिज्य, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास विषय संचालित है। सभी विषय की नवीनतम् वार्षिकी पद्धति एवं सेमेस्टर–वाइज एवं संदर्भ–ग्रन्थ/मौलिक पुस्तकें आवश्यकतानुसार पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

दैनिक समाचार पत्रः–

पुस्तकालय में विद्यार्थियों को नवीनतम् समसामयिक एवं अद्यतन ज्ञान, जानकारी प्राप्त हो, इसके लिए 8 **दैनिक समाचार पत्र** (हिन्दी एवं अॅंग्रेजी) आ रहे हैं :–

1. दैनिक भास्कर,
2. राज एक्सप्रेस,
3. पत्रिका,
4. नवदुनिया,
5. पीपुल्स समाचार,
6. हरि – भूमि
7. Indian Express
8. The Hindu

सम–सामयिकी पत्रिकाएँः–

ज्ञानवर्धन और प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी हेतु तथा रोजगारोन्मुखी जानकारी हेतु पुस्तकालय में निम्नलिखित **सामयिकी पत्रिकाएँ** आ रही हैं जिसमें :–

1. रोजगार और निर्माण
2. रोजगार–समाचार
3. प्रतियोगिता दर्पण,
4. कम्पीटिशन सक्सेस रिव्यू,
5. इण्डिया टुडे,
6. कुरूक्षेत्र,
7. योजना,
8. करेन्ट अफेयर्स टुडे
9. रीडर्स्–डायजेस्ट, (Readers Digest)
10. मध्यप्रदेश संदेश,
11 रचना,

विद्यार्थियों को उनके अपने विषयों की मौलिक एवं गहनतम् जानकारी प्राप्त हो तथा उन्हें अपने शोध कार्यों में रचनात्मक/सहयोग मिले इस दृष्टिकोण से विषय प्रमुखों की अनुशंसा अनुसार पुस्तकालय में निम्नलिखित **जर्नल्स्** सत्रः 2013–14 से निरन्तर आ रहे हैं।

JOURNALS :

1. Indian Journal of Chemistry Section A
2. Indian Journal of Chemistry Section B
3. Indian Journal of Experimental Biology
4. Indian Journal of Pure & Applied Physics
5. Indian Journal of Chemical Technology
6. Indian Journal of Biochemistry & Biophysics
7. Indian Journal of Biotechnology
8. Indian Journal of Natural Products& Resources
9. The Indian journals of Commerce
10. Pramana journal of Physics
11. Indian Journal of Bio-Sciences
12. Journal of Genetics
13. Proceedings (Mathematical Science)
14. Journal of Chemical Sciences
15. Current Science(IAS- बंगलौर द्वारा प्रकाशित)

लेकिन **CSIR-NICAIR** द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय जर्नल्स कुछ बन्द हो गये, तो कुछ जर्नल्स् को मर्ज करके अब वर्तमान में तीन जर्नल्स् Publish हो रहे हैं जिन्हें सत्रः 2022–23 से Subscription किये जा रहे हैंः–

1. Indian Journal of Chemistry
2. Indian Journal of Pure & Applied Physics
3. Indian Journal of Biochemistry & Biophysics
4. Current Science.

प्रारंभ से आज तक पुस्तकालय में क्रय की जाने वाली पुस्तकों की संख्याः–

1. यू.जी.सी. मद	–	11175
2. शासकीय मद	–	10223
3. बुक बैंक मद	–	4566
4. जनभागीदारी मद	–	3390
कुल पस्तकें	–	29354

इन 29354 पुस्तकों में से प्रारंभ से आज दिनांक तक अपलेखन की गयी पुस्तकों की संख्या 8115 है, अतः वर्तमान में 21239 पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध है।

सत्र 2024–25 में अजा/अजजा के विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें 9856 क्रय की गई एवं वितरित की गयी जो कि वापस नहीं होना है, जिसकी विवरण तालिका निम्नानुसारः–

क्र.	वर्ग	छात्र	छात्राएँ	योग	स्टेशनरी राशि	पुस्तकें राशि	कुल राशि	कुल वितरित की गयी पुस्तकों की संख्या	
1.	अजा	312	139	451	225500	730911	956411	6631	9856
2.	अजजा	151	54	251	125500	339894	465394	3225	

सत्र 2015–16 से सत्र 2021–22 तक अ.जा/अ.ज.जा के निःशुल्क पुस्तकें एवं स्टेशनरी क्रय कर वितरण तालिका

क्र.	सत्र	अ.जा.		योग	अ.ज.जा		योग	कुल योग	स्टेशनरी राशि	पुस्तकें राशि	कुल राशि	कुल वितरित की गयी पुस्तकों की संख्या
		B	G		B	G						
1.	2015-16	263	47	310	114	11	125	435	217500	652500	870000	6075
2.	2016-17	271	55	326	135	15	150	476	238000	714000	952000	5867
3.	2017-18	298	69	367	170	19	189	556	278000	834000	1112000	5183
4.	2018-19	356	95	451	184	18	202	653	326500	979500	1306000	8167
5.	2019-20	432	118	550	207	43	250	800	400000	1200000	1600000	11410
6.	2020-21	539	160	699	248	52	300	999	अप्राप्त	1312127	1312127	15521
7.	2021-22	563	167	730	286	66	352	1082	अप्राप्त	264893	264893	4780
8.	2022-23	477	135	612	229	52	281	893	अप्राप्त	387681	387681	5747
9.	2023-24	442	162	604	252	60	312	916	458000	901705	1359708	10357
10	2024-25	312	139	666	151	64	215	666	333000	1421805	1754805	9856

नोटः–

1. 2020–21 – म.प्र.हि.ग्रं.अ. से पुस्तकें क्रय की गयी थी। स्टेशनरी का बजट अप्राप्त।
2. 2021–22 – म.प्र.हि.ग्रं.अ. से पुस्तकें क्रय की गयी एवं छात्र संख्यानुसार पुस्तकों की आपूर्ति नहीं की गयी। स्टेशनरी का बजट अप्राप्त।
3. 2022–23 – छात्र–छात्राओं की संख्या आधारित/अनुरूप म.प्र.हि.ग्र.अ.भोपाल द्वारा पुस्तकों की आपूर्ति नहीं की गयी।

विभिन्न समितियों में सौंपे गए उत्तरदायित्यों का विवरण

क्र.	सत्र	समितियों के नाम	समिति के पद
01	2022–2023	1. पुस्तकालय समिति	संयोजक
		2. अपलेखन समिति	सदस्य
		3. जनभागीदारी समिति	सदस्य
		4. क्रय समिति	सदस्य
		5. Discipline & Anti Ragging Committe	सदस्य

पुस्तकालय परिसर में WiFi की सुविधा

शासन के आदेशानुसार पुस्तकालय परिसर में दिनांक 26/06/2014 से WiFi की सुविधा उपलब्ध है। इससे महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थीगण एवं स्टॉफ कॅरियर से संबंधित/प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं विभिन्न विभागों में रिक्त पदों आदि की अद्यतन जानकारियाँ प्राप्त कर लाभान्वित हो रहे हैं।

पुस्तकालय ऑटोमेशन

कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार महाविद्यालय पुस्तकालय की समस्त पुस्तकों को E-granthalaya 4.0 में पूर्ण रूपेण कम्प्यूटरीकृत कार्य किया जा चुका है शासन के आदेशानुसार सभी उपलब्ध 29354 पुस्तकों को ई–ग्रंथालय 4.0 साफ्टवेयर में कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया कार्य पूर्ण (बुक्स् डेटा इन्ट्री/बारकोडिंग/मेम्बरशिप आदि) किया जाकर महाविद्यालयीन समस्त स्टॉफ एवं प्रवेशित/अध्ययनरत् लगभग 4035 छात्र–छात्राओं का पंजीयन/मेम्बरशिप प्रदान कर पुस्तकों का प्रदाय/वापसी (Issue/Return) कार्य–स्वचालन प्रक्रिया के तहत कम्प्यूटर द्वारा किया जा रहा है। ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर 251 ई–बुक्स् उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रहित में उपलब्ध करायी गयी है तथा लगभग 400 ई–बुक्स् महाविद्यालय द्वारा क्रय की गयी है, जिससे सभी छात्र–छात्राएँ एवं स्टॉफ Online एवं System द्वारा लाभान्वित हो रहें हैं।

सत्र 2022–23 में पुस्तकालय की अन्य उपलब्धियाँः–

दिनांक 16.02.2021 को महाविद्यालय में पुस्तकालय विभाग द्वारा एक दिवसीय बेवीनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय "21 वीं सदी में पुस्तकालयों का रूपांतरण एवं लाइब्रेरियन की भूमिका' था। जिसमें डॉ. संजय कटारिया, लाइब्रेरियन, वेनिट वि.वि., ग्रेटर नोयडा, डॉ. संदीप कुमार पाठक, डिप्टी लाइब्रेरियन आयशर, भोपाल, डॉ. प्रभात कुमार पाण्डे, लाइब्रेरियन, शासकीय नूतन कॉलेज, भोपाल ने अलग–अलग विषयों पर ऑनलाईन व्याख्यान दिये जिससे सभी लाभान्वित हुए। लगभग 250 प्रतिभागियों को e-Certificate जारी किये गये।

पुस्तकालयाध्यक्ष की अन्य उपलब्धियाँ :–

1. Attended International Conference on **"Economic Development and Environmental"**, Organized by Social Science & Management Council on 6th June 2021, and Presented Paper on ''झाबुआ जिले की भील जनजाति का कृषि जीविकोपार्जन

एवं आर्थिक एवं सामाजिक विकास – एक अध्ययन : विशेष रूप से थांदला तहसील के संदर्भ में शोध''

2. अनन्तराव पॉवर इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान महाविद्यालय के Department of library द्वारा आयोजित Online Quiz **''वचन प्रेरणा दिन''** दिनांक 14.10.2022 में सफलतापूर्वक भाग लिया।(प्रमाण पत्र क्र0 PMFBAY- CE000053)

3. मंगलोर रिफायनरी एवं पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड(भारत सरकार का उपक्रम) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर **"Mrpl-Msnim Vigilance Awareness Week 2022 E Quiz – Corrupton Free India For A Developed Naton"** दिनांक 15.10.2022 में भाग लिया एवं सफलता हासिल की।(प्रमाण पत्र क्रमांक CZMDYI-CE000585)

4. DELNET-New Delhi द्वारा आयोजित दिनांक 29.10.2022 Webinar **"How to Make Blog for Your Library?: Learn Step by Step"** में सहभागिता की।

5. RILIS संस्थान द्वारा आयोजित दस दिवसीय ऑनलाईन ट्रेनिंग **''पुस्तकालय ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर (E-Granthalaya)'** दिनांक 21.11.2022 से दिनांक 30.11.2022 तक में सामिल हुआ।(प्रमाण पत्र क्रमांक RILIS/eg/2022/530)

6. Developing Library Network(DELNET) नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल बेबीनार **''Naional Convention on Knowledge, Library & Information Network''**(दिनांक 14–16 दिसम्बर 2023) में सहभागिता की।

7. मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय शोध एवं अध्ययन संस्थान द्वारा एक दिवसीय वर्कशॉप **"Understanding research misconduct: Fabrication, Falsification and Plagiarism-Orientation towards Quality Research"** दिनांक 27.12.2022 में भाग लिया।

8. आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, मध्यप्रदेश भोपाल एवं रूसा द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय(12.01.2023 से 14.01.2023) प्रशिक्षण **''ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण''** में सक्रिय सहभागिता की। (प्रमाण पत्र क्र. 28 / 54TRG–563 / ACA / 2022–23)

9. शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर(म0प्र0) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला दिनांक 14–15 फरवरी 2023 **"Startup Awareness and Creation of Youth Enterpreneurs in rural areas on "** में सहभागिता की।

10. भारतीय विद्यापीठ (डीम्ड् यूनिवर्सिटी) पुणे द्वारा Online आयोजित दिनांक 22.02.2023 **"E-Resources for Academic and Research Community"** में भाग लिया।

11. शासकीय गीतांजली कन्या महाविद्यालय भोपाल(ऑटोनॉमस) के केन्द्रीय पुस्तकालय एवं स्टेट लेवल NAAC सेल द्वारा एक दिवसीय Online राष्ट्रीय बेबीनार **"PLAGIARISM"** दिनांक 22.02.2023 में भाग लिया।

12. MALA चेन्नई एवं Balani Infotech Pvt. Ltd. द्वारा एक दिवसीय Online National Webinar on **"E-Resources:"A Gateway to research"** दिनांक 08.04.2023 में सहभागिता की।

13. डॉ0 हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय(केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त) सागर के Departmetn of Physics द्वारा आयोजित एक दिवसीय International Webinar on **"Solar Phenomena and their influences of Climate Distribution on Earth"** दिनांक 27.04. 2023 में सहभागिता की।

14. अनन्तराव पॉवर इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान महाविद्यालय के Department of library द्वारा आयोजित Online Session on **"User Awareness Programme on National Digital Library of India and NDLI CLUB"** दिनांक 05.16.2023 में सफलतापूर्वक भाग लिया।(प्रमाण पत्र क्र0 NZX99S- CE000050)

15. मध्यप्रदेश भोज (ओपन) यूनिवर्सिटी, भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय Online वर्कशॉप **"Design & Development of Self- learning Materials for Distance and Online Education"** दिनांक 14–16 जुलाई 2023 में Participate किया।

उपरोक्त के अतिरिक्त भी पुस्तकालय विज्ञान से संबंधित लगभग 50 अन्य राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय बेवीनारों एवं E-Quiz में सहभागिता की।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में अध्ययनरत् विद्यार्थी







महाविद्यालयीन समितियों के प्रतिवेदन

वार्षिक उत्सव ''अनुपम''



डॉ. राजेश श्रीवास्तव
संयोजक

महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन अनुपम 2024–25 का सफल आयोजन दिनांक 21/02/2025 एवं 22/02/2025 को किया गया। प्रथम दिवस में पोस्टर, रंगोली, मेंहदी, थाल सज्जा, एकल गायन/समूह गायन, नाटक/मिमिक्री प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस में फेस पेंटिंग, पारंपरिक वेशभूषा एकल नृत्य/समूह नृत्य की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस 22/02/2025 को ही पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हुजुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक माननीय श्री रामेश्वर शर्मा जी द्वारा वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त मेधावी विद्यार्थीयों एवं प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय श्री अनूप सिंह बैस जी कार्यक्रम के विशेष अतिथि रहे। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना के मार्गदर्शन एवं प्रभारी, छात्रसंघ परामर्शदाता डॉ. राजेश श्रीवास्तव के संयोजन में किया गया। महाविद्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी के सहयोग से सफल आयोजन हुआ। वार्षिक स्नेह सम्मेलन में सभी विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया।

वार्षिक उत्सव "अनुपम" की आभा








शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)






माता रानी के हर रूप में
नारी पूजनीय है
मां बेटी बहन पत्नी




"अनुपम"


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25








शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)






वार्षिक स्नेह सम्मेलन 202
“अनुपम


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-2
“अनुपम’




शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25
“अनुपम”




वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25
“अनुपम”


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25
"अनुपम"


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25
"अनुपम"






शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25




"अनुपम"


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
अनुपम"














शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25
"अनुपम"


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
"अनुपम"


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य




शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय,
वार्षिक स्नेह
2024-25


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसा
विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय,
(म.प्र.)
वार्षिक स्
4-25


वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणि
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2024-25

साहित्यिक - सांस्कृतिक समिति



डॉ मीनू चतुर्वेदी
संयोजक

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पठन-पाठन के साथ ही अनेक गतिविधियों का आयोजन भी आवश्यक है। इस हेतु महाविद्यालय में गठित साहित्यिक सांस्कृतिक समिति ने विभिन्न कार्यक्रमों ,गतिविधियों का आयोजन कराया । जिसका विवरण इस प्रकार है -

1. **भाषण प्रतियोगिता**

स्वामी विवेकानंद: युवाओं के लिए प्रेरणा विषय पर दिनांक 11/1/25 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमें प्रथम स्थान पर निवेदिता सक्सेना (एमएससी 4th सेम जूलॉजी) ,द्वितीय स्थान प्रांजल पांडे (बीएससी सेकंड ईयर) तथा अनुज अहिरवार(बी ए तृतीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

2. **निबंध प्रतियोगिता**

दिनांक 16 /1/ 25 को निबंध प्रतियोगिता जिसका विषय "वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरुर डालेंगे हम" का आयोजन किया गया ।जिसमें प्रथम स्थान पर अनुज अहिरवार (बी ए थर्ड ईयर) रहे ,द्वितीय स्थान -सोनू ठाकुर (बी ए प्रथम वर्ष)ने प्राप्त किया ,तृतीय स्थान पर नितेश चंद्रवंशी (बी ए प्रथम वर्ष) रहे।

3. **नाटक**

महाविद्यालय के प्रांगण में दिनांक 28 /1 /25 को दो नुक्कड़ नाटक "एकता और एक जुटता "तथा "कुंभ मेला "केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नुक्कड़ नाटक पाणिनि ग्रुप द्वारा किया गया।

4. भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में दिनांक 30 /1/25 को गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर शहीदों को याद किया गया तथा 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

5. **वाद -विवाद प्रतियोगिता**

दिनांक 30 /1/ 25 को वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया ।प्रतियोगिता का विषय -"जलवायु संकट मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा है।"

"The climate crisis is posing a threat to human health"

पक्ष में प्रथम स्थान अनुज अहिरवार(बी .ए.तृतीय वर्ष) तथा द्वितीय स्थान सुरेंद्र अहिरवार (बी ए तृतीय वर्ष) ने प्राप्त किया।

विपक्ष में प्रथम स्थान पर निवेदिता सक्सेना (एमएससी 4th सेम जूलॉजी) व द्वितीय स्थान सिद्धार्थ सक्सेना (बीकॉम द्वितीय) ने प्राप्त किया।

6. **वक्ता का उद्बोधन**

राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस का आयोजन महाविद्यालय में दिनांक 3/2/25 को आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ व्ही पी एस गौर प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र रहे।

साहित्यिक - सांस्कृतिक समिति पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटक "एकता और एक जुटता" तथा "कुंभ मेला" की झलक







ईको क्लब



डॉ कीर्ति जैन
संयोजक, ईको क्लब

महाविद्यालय में एक पंजीकृत Eco Club कार्यरत है जो वर्ष भर पर्यावरण संरक्षण जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके महाविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सहभागिता पर्यावरण की सुरक्षा हेतु प्रेरित करता है।

क्लब के सदस्य इस प्रकार हैं

1. डॉ. कीर्ति जैन, संयोजक
2. डॉ. एस डी सिंह, सचिव
3. डॉ. इला जैन, सदस्य
4. प्रोफेसर रफत फातिमा, सदस्य
5. डॉ. सरला पटेल, सदस्य
6. डॉ. देवेंद्र सिंह पटेल, सदस्य
7. डॉ. शालिनी नेमा, सदस्य
8. डॉ. मनीष कुमार शर्मा, सदस्य

ईको क्लब के सभी सदस्य वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता से सफल आयोजन कर जन चेतना का कार्य कर रहे हैं ।महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में से कुछ का विवरण इस प्रकार है:

महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा वर्ष 2024 -25 में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दिनांक 16 सितंबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस के अवसर पर रवींद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुचि मोदी ने व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में ओजोन परत के क्षरण एवं उससे होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया ।

17 जनवरी 2025 को गौरैया संरक्षण पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ मोहम्मद खालिक ने पक्षियों के संरक्षण से संबंधित व्याख्यान दिया एवं विद्यार्थियों को कृत्रिम घोंसले वितरित किए गए।

पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के तहत 8 मार्च 2025 से 28 मार्च 2025 तक EPCO एवं MoEFCC के सहयोग से पर्यावरण जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

8 मार्च 2025 को तितली संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

10 मार्च 2025 को हर्बल कलर मेकिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ श्री नीरज रघुवंशी ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को प्राकृतिक रंग बनाने की विधि बताई ।

10 मार्च 2025 को ही पेपर बैग मेकिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ सुश्री मेघा यदुवंशी के द्वारा विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

24 मार्च 2025 को तितली संरक्षण पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मोहम्मद खालिक विषय विशेषज्ञ के द्वारा मध्य प्रदेश की तितलियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही श्री संतोष खरे के द्वारा कृत्रिम घोंसला बनाने का प्रशिक्षण दिया गया एवं पक्षियों के महत्व पर चर्चा की गई।

श्री संतोष खरे ने पर्यावरण अनुकूल पदार्थ द्वारा घोंसला बनाने का प्रशिक्षण दिया।

सभी कार्यक्रमों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ईको क्लब द्वारा आयोजित विभिन कार्यक्रमों कि झलकें











दैनिक भास्कर

भोपाल 22-03-2025

हर्बल उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया जानी



भोपाल | शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा आयोजित पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने आज विंध्य हर्बल, भोपाल का शैक्षिक भ्रमण किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन के सहयोग से और भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समर्थित था। इसका उद्देश्य छात्रों को औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराना था।




LiFE
पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम
सत्र 2024-25


विन्ध्य हर्बल्स
श्रृंखला


Departmental
Library

भारतीय ज्ञान परंपरा



डॉ मीनू चतुर्वेदी
नोडल अधिकारी
भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के सभी स्तरों पर भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश करने की अनुशंसा की गई ।इसका उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो विचार बौद्धिकता व कार्य व्यवहार से भारतीय बनकर विश्व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो।

महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की स्थापना 2024 में की गई। और वर्तमन में प्रकोष्ठ के सदस्य इस प्रकार हैं - डॉ. व्ही.पी.एस. गौर (सहायक नोडल अधिकारी), डॉ सुषमा जैन, आशा वाधवानी, डॉ. पूनम वासनिक ।इसके अंतर्गत शिक्षा में गुणवत्ता विकास हेतु वर्ष भर गतिविधियां कराई गई। जुलाई माह में 21 व 22 जुलाई को गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया जिसके अंतर्गत मुख्य वक्ता के रूप में दाताराम पाठक प्राध्यापक संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल को आमंत्रित किया गया ।इसके साथ ही महाविद्यालय से सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ डाली मल्होत्रा, डॉ विभा शुक्ला, डॉ सरोज श्रीवास्तव डॉ सुधा बैसा मैडम को आमंत्रित किया गया।

अगस्त माह में अक्षय ऊर्जा दिवस 20/8/24 को मनाया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री अजय शुक्ला जी कार्यपालन यंत्री ऊर्जा विकास निगम व विशिष्ट वक्ता डॉ एस डी सिंह प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान रहे।

सितंबर माह में 14 सितंबर 2024 को हिंदी दिवस के उपलक्ष में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ उर्मिला शिरीष जी को आमंत्रित किया गया।

अक्टूबर माह में 10/ 8 /24 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर डॉ शाहीन गनी प्राध्यापक हमीदिया महाविद्यालय भोपाल को आमंत्रित किया गया।

नवंबर माह में आयोजित होने वाली गतिविधियों के अंतर्गत प्रोफेसर जमाल अख्तर प्राध्यापक हमीदिया महाविद्यालय को आमंत्रित किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शासन के आदेशानुसार 19 व 20 नवंबर 24 को विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन भी कराया गया ।

दिसंबर माह में अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ संदीप कुमार मल्होत्रा विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

जनवरी माह में अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान से बाल मनोवैज्ञानिक डॉ अनुराधा कुशवाह जी को आमंत्रित किया गया।

फरवरी माह के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद महाविद्यालय सीहोर के प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा जी को आमंत्रित किया गया।

फरवरी माह में साइबर सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कंसलटेंट एंड रिसर्चर डॉ अभिषेक चौरेया को आमंत्रित किया गया।

मध्य प्रदेश शासन की मंशा के अनुसार शिक्षा का उन्नयन व सभी विषयों का क्रियान्वयन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधार बनाकर ही संभव हो सकेगा।

भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के विभिन्न कार्यक्रमों की झलक












आपका हार्दिक स्वागत
करता है






राष्ट्रीय गणित दिवस
डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी
महाविद्यालय, भोपाल











शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

अन्तर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस

मुख्य वक्ता



(डॉ. ज़माल अख्तर)
प्राध्यापक, मनोविज्ञान
शा. म.ल.ब. कन्या महाविद्यालय, भोपाल

संरक्षक



(डॉ. संजय तेलंग)

आयोजक
भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ

दिनांकः— 16 नवम्बर 2024
समयः— 12.30 बजे
कार्यक्रम स्थलः— कॉन्फ्रेंस हॉल

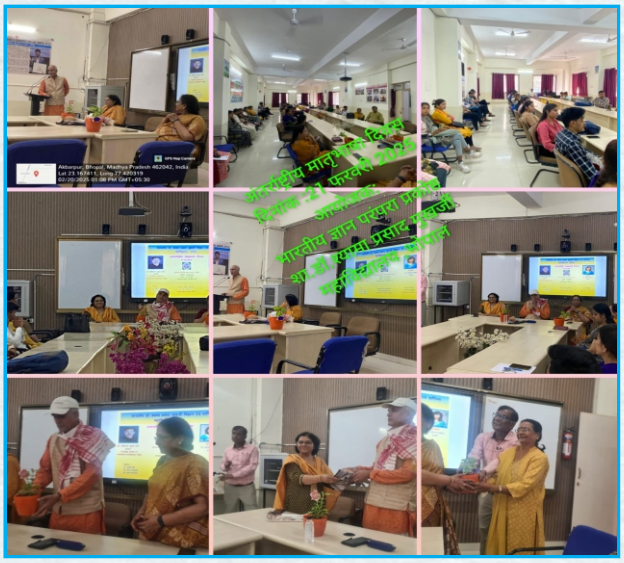
डॉ. मीनू चतुर्वेदी
नोडल अधिकारी
भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ

डॉ. व्ही .पी. एस. गौर
सहायक नोडल अधिकारी

डॉ. संजय तेलंग
प्राचार्य









कॉलेज में हुआ अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस

भोपाल ZOOM रिपोर्टर

कोलार रोड स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मप्र ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस' मनाया गया। इसमें शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय की मनोविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. जमाल अख्तर मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहीं। उन्होंने सहिष्णुता के संबंध में भारत का विश्व परिदृश्य में भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ऐसा विरला देश है, जिसमें विभिन्न धर्मों के करोड़ों लोग निवास करते हैं।





NCC Activities

एनसीसी प्रतिवेदन

2024-25

महाविद्यालय में जुलाई 2000 से एनसीसी की आर्मी विंग की सीनियर डिविजन की एक प्लाटून स्थापित है जिसमें कैडेट्स हेतु निर्धारित सीटों की संख्या 53 है।

इस प्लाटून की कमान लेफ्टिनेंट डॉ देवेंद्र सिंह पटेल के पास है। वर्तमान सत्र 2024-25 में कैडेट्स ने महाविद्यालय में होने वाले नियमित प्रशिक्षण के साथ साथ बटालियन से शेड्यूल के अनुसार फायरिंग का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया, साथ ही कैडेट्स ने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता,पर्यावरण सुरक्षा, रक्तदान, यातायात सुरक्षा आदि गतिविधियों में भी भागीदारी की।

प्रतिवर्ष के समान ही सत्र 2024-25 में भी महाविद्यालय की NCC इकाई ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किये एवं कैडेट्स ने अनेक गतिविधियों में भागीदारी की.



16 /10 /2024 से 27 /10 /2024 तक छतरपुर में आयोजित "एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप" में महाविद्यालय से एनसीसी कैडेट पार्थ शर्मा, मनोहर सिंह राजपूत, मोहित रजक, विकास पांडे, शुभम तोमर एवं प्रेम शिला जगत ने भागीदारी की एवं महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया |

24 अक्टूबर 2024 को महाविद्यालय के एनसीसी विंग द्वारा कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजन से संयुक्त राष्ट्र एवं वायु सेवा दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने उत्साह पूर्वक भाग लिया|

स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस "युवा दिवस" के उपलक्ष में 12 /01/ 25 को सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों के साथ-साथ एन सी सी एवं एन एस एस के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जन भागीदारी अध्यक्ष श्री अनूप सिंह जी एवं योग प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती नीतू सिंह शामिल हुई|

शिवानी मीणा अंडर ऑफिसर एन सीसी 3rd ईयर ने 2 दिसंबर से 9 दिसंबर 2024 तक सिक्किम में आयोजित ऑल इंडिया वेस्ट बंगाल एवं सिक्किम ट्रैकिंग कैंप गर्ल्स 2024 में आयोजित कैंप में हिस्सेदारी की | 17 जनवरी 2025 को गौरैया संरक्षण पर एक महत्वपूर्ण पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया | इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था |

कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया |

विशेषज्ञ मोहम्मद खालिक ने अपने संबोधन में पर्यावरण में गौरैया के महत्व पर प्रकाश डाला एवं सभी विद्यार्थियों एवं प्राध्यापक को कृत्रिम घोसला वितरित किए|

इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स मीट 2025 जो 18 और 19 जनवरी 2025 को BSS कॉलेज में आयोजित किया गया था, कॉलेज रास्ता काशी में प्रथम आया |

एनसीसी ऑफिसर डॉ देवेंद्र सिंह पटेल ने अमरकंटक में आयोजित माउंटेन ट्रैकिंग कैंप में भागीदारी की|

इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने पैरा सेलिंग कैंप एवं विद्यार्थियों ने ईवीएसबी कैंप छतरपुर में भी भागीदारी की | 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को देशभक्ति गीतों एवं परेड का भी आयोजन किया गया|



लेफ्टिनेंट डॉ देवेंद्र सिंह पटेल,
एनसीसी प्रभारी




DEPARTMENT OF HISTORY


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल
वृक्षारोपण
कार्यक्रम

NCC ACHIEVEMENTS





NCC CADET SHIVANI MEENA
द्वारा ऑल इंडिया वेस्ट बंगाल एंड सिक्किम ट्रेकिंग केम्प गर्ल्स 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना
समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास



डॉ मधुसूदन प्रकाश
कार्यक्रम अधिकारी



डॉ. हेमलता वर्मा
कार्यक्रम अधिकारी

वर्तमान में महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक छात्रा इकाई एवं एक छात्र इकाई संचालित है। प्रत्येक इकाई में 100 विधार्थी पंजीकृत हैं। छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ हेमलता वर्मा (प्रशिक्षित) एवं छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मधूसूधन प्रकाश हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक अनिवार्य, नियमित एवं चयनात्मक गतिविधियों द्वारा महाविद्यालय परिसर से समुदाय तक शून्य से शिखर की परिकल्पना को साकार करते हुए अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं। गतिविधियों में अभिमुखीकरण कार्यक्रम, बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण, वित्तीय साक्षरता, पोषण आहार माह, रेड रिबन क्लब के तहत एच आई व्हि /एड्स जागरूकता , जल संवर्धन अभियान, पर्यावरण संरक्षण , सड़क सुरक्षा , मतदाता जागरूकता स्वच्छता अभियान , वृक्षारोपण, शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार।

साथ ही ग्राम एवं झुग्गी बस्तियों का अभिग्रहण कर दिवा शिविर एवं सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। रासेयो बी. एवं सी. प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

शासन के निर्देशानुसार सभी स्वयंसेवको का माय भारत पोर्टल (My Bharat Portal) पर "मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिये युवा" थीम के तहत पंजीयन कराया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में ज्योति अहिरवार, सरस्वती कोसले, अखिलेश धुर्वे, देवांग जारौलिया, मोनिका शर्मा, राहुल लोधी, सुभाष द्विवेदी ने सहभागिता की।

" राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत" एवं" राष्ट्रीय स्तर मां तुझे प्रणाम" में सौम्या चौधरी एवं राहुल लोधी का चयन हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ हेमलता वर्मा को राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय पुरुस्कार एवं प्रशस्ति पत्र, राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

आगाज इंटर्नशिप में सुषमा प्रजापति, सौम्या चौधरी, देवयानी वराठे, अनुष्का चौरसिया का चयन हुआ।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम








डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर (कोलार)
सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता सप्ताह
राष्ट्रीय सेवा योजना


राष्ट्रीय सेवा योजना


बनवाउदगम
स्थल








शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
अभिमुखीकरण कार्यक्रम /रासेयों राज्य स्तर शिविर जिला स्तरीय चयन
राष्ट्रीय सेवा योजना
vivo V29


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
राष्ट्रीय सेवा योजना


राष्ट्रीय सेवा योजना

छात्रावृत्ति योजनाऐं

सत्र 2024 – 25 की छात्रवृत्ति समिति निम्नानुसार है –

- डॉ. आई. ए. दुररानी (नोडल अधिकारी)
- डॉ. ज्योति पंथी
- डॉ. एकता पाल
- डॉ. स्मिता वर्मा
- डॉ. शिवाली शाक्या
- डॉ. पुष्पादेवी साहू

अनुसूचित / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति

- डॉ. माहिरा परवीन
- डॉ. हेमलता वर्मा
- डॉ पूनम वासनिक
- प्रो. भारती गोस्वामी
- डॉ. रूचि सोनी
- प्रो. निशा यादव

पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति

- डॉ. मीनू चतुर्वेदी
- डॉ. ममता पाण्डेय
- डॉ. मीनाक्षी तान्डेकर

गाँव की बेटी / प्रतिभा किरण योजना

- डॉ. रफत फातिमा
- डॉ मधूसुदन प्रकाश
- डॉ. देवेन्द्र पटेल
- डॉ. रूचि सोनी

अल्पसंख्यक एवं सेंट्रल सेक्टर स्कॉलरशिप

- प्रो. आशा वाधवानी
- डॉ. नीतूप्रिया लचोरिया
- डॉ. सरला पटेल

निर्धन छात्रों को मिलने वाली सहायता निधि



डॉ. आई. ए. दुररानी
(नोडल अधिकारी)
छात्रवृत्ति योजना

छात्रवृत्ति जानकारी

सत्र 23–24	वर्ग	विद्यार्थी संख्या	स्वीकृत राशि
	अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति	250	1742045
	अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति	128	1172213
	पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति	381	2621643
	अनुसूचित जनजाति आवास	85	1758521
	गाँव की बेटी योजना	13	65000
	प्रतिभा किरण योजना	17	85000
	MMJKY	57	----------
	MMVY	169	----------
	CSS	26	----------
	Handicap	02	----------

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः प्रारभ्य विघ्न विहंता विरमति मध्याः।
विघ्नै पुनर्पुनरपि प्रतिहन्यमानाः प्रारभ्यमुचम जनाः न परित्यजन्ति।।



डॉ. आशा वर्मा
प्राध्यापक, रसायन शास्त्र
(संयोजक एवं टी.पी.ओ.)

यह नीति वचन जीवन की सफलता के सार रूप हैं। आज का युवा वर्ग दृढ़, उत्साही , साहसी, इच्छाक्ति से भरपूर, आत्मविश्वासी, सृजनशील एवं जुझारू है। उन्हें सिर्फ जरूरत है, सही मार्गदर्शन की।

वैश्वीकरण के नये दौर में बदलते हुए रोजगार परिदृश्य में मध्यप्रदेश के सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को कॅरियर की समुचित जानकारी देने हतु, उनके उज्जवल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से उन्हें विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिये, राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा 7 फरवरी 2006 को स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना का गठन किया गया इस योजना के तहत विद्यार्थियों को कॅरियर काउंसलिंग के द्वारा उनकी रूचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप उचित व्यावसायिक और रोजगारमूलक पाठ्यक्रम हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है।

इसका मुख्य उद्देश्य है, प्रतिभा, योग्यता, उत्साह, जोश व जुनून से पूर्ण युवा– पीढ़ी को सर्वोत्तम कैरियर प्राप्त करने में मार्गदर्शन प्रदान करना ।

महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट द्वारा सत्र 2024–25 में निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन सफलतापूर्वक किया गया।

1. **21 एवं 22 जुलाई 2024 महाविद्यालय की कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ट के संयुक्त तत्वाधान में शासन के निर्देशों का पालन करते हुये गुरूपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सभी भूतवूर्व प्राचार्य को आंमत्रित कर उनके शैक्षणिक जीवन के अनुभव को सुना तथा एक सफल गुरू की विशेषताओं को भी जाना**
2. **25.07.2024 शासकीय हमीदिया महाविद्यालय में आयोजित कॅरियर अवसर मेले में विद्यार्थियों के साथ सहभागिता सुनिश्चित की।**
3. **30.07.2024 संवाद एवं चिंतन सत्र विद्यार्थियों के लिये कृत संकल्पित विश्व के सबसे बड़े विद्यार्थी संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सहसंयोजन से आनंदमयी सार्थक जीवन पर एक चितंन सत्र का आयोजन किया गया जिसके प्रमुख वक्ता एवं मुख्य अतिथि मध्य – क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री चेतस सुखाडिया जी थे।**
4. **29.08.2024 राष्ट्रीय खेल दिवस प्रकोष्ठ के द्वारा सभी विद्यार्थी एवं प्राध्यापक स्टॉफ के लिये एक टूर्नामेंट के आयोजन के साथ सेमीनार का भी आयोजन किया गया मुख्य वक्ता डॉ. सतीश कुमार जी थे।**
5. **13.08.2024 विद्यार्थियों में विकसित भारत की संकल्पना को जागृत करने हेतु एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।**
6. **19.09.2024 ओजोन परत संरक्षण दिवस –ओजोन से होने वाली सभी लाभ जो जीवात्मा के लिये आवश्यक है पर एक सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. सुची मोदी (एसोसियट प्राध्यापक) स्कोप कॉलेज ने अपना उद्बोधन दिया कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में किया गया।**

24.10.2024 संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस तथा वायु सेना दिवस का आयोजन किया गया प्रथम कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. व्ही.पी. एस गौर एवं डॉ. आशा वर्मा थे। वायु सेना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को मोटिवेशन विडियों दिखाये गये।

7.11.2024 Tally acceleration HR company द्वारा कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया जिसमें 6 student short list किये गये

Post- सेल्स मैनेजर

बिजनेस डेवल्पमेंट एक्सीक्यूटिव रिलेशनशिप मैनेजर एवं टेलीकालर

7.12.2024 महिला उद्यमिता दिवस–कैरियर कैलेन्डर के परिपालन में महिला उद्यमिता दिवस का आयोजन किया गया प्रमुख वक्ता डॉ. माधवीलता दुबे (-SNGGPG College Bhopal) थीं इन्होंने स्टॉटअप एवं स्वसहायता समूह के बारे में तथा एम.एस.एम.ई. के बारे में बालिकाओं का मार्गदर्शन किया। एवं महिला सशक्ति करण का पूरजोर समर्थन करते हुये उद्यमिता को विशेष स्थान दिया।

26.11.24 संविधान दिवस –महाविद्यालय के प्रकोष्ट द्वारा संविधान दिवस मनाया गया प्रमुख वक्ता डॉ. सुधा बैसा , डॉ. एस.के. मल्होत्रा एवं डॉ. आशा वर्मा थे।

कैम्पस ड्राइव के साथ ही दूसरे कक्ष में IDBI, Axis Bank की विभिन्न चवेज के लिये द्वारा कैम्पस ड्राइव किया गया।

5.12.2024 एवं 6.12.2024 दो दिवसीय कार्यशाला शिक्षा कोना कोना उक्त कार्यक्रम Nism के द्वारा किया गया जिसमें 99 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण लिया

25.11.2024 –न्दगज. उन्नति सेन्टर द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये एक माह का निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

26.11.2024 – 31.12.2024 व्यक्तित्व विकास पर 1 माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम उक्त प्रशिक्षण ठण्ेब प्प्ज लमंत के विद्यार्थियों के लिये आयोजित किया गया जिसमें प्दविले के CSR Concern संस्था उन्नति स्किल सेन्टर के प्रशिक्षण भी आकाश कुमार जी ने साफ्ट स्किल व कार्यक्रम व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया।

7.01.2025 SBI Recruitment 2025 समस्या समाधान एवं आवेदन प्रक्रिया

विशिष्ट वक्ता – संजय तिवारी

उत्तम सिंगर – मनीष मिश्रा

12.01.2025 युवा दिवस – महाविद्यालय में युवा दिवस मनाया गया जिसमें 52 विद्यार्थी एवं 32 प्रोफेसर उपस्थित रहें।

24.01.2025 महाविद्यालय में छप्प्ज द्वारा कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया जिसमें एच. आर. विशेषज्ञ श्रीमती तरूणा तनेजा द्वारा ऑनलाइन मोड में साक्षात्कार लिया गया यह ड्राइव आइ.सी.आइ.सी.आई बैंक की रिलेशनशिप मेनेजर एवं एक्सेस बैंक की असिस्टेन्ट मेनेजर की पोस्ट के लिये आयोजित की गई थी।

01.02.2025 IBM Company की सी.एस.आर एक्टीविटी के पार्टनर NIIT Foundation द्वारा ऑनलाईन मोड में उन्नमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 40 विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट मेनेजमेन्ट क्लाउड कम्प्यूटींग ।प् तथा कम्प्यूनिकेशन स्किल के बारे जानकारी प्राप्त की।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ गतिविधियों की झलक












POCO M4 PRO
08/01/2024 12:14










GOD GRAM (BORDA)


PM
INTERNSHIP
SCHEME

शिक्षक अभिभावक योजना

सौहार्द पूर्ण वातावरण में ही उपलब्धियां प्राप्त होती है तथा ऐसा वातावरण जीवंत संवाद से ही निर्मित होता है।

परिदृश्य एवं औचित्य

पीढ़ी का अंतर समाज के साथ-साथ उच्च शिक्षा में भी दिखाई देता है। लंबे समय से उच्च शिक्षा के स्तर पर शिक्षक एवं छात्र के बीच आपसी संबंधों में अंतर बढ़ता हुआ महसूस किया जा रहा था।
महाविद्यालय एवं शासकीय स्तर पर इस अंतर को कम करने के संभावित समाधान के रूप में पारस्परिक रूप से सार्थक संबंध बनाने के लिए यह योजना बनाई एवं क्रियान्वित की गई है ।
उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश द्वारा सत्र 2001-2002 से व्यवस्थित रूप से संचालित इस योजना ने छात्र शिक्षक एवं अभिभावकों के बीच पारदर्शी एवं सीमित संबंध स्थापित किए हैं ।
योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि शिक्षक छात्रों को मित्र व मार्गदर्शन एवं विचारक के रूप में अपना संरक्षण प्रदान करें ताकि छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायता मिल सके ।
इस योजना से छात्राएं उच्च शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने व बेहतर नागरिक सशक्त महिला उत्कृष्ट व्यक्तित्व एवं कौशल से परिपूर्ण संसाधन के रूप में समाज एवं देश के सामने आने में अपनी सार्थक भूमिका निभा सकेंगी । योजना के अंतर्गत 50 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक अभिभावक नियुक्त किया जाता है इसके लिए प्रत्येक सत्र में दो बैठकें आयोजित की जाती हैं । एक शिक्षक छात्र बैठक तथा दूसरी शिक्षक अभिभावक बैठक ।
9 बैठकों में विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को उनके संबंधित कक्षा समूहों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी भेजी जाती है तथा विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया जाता है । विद्यार्थियों को समय-समय पर सीसीई, प्रयोगिक, सैद्धांतिक वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु आवश्यक सूचना प्रदान की जाती है।
इसके साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानवीय व नैतिक तथा जीवन मूल्यों के बारे में भी जागरूक किया जाता है।
शिक्षकों के सक्रिय एवं संवेदनशील तथा सकारात्मक सहयोग तथा विद्यार्थियों की सहभागिता की दृणता से इस योजना का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

योजना का स्वरूप

महाविद्यालय में शिक्षक अभिभावक समिति का गठन वर्ष 2018-19 में किया गया था।
सभी प्राध्यापको, सह प्राध्यापकों तथा सहायक प्राध्यापक को लगभग 50 विद्यार्थियों के बैच का प्रभारी बनाया गया।

शिक्षक अभिभावक बैठक

सत्र 2024 25 के दौरान दिनांक 4 फरवरी 2025 को शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की गई।
बैठक का विवरण निम्न अनुसार है -
छात्रों को उचित मार्गदर्शन दिया गया तथा अभिभावकों से सुधार के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए गए।
छात्रों को जीरो रैगिंग नीति एंटी रैगिंग के बारे में बताया गया तथा यूजीसी हेल्पलाइन एवं टोल फ्री नंबरों के बारे में जानकारी दी गई।
छात्राओं को महिला शिकायत निवारण सेल के साथ-साथ छात्र शिकायत सेल के बारे में भी जानकारी दी गई।
विद्यार्थियों को बैठक में सीसीई, प्रयोग, सैद्धांतिक वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाओं की भी जानकारी दी गई ।
महाविद्यालय में वर्ष 2024 25 में NEP 2020-20 के अंतर्गत गठित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के पुस्तकालय एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई।
समस्त उपस्थित अभिभावकों से ड्रेस कोड पर भी चर्चा की गई एवं सुझाव आमंत्रित किया गए।
अभिभावक महाविद्यालय की अकादमी की एवं पाठ्य उत्तर गतिविधियों से संतुष्ट थे।
समस्त विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म प्रदान कर महाविद्यालय की फीडबैक भी ली गई।

डॉ कल्पना दवे,
संयोजक
शिक्षक अभिभावक योजना
समिति सदस्य डॉ मीनाक्षी सक्सेना, डॉ हरनीत चीमा, प्रो रफत फातिमा, प्रो आशा वाधवानी, डॉ शिवाली शाक्य, डॉ स्मिता वर्मा


TUTOR-GUARDIAN MEETING
FACULTY OF ARTS
20.01.24
Bhopal, Madhya Pradesh, India
Bhopal, Madhya Pradesh, India
Bhopal, Madhya Pradesh, India


Tutor-guardian Meeting
Arts Faculty
20.01.24
Bhopal, Madhya Pradesh, India
Bhopal, Madhya Pradesh, India
Bhopal, Madhya Pradesh, India

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति



डॉ. कल्पना दवे
महिला उत्पीड़न निवारण
एवं विकास समिति, संयोजक

सत्र 2024 -25 में महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति द्वारा शासन के द्वारा आदेशित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । जिनकी जानकारी निम्नानुसार है:

1. दिनांक 10 /02 /2025 को व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ वी.पी .एस गौर के द्वारा बाल विवाह अधिनियम एवं विधिक अधिकारों पर व्याख्यान दिया गया एवं डॉ हरनीत चीमा के द्वारा बाल विवाह कारण एवं दुष्प्रभाव पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की दो छात्राओं नैंसी अहिरवार (बीए द्वितीय वर्ष) एवं अर्चना धुर्वे (बीएससी द्वितीय वर्ष) को बाल विवाह जागरूकता के लिए एंबेसडर नियुक्त किया गया।
2. दिनांक 11 /02 /25 को बाल विवाह के दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूकता के प्रसार हेतु महाविद्यालय परिसर के आसपास कॉलोनी में रैली आयोजित की गई । महाविद्यालय में स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।
3. दिनांक 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ प्रतिभा राजगोपाल द्वारा मध्यस्थ अधिनियम 2023 एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया एवं महाविद्यालय में समस्त पुरुष प्राध्यापकों द्वारा महिला दिवस का आयोजन किया गया।

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की झलके








शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,भोपाल
बाल विवाह अपराध है,
लड़का हो या लड़की,
दोनों के लिये श्राप है।


Provisions of the Act are broadly of 3 categories:
Protection
Prevention
Prosecution of offender


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,भोपाल
बाल विवाह अपराध है,
लड़का हो या लड़की,
बाल विवाह कुप्रथा है,
बेटी के लिए एक विपदा है।

युवा उत्सव समिति प्रतिवेदन



डॉ.मीनाक्षी सक्सेना
संयोजक (युवा उत्सव)

महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में अनेकों प्रकार की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाएं होती हैं । विद्यार्थियों की इन प्रतिभाओं को परिष्कृत करने तथा उनमें छिपी रचनात्मकता को विकसित करने के उद्देश्य से युवा उत्सव का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहले महाविद्यालय स्तर पर फिर जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर एवं अपनी पहचान बनाने का अवसर युवा उत्सव के द्वारा मिलता है। हमारे महाविद्यालय में भी युवा उत्सव का आयोजन सतत रूप से किया जाता रहा है अकादमिक सत्र 2024- 25 में दिनांक 18 /10 /25 एवं 19 /10/ 25 को निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसके परिणाम इस प्रकार रहे-

प्रश्न मंच विधा -
प्रथम स्थान -निहाल चढ़ोकर
द्वितीय स्थान - अनुज अहिरवार
तृतीय स्थान -राजाराम तंवर

स्थल चित्रण -
प्रथम स्थान -यश कुमार वर्मा
द्वितीय स्थान -सोमपाल गोंड
तृतीय स्थान -सुहानी कुशवाहा

वकृतता-
प्रथम स्थान -अनुज अहिरवार
द्वितीय स्थान -आरती सिसोदिया
तृतीय स्थान -डोली ठाकुर

एकल गायन /युग्म संगीत
प्रथम स्थान -लक्ष्मी शर्मा
द्वितीय स्थान -पूनम चतुर्वेदी
तृतीय स्थान -सोमपाल गॉड

नृत्य एकल -
प्रथम स्थान -अक्षिता भारतीय
द्वितीय स्थान -रिया यादव
तृतीय स्थान -आरती सिसोदिया

ललित कला (रंगोली विद्या) -
प्रथम स्थान -सोमपाल गोंड
द्वितीय स्थान -शिवानी धनक
तृतीय स्थान -संगीता मेहरा

दिनांक 12 /11 /24 को हमारे महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता के अंतर्गत" रंगमंच विधा " का आयोजन किया गया । रंगमंच की चार विधाएं स्किट ,वन एक्ट, माइम एवं मिमिक्री प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इसमें भोपाल जिले के सात महाविद्यालयों की टीमों ने भागीदारी की । अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय युवा उत्सव के अंतर्गत रंगमंच प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल - श्री आशीष श्रीवास्तव , श्री कमल जैन एवं सुश्री सरोज शर्मा उपस्थित रहे।

युवा उत्सव समिति 2024 -25 इस प्रकार रही :
संयोजक -डॉ मीनाक्षी सक्सेना
डॉ सुषमा जैन , डॉ हर्षा जालौरी, डॉ अनीता मंडलोई, श्रीमती आशा वाधवानी, डॉ स्मिता वर्मा एवं डॉ रूचि सोनी ने सदस्यों के रूप में कार्य किया।

महाविद्यालय में युवा उत्सव के पल










DIGITAL INDIA




शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान
एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल
युवा उत्सव
2024-2025






युवा उत्सव
2024-2025
SAVE NATURE
SAVE EARTH

अन्तर महाविद्यालयीन युवा उत्सव "संगम"














राज्यपाल से भेंट


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल


डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी




शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल


शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

रचना संदर्भ
उभरते कलाकार

सूरज की प्रेरणा



उगता हुआ सूरज सुनो क्या कहता है

उदय हो या अस्त एक समान रहता है।

सोच नई रखो उमंग नया रखो

विश्वास के साथ कदम नया रखो

जीवन मे अपने उम्मीद नई रखो।

उगता हुआ सूरज सुनो क्या कहता है।

दूसरों को भी प्रकाशित करो

अपने प्रकाश से भरा हो मन तुम्हारा

सदैव आत्मविश्वास से

असंभव को संभव बनाओ

नित प्रयास से उगता हुआ सूरज

सुनो क्या कहता है।

जीवन का सारा अंधेरा छट जाएगा

नई सुबह के साथ नया कल भी आएगा

उजाला तुम जग में फैलाओ अपने काम से

उगता हुआ सूरज सुनो यही कहता है।।।।

सोमपाल सिंह गोंड

{बी.एस.सी} द्वितीय वर्ष

प्रेरित आत्मविश्वास मोटिवेशन



प्रिय साथियों सफलता कोई जादू नहीं है ,यह मेहनत , आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास का परिणाम होती है। यदि आप जीवन में कुछ बड़ा हासिल करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने सपनों पर विश्वास करना सीखें । प्रिय छात्रों मैं आपको प्रेरणा देने के लिए यह लेख लिख रहा हूं जिसका उद्देश्य आपको आगे बढ़ाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करना है।

शिक्षा का महत्व:

शिक्षा हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है या हमें ज्ञान देती है और हमें एक सफल व्यक्ति बनाने के लिए मदद करती है । जैसे कि महात्मा गांधी ने कहा था - "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं "। इसीलिए हमें शिक्षा के प्रति गंभीर रहना चाहिए और इसे अपने भविष्य की नीव में रखना चाहिए।

मेहनत और संघर्ष :

आप सभी में सुना होगा" मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दे" । यह वाक्य हमें यह सिखलाता है की सफलता कभी भी आसानी से प्राप्त नहीं होती । यह लगातार प्रयासों और कठिन परिश्रम का परिणाम होती है । कभी-कभी हम असफल होते हैं लेकिन असफलता हमें सिखाती है कि हमें फिर से कोशिश करनी चाहिए । थॉमस एडिसन ने कहा था कि हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे अच्छा तरीका है हमेशा एक और बार प्रयास करना।

सकारात्मक सोच (पॉजिटिव थिंकिंग) :

सकारात्मक सोच का महत्व कभी काम नहीं हो सकता जब हम सकारात्मक सोचते हैं तो हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। याद रखें आप जो सोचते हैं वही बनते हैं इसलिए अपने विचारों को सकारात्मक रखें और अपनी सपनों को की ओर बढ़े ।

प्रेरक कहानी

हमारे चारों ओर कई प्रेरक कहानीयां है जो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है जैसे डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की कहानी जिन्होंने एक साधारण परिवार से उठकर भारत के राष्ट्रपति बनने तक का सफर तय किया । उनकी मेहनत और समर्पण हमें यह सीखता है कि हमें अगर हम अपने सपनों के प्रति ईमानदार रहे और मेहनत करें तो कोई भी लक्ष्य संभव नहीं है।

निष्कर्ष

प्रिय छात्र जीवन में चुनौतियां आएंगी लेकिन हमें उन्हें अपने सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बनने देना चाहिए । अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहे और हमेशा आगे रहे याद रखें सपने वह नहीं है जो हम सोते वक्त देखते हैं सपने वह हैं जो हमें सोने नहीं देते । आप सभी का धन्यवाद ।चलिए हम सब मिलकर अपने-अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

पवन कुशवाह
बी.ए. 3rd वर्ष

आंकड़ों के आईने में मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल : मध्य प्रदेश 3,08,252 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में दूसरा सबसे बड़ा राज्य है । जो भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 9.38 प्रतिशत है ।

वन भूमि: 94.689 वर्ग किलोमीटर है जो मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 30% है ।

मध्य प्रदेश की आबादी 7 करोड़ से अधिक है इनमें से 75% से अधिक लोग गांव में रहते हैं जिनका मुख्य व्यवसाय खेती है जबकि अन्य लोग शहरों में निवास करते है।

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा जिला इंदौर है और **सबसे छोटा जिला** निवाड़ी है।

मध्य प्रदेश में लिंगानुपात 931 प्रति 1000 पुरुष पर है जो नवीनतम जनगणना के अनुसार राष्ट्रीय औसत 940 से कम है 2001 में मध्य प्रदेश में महिलाओं की लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 919 था।

मध्य प्रदेश की **नवीनतम साक्षरता दर** 69.32 है।

मध्य प्रदेश का विकास: मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था भारत में दसवीं सबसे बड़ी है जिसका राज्य सकल घरेलू उत्पाद 15,03,395 करोड रुपए तक पहुंच गया है जो 2023 -24 में 13,53,809 करोड रुपए से 11.05% अधिक है और इसकी प्रति व्यक्ति आय 152,615 रुपए जो पिछले वर्ष से 12,902 रुपए की वृद्धि दर्शाता है ।

मध्य प्रदेश की नदियां एवं पर्वत : मध्य प्रदेश भारत के ठीक मध्य में स्थित है। अधिकतर पठारी हिस्से में बसे मध्य प्रदेश में विंध्याचल और सतपुड़ा के पर्वत श्रृंखलाएं हैं । यह कई नदियों के उद्गम स्थल है - जैसे ताप्ती, नर्मदा, चंबल , सोन, बेतवा , महानदी इत्यादि।

पर्यटन स्थल मध्य प्रदेश :

* बेतवा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर ओरछा की स्थापना 16वीं शताब्दी में बुंदेला राजपूत प्रमुख रुद्र प्रताप ने की थी ।
* उज्जैन प्राचीन काल में अवंती महाजनपद के नाम से प्रसिद्ध था। यहां शिप्रा नदी के किनारे महाकालेश्वर का मंदिर है।
* चित्रकूट ,खजुराहो एवं ओंकारेश्वर
* मड़ई, भोजपुर एवं हनुवंतिया
* सांची स्तूप
* भीमबेटका - विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं से उत्तरी छोर से घिरा हुआ भीमबेटका भोपाल से 40 किलोमीटर दूर दक्षिण की ओर स्थित है।
* पचमढ़ी, भेड़ाघाट ,कान्हा नेशनल पार्क

नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य बना मध्य प्रदेश ।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लागू हुई है नई शिक्षा नीति में 5 + 3 + 3 + 4 डिजाइन वाले शैक्षणिक संरचना का प्रस्ताव किया गया । जो 3 वर्ष से 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों में शामिल किया गया है।

मध्य प्रदेश को भारत की सोयाबीन राजधानी के रूप में भी जाना जाता है और यह प्रदेश का अग्रणी सोयाबीन उत्पादक है । मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान का देश में सोयाबीन उत्पादन और खेती के क्षेत्र में 96% अधिक से भी अधिक योगदान है ।

मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध हस्तियां: कालूराम बामनिया -कबीर कहलाए
ओम प्रकाश शर्मा -लोक रंगमंच
सत्येंद्र सिंह लोहिया -विकलांग भारतीय तैराक
भगवती लाल राजपुरोहित- राष्ट्रीय लेखक
शंकर दयाल शर्मा- राष्ट्रपति
किशोर कुमार- सुप्रसिद्ध गायक माखनलाल चतुर्वेदी ,रजनीश, हरिशंकर प्रसाद -कवि
रानी अवंती बाई लोधी -भारत के पहले स्वाधीनता संग्राम सन 1857 मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रथम महिला वीरांगना थी।

सदीप उइके शोभना
बी.ए. 3rd वर्ष
अर्थशास्त्र विभाग

रिश्ते

तुम अकेले हो, यहां कोई साथी नहीं है।
अपने तो बहुत है, पर अपनों सी बात ही नहीं है।
जब जरूरत हो, तो लोग पास आते है।
काम निकला और, लोग सबकुछ भूल जाते है।
खुशियों में शामिल होने, रिश्तेदार आते है।
और दुःख में सारे रिश्ते, टूट जाते हैं।
कर्म के अलावा, यहां कोई साथी नहीं है।
अपने तो बहुत हैं, पर अपनों सी बात ही नहीं है।

देवेन्द्र शुक्ला
बी.ए. 2nd वर्ष

प्रेम

मैं जब देखता हूँ दुनिया मे नफरत
मुझे तुम्हारा प्रेम याद आता है
और मैं भूल जाता हूँ, नफरत करना धर्मो से, जाति से,
लोगों से उस समाज से।
जो कहते हैं धर्म खतरे में है॥
जब मैं सुनता हूं नफरती भाषण, टीवियों में,
रैलियों में, तुम्हारे बोल याद आते है
कि नफरत खुशहाली नहीं लाती, खुशियां छीन लेती है॥
और जब देखता हूं नफरत में लड़ते लोगों को
तो यकीन आता है
तुम क्यूँ कहती थी, प्रेम दुनिया की सबसे बड़ी क्रांति है
जो इंसान को इंसान बनना सिखाती है।

अमर मिरी
बी.ए.सी. 3rd वर्ष
बॉयोटेक

स्ट्रेस फ्री लाइफ

आजकल की लाइफ में हर कोई काम के बोझ से टेंशन में रहता है । घर परिवार से लेकर ऑफिस से जुड़ी समस्याओं के चलते इंसान इतना परेशान रहता है कि उसको समझ में नहीं आता कि आखिर वह करे तो क्या करे ? उनकी यही टेंशन उनको कई बीमारियों से घेर लेती है । टेंशन ना हो इसके लिए जरूरी है कि लाइफ में थोड़ा बैलेंस बनाकर चलें ताकि लाइफ में होने वाली टेंशन को आप चुटकियों में दूर कर सके । यहां हम आपको बता रहे हैं लाइफ जीने के कुछ ऐसे फंडे जिनको अपनाने से टेंशन भाग जाएगा।

- अपने चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट बनाए रखें ऐसा करने से आपके आसपास का माहौल भी हंसमुख रहता हैं ।
- समय –समय पर अपने दोस्तों से या करीबी लोगों से विचार और अनुभव शेयर कीतिये, बातचीत का दायरा कम करने की बजाए बढ़ाएं।
- नींद से कोई समझौता न करें कम से कम 6 घंटे की नींद जरूर रहे हैं इसके इससे आप पूरे दिन फ्रेश महसूस करेंगे।
- अगर आप पुरानी चीजों और बातों को सोचते हैं तो एसा करना बंद कर दें वर्तमान के बारे में विचार करें और भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में सोचें रोज व्यायाम योग और मेडिटेशन जरूर करें रिसर्च में भी यह बात सामने आ चुकी है कि रोजाना 15 मिनट किया गया व्यायाम योग या मेडिटेशन हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है।
- हमेशा आपने मनपसंद काम करें ऐसा माना जाता है कि जब हम अपने मनदसंद काम करते हैं तो हम बेहद खुशी महसूस करते हैं।
- स्ट्रेस फ्री लाइफ जीना असंभव सा लगने लगता है लेकिन सच तो यह है कि कुछ चीजों का ध्यान रखकर आप स्ट्रेस फ्री लाईफ जी सकते हैं।

परी जाटव
बी.ए.सी. 2nd वर्ष



मानव के कारण वातावरण प्रदूषण





प्रस्तावना -आज के युग में हमने बहुत उन्नति कर ली है लेकिन आज भी मानव जाति के द्वारा पूरे वातावरण को प्रदूषित किया जा रहा है । जिससे जीव जंतुओं और जानवरों की अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । इससे मानव जीवन पर प्रभाव पड़ता है जैसे कई बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं जो प्रकृति के नियमों के खिलाफ है । इससे मानव के साथ पूरा पर्यावरण गंदा हो रहा है। भविष्य में यह हमें अत्यंत नुकसानदायक साबित हो सकता है ।

वातावरण प्रदूषण के कारण: हम मानवों की वजह से वातावरण (पर्यावरण) प्रदूषित हो रहा है इसके निम्न कारण है-

1. कहीं भी कचरा फैलाना
2. वाहनों का धुआं
3. ज्वलनशील पदार्थों को जलाने से
4. अपने आसपास गंदगी बने रहने से
5. कारखाने को गांव व नदियों के पास बनाने से
6. हमारे द्वारा अच्छी उपज के लिए रासायनिक दवाईयों का उपयोग कृषि में करना इससे मिट्टी के उर्वरक क्षमता समाप्त हो जाती है

वातावरण प्रदूषण के प्रकार : प्रदूषण कई प्रकार का हो सकता है जैसे - वायु, जल, ध्वनि, मिट्टी, रेडियोधर्मी और उष्मीयआदि । वातावरण प्रदूषण के कारण से होने वाले रोग वातावरण के प्रदूषण से मानव को कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें दिल की बीमारी, स्टोक, फेफड़े का कैंसर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज और तीव्र श्वसन संक्रमण प्रमुख है।

वातावरण प्रदूषण रोकने के उपाय: वातावरण बचाने के लिए कुछ निम्न उपाय हैं -

1. कचरे को उसके सही स्थान पर रखना
2. वाहनों का उपयोग सही और एवं कम करना
3. कारखाने को नदियों व गांव शहर से दूर बनाना
4. कृषि में खेती करने के लिए रासायनिक खाद् का उपयोग कम या ना करना
5. खेती करने के लिए जैविक या मानव निर्मित खाद का उपयोग करना
6. पेड़ पौधों को नष्ट या काटने पर प्रतिबंध
7. ज्वलनशील पदार्थों को जलने व जलाने से रोकना

अनिकेत चौरसिया
बी.ए.सी. 2nd वर्ष

मैं और राष्ट्र

मैं धरा का धन्य युवा राष्ट्र को उसका कल दूंगा,
भुजा और वाणी से अपनी देश को मैं बल दूंगा,

आज नहीं तो कल दूंगा देश को अपने बल दूंगा।
भागीदारी हो शासन में विकास को सर्वहित पथ दूंगा।

अपराध को भय होगा और सत्य को मेरा समर्थन होगा,
तेरा यही नित कर्म होगा यही तेरा बस धर्म होगा।

हां मुस्तैद हूं संग्राम में जहां वार अब मुख से होगा,
लेकर तुम हथियार आना सत्य के तीर से मेरा प्रहार होगा,

हार चाहे परिणाम होगा पर वीर का प्रमाण होगा।
मैं धरा का धन्य युवा राष्ट्र को उसका कल दूंगा,

भुजा और वाणी से अपने देश को मैं बल दूंगा।
यह जान ले अब ठान ले की युद्ध ही बस लक्ष्य होगा,

राजनीति और समाज से भी तेरा अब बैर होगा,
खैर अब जो भी होगा राष्ट्र समर्पित कर्म होगा,

बस सत्य संगत ही होगा राष्ट्रहित ही कर्म होगा
यही मात्र तेरा धर्म होगा,
यही तेरा नित कर्म होगा।

अभिषेक बाबू
बी.ए. 2nd वर्ष



लड़का लड़की एक समान

आजकल के जमाने में लड़का लड़की में कोई भेद नहीं है । पहले के जमाने में अक्सर लोग यह मानते थे कि लड़कियां जीवन में लड़कों से कभी आगे नहीं बढ़ सकती हैं। लड़कियों का स्कूल जाना और पढ़ना लिखना अच्छा नहीं समझा जाता था। लड़कियों को सिर्फ घरेलू कार्यों में ही गिना जाता था । लड़कियों की छोटी उम्र में शादी कर दी जाती थी और उनके सपने भी समाप्त हो जाते थे मगर आज ऐसा नहीं है लड़कियां कई क्षेत्रों में लड़कों से आगे निकल गई हैं। 10वीं और 12वीं कक्षा में लड़कियां स्टेट टॉपर बनकर अपने आप को साबित कर रही हैं । लड़कियों ने समाज को भी यह साबित कर दिखाया है कि वह हर एक कार्य को करने में सक्षम है । आज लड़कियां पढ़ लिखकर डॉक्टर, पुलिस , कलेक्टर, शिक्षक और इत्यादि बनाकर अपने परिवार का नाम रोशन कर रही हैं । लेकिन अभी भी कुछ जगह है ऐसी हैं जहां लड़कियों को उनके शिक्षा के अधिकारों से वंचित रखा जाता है। कन्या भ्रूण हत्या जैसे निंदनीय अपराधों में लड़कियों को मां के पेट में जन्म से पहले ही मार दिया जाता है। सरकार ने ऐसे अपराधों को रोकने के लिए और अधिक सख्त कदम उठाए हैं । लोगों में जागरूकता फैलाना आवश्यक है कि ऐसी कोई भी चीज या काम नहीं है जो लड़कियां नहीं कर सकती। आजकल कामकाजी महिलाएं अपना घर और दफ्तर बिना किसी परेशानी के बखूबी संभालती हैं। पहले वंश को आगे बढ़ाने के नाम पर लड़कों को अधिक अहमियत दी जाती थी । लोग पहले यह भूल गए थे कि घर की रोशनी तो लड़कियों की उन्नति से ही होती है । आज भी बहुत सारे गांव में लड़कियां अशिक्षित है इसलिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है ।

शिवानी धनक
बी.ए.सी. 2nd वर्ष

वो लड़ रहा है, किस लिए ?

दिल में हजारों ख्वाब लिए संघर्ष को कर्तव्य मानकर वो लड़ रहा किसके लिए,

जिम्मेदारियों का हार पहनकर उम्मीदों का पहाड़ लिए, वो स्वार्थ अपना छोडकर थकान

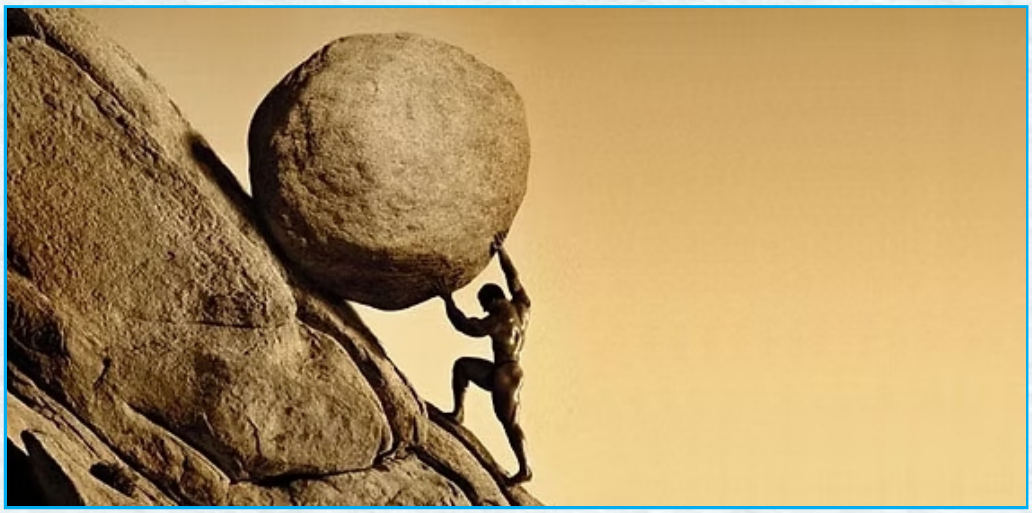
अपनी भूलकर वो लड़ रहा है, किस लिए,

वो नींद अपनी त्यागकर भूख अपनी मारकर वो लड़ रहा है, किस लिए,

शौक अपने छोड़ कर उम्र से मुख मोड कर संघर्ष की इस आग में वो जल रहा है किस लिए.

अपने लिए, अपनो के लिए, मां-बाप की उम्मीदों को उनकी मेहनत के बीजों को फलदार वृक्ष वनाने के लिए

वो लड़ रहा है, इस लिए, इस अन्धेरी दुनिया में, खुद को प्रकाश बनाने के लिए वो लड़ रहा है इसलिए|



अनुज अहिरवार
बी.ए.. 3rd वर्ष
राजनीति विज्ञान

समय प्रबंधन (TIME MANAGEMENT)



समय को लेकर संत कबीर जी ने एक बहुत सुंदर पंक्ति लिखी है -
कल करे सो आज कर, आज करे सो अब
पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब

अर्थात कबीर जी ने कहा है कि हमें कोई भी काम कल के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए बल्कि कल का काम भी हमें एक दिन पहले करके ही रखना चाहिए. क्योंकि जब बुरा समय आता है तो हम उसे कर नहीं पाते क्योंकि हमारे जीवन में सदा से समय कीमती रहा है और कुछ भी नहीं। दुनिया के सभी मानव के पास 24 घंटे ही होते हैं लेकिन कुछ व्यक्ति उन 24 घंटे में हर एक पल का सही उपयोग कर महान बन जाते हैं। वहीं रिश्तो में भी समय की बहुत अहमियत होती है क्यूंकि रिश्तो की डोर समय पर आधारित होती है यदि आप अपने परिवार के साथ समय नहीं बिताते हैं तो रिश्ते कमजोर होने लगते हैं और वैवाहिक स्थिति में अपने जीवनसाथी के साथ समय न बीतने पर रिश्ते में दरार आने लगती हैं।

सभी कार्य हमें एक निश्चित समय पर करना चाहिए वह कार्य यदि उसे समय पर नहीं किया गया तो समय निकालने के पश्चात उसे कार्य का कोई महत्व नहीं रह जाता। जैसे किसी विद्यार्थी को अपने पेपर में अच्छे मार्क्स लाने हो तो वह पेपर के पहले यदि एक रात पहले पढ़ता है ताकि उसके पेपर में अच्छे मार्क्स आए और पेपर खत्म होने के बाद वह पढ़ाई छोड़ देता है तो ऐसी पढ़ाई का कोई महत्व नहीं।

प्रकृति भी अपने सभी कार्य निश्चित समय पर करती है सूरज समय पर उगता है पेड़ समय पर अपने फल देते हैं बरसात बरसात ऋतु में आने पर ही पेड़ समय पर फल दे पाते हैं कि किसी तरह निश्चित समय पर कार्य करना चाहिए अगर कोई व्यक्ति महान व्यक्ति बनता है तो उसने अपने समय को सही प्रकार से प्रयोग किया था इसीलिए वहां आज महान बन पाया।

लेकिन आज की जनरेशन समय को यूं ही बर्बाद करती है और मोबाइल के सहारे दिनभर मोबाइल पर रील चला कर अपना समय बर्बाद करती है।

समय से बड़ा बलवान कोई नहीं है जिसने समय को समझ लिया वह सब कुछ समझ जाता है और समय धीरे-धीरे हमें सब कुछ सिखा देता है।

सौरभ कुशवाह
एम.एस.सी. 1st Sem., Chemistry

TECH FOR VIKSIT BHARAT

"Let technology serve, not divide.
A partner in growth, a nation's pride. Together we stand, together we strive For a Bharat renewed, vibrant alive."

Technology is the application of science for practical purposes, innovations in scientific knowledge is what drives a nation forward. It forms foundation for the development of a nation and society. Just when the telephone was invented by Alexander Graham Bell in year 1876, it revolutionized communication and has benefitted billions of people globally. Over the years, according to world economic forum, there were approximately 8.6 billion mobile device subscriptions worldwide as of 2021, more than there are people on the planet.

India is harnessing the power of innovation to achieve its vision of the Viksit Bharat. India is advancing at a very rapid pace to compete with the developed nations and initiatives such as Science and Technology Vision 2035, successful implementation of 5G, Deep Tech startups in defense are the cornerstone achievements. Technology can transform each sector of economy and can drive social growth and progress.

One of the greatest technological leap in agriculture are the use of HYV seeds, modern machinery, different cropping patterns has helped India to achieve food security and become a global exporter of foodgrains.
Now we are moving towards sustainable agriculture by using space and nanotechnology in agriculture. Some modern irrigation methods like micro irrigation, aeroponics, hydroponics to save are used to increase water efficiency, promoting organic farming and Zero Budget Natural Farming (ZBNF), using nano urea and nano DAP to avoid **soil degradation**.

Developing India is also using space technology in agriculture such as using satellite image and drones in crop surveying helping in better implementation of Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana.
One of the milestone achievements in creating the digital India is the usage of digital payment methods such as e-wallets, mobile banking and the UPI. Digital cash transactions can help us tackle the problem of parallel economy which will result in increase in tax base of the government of India. Jan-Dhan Aadhaar-Mobile or JAM trinity and Biometrically authenticated Physical Update can help in increasing digital governance efficiency by obviating the unnecessary human interference targeting the real beneficiaries of scheme resulting in monetary savings of the government.In line of technological advancement is Artificial Intelligence [A.I.] which is going to be future of the nation. A.I. is basically the ability of Machines like computers, ICT equipment, electronic and electrical appliances to perform human like intelligence processes. The most prominent in use nowadays is ChatGPT, Gemini, Automated vehicles etc. Initially NITI Aayog formed a three phased strategy for A.I. in India which included *'exploring the concept of A.I. in different domains'*.

- Creating national strategy for building a vibrant ecosystem
- Collaborating with various stakeholders, government private sectors and even international collaborations.

Latent applications of A.I. can result in stupendous economic benefit and social progress of a nation and society. For example A.I use in banking sector can reduce long queue for passbook printing, robotics technology can help senior citizens in resolving their query so that human resource can be utilized on more intricate issues.

A.I. use can boost tourism making easier for tourists for smart bookings. It can access biometrics to trace and track luggage, easy check in and check outs.

A.I is primarily used in robotics technology, for agriculture in the form of **agribots**, in space research for example *Pragyann rover*, in defense sector like DRDO DAKSHA.

Moving to the seamless integration of 5G in India, A.J. Paulraj committee was formed by government of India in year 2017 for adoption of 5G in India.
5G has ultra low latency of 0.1 seconds. It operates on three different frequency bands in India – 700 MHz, 3.5 GHz and **mm wave** 26 or 28 GHz. 5G technology has impacted the economy and society in an unfathomable manner. It has applications in white space which refers to the unused broadcasting frequencies in wireless spectrum. Google and Microsoft are investing in it. 5G has had great impact on *Internet of Things.*

(IoT) which has become part of our daily life such as smart lighting in houses, smart home appliances and T.V, Alexa, Smart security systems etc.

India now boasts the world's third (3rd) largest startup ecosystem with over 1 lakh 40 thousand registered startups and unicorns emerging every 20 days.
Many of these startups have leveraged technology for achieving their target and met the demand of society with the help of advancing A.I. use. Technology is the backbone of a developed nation, and India is potentially utilizing its demographic dividend to achieve its target of Viksit Bharat by 2047.

Technology globally is moving at a very fast pace without assessing the challenges associated with it. These challenges are the use of biotechnology which can cause evolutions in DNA patterns **as seen** and evolution of pests and diseases **as seen** in the case of Bt cotton. The threat of data theft, cyber crimes, *deepfakes*, dark web, malwares which can corrupt computers and if the technology is in wrong hands like non state factors or terrorists, they can target National Critical Infrastructure becoming a threat to national security. A.I. which can be disaster created by us sapiens can evolve and escape our control and has power to annihilate us.

There's a story *"The Sorcerer's Apprentice"* which is about a young apprentice who, in his master's absence uses magic he cannot control. He animates a broom to fetch water but chaos happens when broom doesn't stop, as he didn't knew stopping spell, desperation leads him to split the broom doubling the mess, until the sorcerer returns and restores order. The moral to the apprentice and to us is *'Never summon or create a power you cannot control'* **.**

While embracing the use of technology and achieving the target of Viksit Bharat by 2047, it is also a high time to make regulations and keep technological use in check.

HEMANT YADAV
B.A. III YEAR

APRIL'S BREEZING HEAT

The sun is rich
And gladly pays
In golden hours,
Silver days,

And long green weeks
That never end.
School's out.
The time Is ours to spend.

There's Little League,
Hopscotch, the creek,
And, after supper,
Hide-and-seek.

The live-long light
Is like a dream,
and freckles come
Like flies to cream.

Varnit Rajak
B.Com 3rd year





THE ETERNAL SUN

Golden orb in the boundless sky,
Rising each morning, whispering "why?"
Why do shadows long to stay,
When your light melts the night away?

Burning bright with ancient flame,
A silent witness to our earthly game.
You kiss the hills and warm the seas,
Awakening life with tender ease.

A giver of hope, a bearer of time,
Marking each moment, a rhythm sublime.
Through storms and clouds, you strive to shine,
Guiding hearts with a glow divine.

Yet you ask for nothing in return,
As we bask in the lessons we learn.
Oh, radiant sun, so constant, so true,
The world would falter without you.

So, rise again with your steadfast grace,
Lighting the path for the human race.
A reminder that after the darkest night,
Comes the promise of your golden light.

By Umrah Parveen
B.Sc. - 1st year
Zoology

PSEUDO FEMINISM

Feminism and fake-feminism are completely different beliefs. Just because fake-feminism exists doesn't mean that feminism shouldn't.

A former Bollywood actress, Pooja Bedi also started the 'Men too' movement inspired by the 'Me Too' movement, to also bring to light that men too can be victims and that they can be falsely accused by women. They can be subjected to unjust treatment based on the fact that they are men, which is the epitome of hypocrisy.

Feminism should preach equality for both sexes but somehow because of the wrong practice of it, it is starting to feel like the roles have been reversed instead. As a result women are conceived to be superior to men now and only their voices 'need' to be heard, and whatever they say is true irrespective of how wrong they are.

Back then when I was a kid I'd look up to people who would talk about the importance of women utilizing their rights, their voices and I'd aspire to be one of those women who spoke and stood in the same assemblies men did without hesitation or fear of their opinions being rejected and degraded. I'd boldly say that I was a feminist and I saw many profess that too.

Being a feminist doesn't mean that you are either always intolerant or submissive. You can be a feminist and still not view every action as exploitation of women. Feminism breaks the chain of bassness of the patriarchal society, it doesn't continue it. A woman can still empower herself and uplift men at the same time. Empowering women does not mean disempowering men.

आओ साथ मिलकर एक नई आवाज़ उठाऐं, कुछ लड़कों को उनका खोया सम्मान दिलाएं |

Nivedita Saxena
M.Sc IV Sem. (Zoology)



HELP ME SIGNAL

By Mihika Frank
BA 3rd Year (Sociology Major)

The Hand Signal for "help me" that became popular on Tik Tok is the Signal For Help. It is done by tucking your thumb into your palm and then closing your four fingers around it

The signal was created by The Canadian Women's Foundation in April 2020. It was designed as a continuous movement so that it could be easily seen. After becoming known, it was adopted by the International Women's Funding Network. The signal has been recognised by over 40 organizations across Canada and the United States as a useful tool to help combat domestic violence.

The gesture is a way to discreetly signal for help when verbal call for help might be dangerous. The signal has helped people escape dangerous situations including kidnapping. Therefore it is important for us to get familiar with such Hand Gesture to avoid unwanted situations.

Hence If you see someone using this "Signal for Help" , you should get them help immediately.



LIVING GREEN THRIVING STUDENTS



We all are familiar with the word sustainable. It simply means using resources with mindfulness or conserving resources for a better future. In this we all can play a major role but students can contribute more than anything else, because it's our duty to give our next generation favourable conditions to survive their livelihoods. Sustainability also gives us many health benefits like better physical and mental health, lower Health Care costs , we can get more better quality air and environment for living it will connect us with nature which will be directly beneficial in conserving resources. It makes us more mindful when we use any resources sustainable living also uses environmental pollution . It will improve our quality of living and give us better who for upcoming future and its cost saving. How we can live sustainable? By adopting habits of reuse, recycle, reduce, refuse, repair, regift and recover . Sustainable living is more much more affordable than established norms. But it requires our concern to change our mind set towards usefulness of resources means doing more with the help of less. Moreover, living green fosters a sense of responsibility and purpose. When students actively care for the environment, they often feel more connected to they communities and empower to make a difference. Students can follow these healthy habits which will be beneficial for our planet and the next generations work -use bicycle or public transport, buy second hand products or find eco friendly substitutes, participate in clean drive and plantation projects, use digital notes in place of paper notes, support local farmers and markets, make small gardens in your home, avoid fast fashion. In essence, sustainable living is a win- win students who live green don't just contribute to a healthier planet- they create a healthier,more fulfilling life or themselves.

हर छात्र का संकल्प हरित जीवन सतत जीवन शैली उज्जवल भविष्य !

Speak for sustainability and green living

Khushbu kourav
BA 2nd year Geography

WOMEN OF THE WORLD

She walks with fire beneath her feet,
A steady heart, a soul so sweet.
Through storms she stands,
through winds she soars,
Her spirit bold, her strength restores.

She is the light, the voice, the guide,
With wisdom deep and love worldwide.
A mother's warmth, a sister's grace,
A warrior's fire in every place.

She builds, she nurtures, dares to dream,
Her courage flows, a mighty stream.
No walls can hold, no chains restrain,
Her will is steel, she breaks the pain.

She leads with love, she fights with grace,
A steady force, she finds her place.
Through history's pages, carved in stone,
Her power reigns, her name is known.

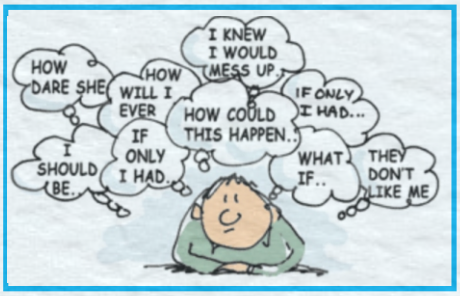
So here's to women, fierce and wise,
Who lift the world with strength that flies.
Unbowed, unbroken, brave and free,
She is the heart of destiny.



Composed by - Rishika Sahu
Class - B.Sc. 2nd year (Biotechnology)



THOUGHT OF MY MIND



A big question arises in my mind
my life which type of kind
sometime I found everything
another time I lost everything
after school I feel I lost my friend
but in a college I found a new friend
I feel something lost in one moment
I feel something I found in another moment
college may be more better than school life,
but college teach me that both are academic and professional life.
school teaches us how to create dream,
college teaches us how to achieve your dreams.
I learned that the small and giant buildings of university do not decide your careers ,
a good teacher give a shape to your career.
A wrong word is erased by eraser,
and our bad habits are erased by our teacher.
In a school, there is a task to select a subject
& In a college, there is a task to search a job by our selected subject.
The Question arises, in my mind my life , which type of kind..
college and school teach us which lesson?
Consistency and discipline learn in school lesson,
& college days fill maximum colour in lives journeys in the form of lesson.
Negativity binds the thought of mind,
but good thoughts blowing a positive wind.
The question arises, in my mind,
my life, which type of kind
I found that school life best life learning fun. Laughing and good friends forever.
& College has given me the confidence I need to be failure and failure become me a great leader.
learnings never exhausts the mind.
A question arises, in my mind
my life, which type of kind.

Nancy Ahirwar
BA 2nd year

BLUE ECONOMY : A NEW DIMENSION OF INDIA'S GROWTH

With over 7500kms of coastline, 9 coastal states, more than 9000 islands and 200 ports and vast maritime zone, India has huge untapped potential which can redefine its growth direction, and governments recent approach which is highlighted in the words of Union Finance minister in her interim budget speech dated 01/02/2024 quote:
"For promoting climate resilient activities for blue economy 2.0, a scheme for restoration and adaptation measures, and coastal aquaculture and mariculture with integrated and multi-sectoral approach will be launched," strikes the match for future.

According to World Bank Blue Economy refers to sustainable use of ocean resources for economic growth, improved livelihoods, and jobs while preserving the health of ocean ecosystem.

The core agenda is ***to Realize, Utilize and Maximize*** the potential of Blue economy, it encompasses the idea of promoting renewable energy, market for fisheries, enhancing tourism as coastal and oceanic tourism can create jobs, developing maritime transport as almost 80 % of international trade is done through sea routes oceans are an important carbon sink which helps in mitigate climate change.

Oceans covers three quarters of the earth's surface, contains 97% of the earth's water and represents 99% of the living area on planet. Oceans contributes almost 3-5% in the global G.D.P, India's Exclusive Economic Zone covers over 2 million square kilometers that is home of abundant marine biodiversity and resources.

The maritime sector contributes approximately 4% to the country's G.D.P. with fisheries alone supporting millions of livelihoods.

However the track towards maximizing the potential of oceans or blue economy is crammed with challenges such as overfishing, threat of sea terror, natural disasters like tsunami and cyclones, oil spills, climate change rise in sea temperature which threatens the existence of marine habitat, untreated sewerage and industrial waste disposal in oceans causing marine pollution and exploitation of oceanic resources stifles the developmental process.

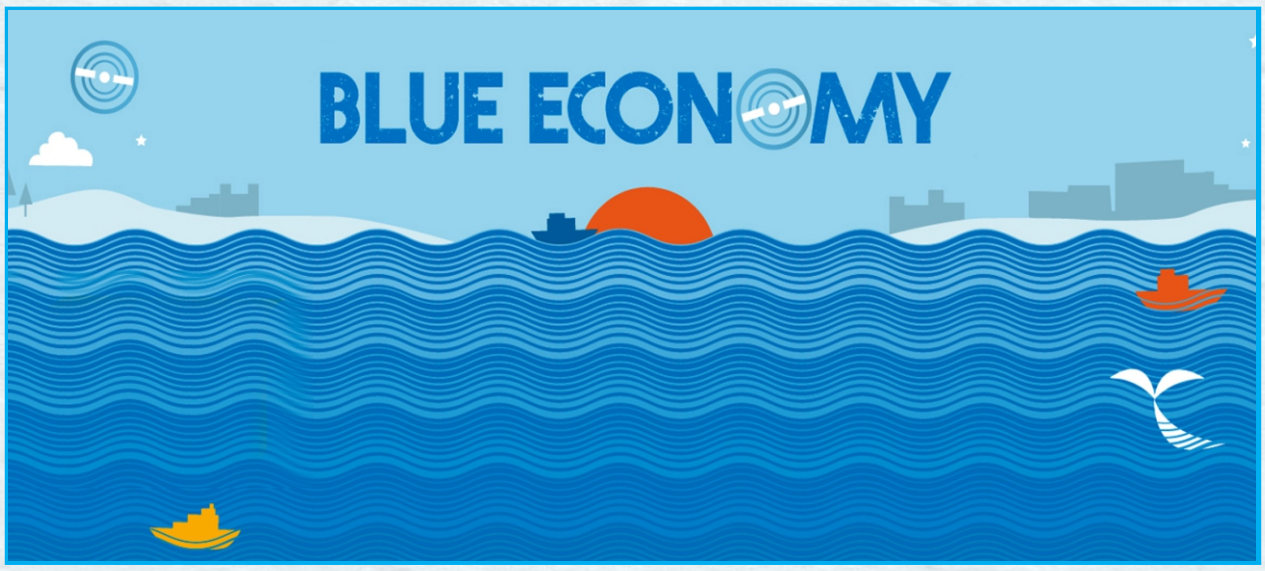
Sustainable use of blue Economy can provide strength to food security, it can be a source of discovery of new medicines, drugs, sea minerals and can play a pivotal role as an abundance source of energy production. Some economists call it as Sunrise Sector.

India has come face to face with an unparalleled opportunity to meet its socio economic goals and bolster the regional connectivity and improve cross border relations. India has realized the capability of the blue economy as mentioned in this years interim budget that government will focus on the application of oceanic resources, the Union Finance Minister announced the setting up of five national parks, Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana would promoted to "enhance aquaculture productivity from the existing three to five tons per hectare; double exports to Rs 1 lakh crore; and generate 55 lakh employment opportunities soon.

There are some major steps like Sagar Mala Project, Deep Ocean Mission, India Norway Task Force On Blue Economy, National Fisheries Policy, O SMART umbrella schemes to promote the utilization of blue economy.

Still we have far to go, Blue economy isn't just a sunrise sector but also a key to achieve unmatched economic growth in the coming decade----- one that blends with the concept of sustainability. If India focuses and acknowledges the potential gains of oceanic economy than it will be very helpful in achieving long term goals while maintaining environmental balance.

Hemant Yadav
B.A. III[rd] Year



THE SPIRIT OF INNOVATION AT SHYAMA PRASAD MUKHERJEE COLLEGE



Shyama Prasad Mukherjee college, Bhopal has always been a hub of creativity and intellectual growth, fostering an environment where students can explore new ideas and push boundaries. As we navigate the challenges of modern education, innovation remains at the heart of our academy journey. Whether through cutting edge research, dynamic classroom discussions in or extra curricular initiatives, the college and encourages us to think critically and act boldly.The vibrant campus life, supported by dedicated faculty and enthusiastic peers, provides countless opportunities for personal development. From tech -driven projects to cultural fests, every event strengthens our skills and broadens our perspectives. As student s of SPMC we carry forward a legacy of excellence, constantly striving g to contribute meaningfully to society. Let as continue to embrace curiosity, collaboration and spirit of innovation - the true hallmarks of our institution.

Here's to shaping a better future, one Idea at a time!

Sourabh Keer
BA 2nd year

रचना संदर्भ प्रेरणा स्त्रोत

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का संबंध

भूमिका -

शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसी सोच विकसित करे जो नवीन, रचनात्मक और समस्या-समाधान में सक्षम हो। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा इसी दृष्टिकोण को आत्मसात करती है। यह परंपरा न केवल ज्ञान का भंडार है, बल्कि सोचने, प्रश्न करने, विश्लेषण करने और नये विचारों को जन्म देने की प्रेरणा भी प्रदान करती है। भारत एक प्राचीन और गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर वाला देश है। इसकी संस्कृति और शिक्षा प्रणाली की जड़ें अत्यंत गहराई तक विस्तृत हैं, जिनका मूल आधार भारतीय ज्ञान परम्परा है। यह परम्परा न केवल भारत की पहचान है, बल्कि एक ऐसी ज्ञान-परम्परा भी है, जिसने मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को छुआ है और समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

भारतीय ज्ञान परम्परा वेदों, उपनिषदों, वेदांगों, श्रुति-स्मृतियों के साथ-साथ दर्शनशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र, नाट्यशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, विज्ञान एवं प्रबन्धन जैसी अनेक विद्याओं का समावेश करती है। इस परम्परा में शिक्षा को केवल सूचनाओं या तकनीकी दक्षताओं तक सीमित न रखते हुए उसे 'विद्या', 'प्रज्ञा', 'दर्शन' और 'प्रबोध' जैसे शब्दों से परिभाषित किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका लक्ष्य व्यक्ति के बौद्धिक, नैतिक, मानसिक और आत्मिक विकास को सुनिश्चित करना रहा है।

भारतीय ज्ञान परम्परा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ विद्यार्थी को मोक्षगामी और समाजोपयोगी बनाना रहा है। यह परम्परा लौकिक और पारलौकिक, भौतिक और आध्यात्मिक, भोग और त्याग, कर्म और धर्म के मध्य अद्‌भुत संतुलन स्थापित करती है।

रचनात्मकता की जड़ें भारतीय ज्ञान परंपरा में

भारतीय ज्ञान परंपरा में रचनात्मकता को विशेष महत्व दिया गया है। वेदों और उपनिषदों में ज्ञान को अनुभव, चिंतन और मनन की प्रक्रिया से प्राप्त करने पर बल दिया गया है। किसी बात को आँख मूंदकर स्वीकार करने की बजाय उसे 'युक्तियुक्त' यानी तर्कसंगत होना चाहिए। यह विचार उपनिषदों, न्याय दर्शन और बुद्धिजीवी परंपराओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

योग, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, खगोलशास्त्र, गणित, भाषा-विज्ञान और नाट्यशास्त्र जैसे क्षेत्रों में भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्ष पूर्व जो ज्ञान और प्रयोग किए, वे आज भी वैज्ञानिक सोच और नवाचार के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उदाहरण स्वरूप, शून्य (0) की खोज, पाणिनि का व्याकरण-संरचना सिद्धांत, या चरक-संहिता की औषधीय विधियाँ, सभी रचनात्मकता के जीते-जागते प्रमाण हैं।

आधुनिक शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा का संगम

आज की शिक्षा प्रणाली में रटने की प्रवृत्ति अधिक है, जबकि नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश आधुनिक शिक्षा में एक नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। यह परंपरा छात्रों को केवल उत्तर नहीं, बल्कि प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति सिखाती है। 'क्यों' , 'कैसे' और 'क्या' जैसे प्रश्नों से शुरू होने वाली सोच अंततः नए विचारों और समाधान तक पहुंचती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करने पर बल देती है। यह नीति 'सोचने के लिए सीखना' और 'सीखने के लिए सोचना' की भावना को प्रोत्साहित करती है। जब विद्यार्थी भारतीय दर्शन, तर्कशास्त्र, और विज्ञान के ऐतिहासिक दृष्टिकोण को समझते हैं, तो वे समस्या को केवल एक उत्तर पाने की दृष्टि से नहीं, बल्कि उसकी गहराई को समझने की प्रवृत्ति से देखते हैं। यही सोच उन्हें एक बेहतर समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती है। यह परंपरा भावनात्मक, बौद्धिक और नैतिक सभी स्तरों पर नवाचार को जन्म देती है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता

आज जब वैश्वीकरण और तकनीकी विकास की दौड़ में पारंपरिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है, ऐसे समय में भारतीय ज्ञान परम्परा को पुनः जाग्रत करने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में भारतीय ज्ञान परम्परा को एक केंद्रीय स्तम्भ के रूप में मान्यता दी गई है। यह नीति भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली की मूल भावना से प्रेरित होकर नई पीढ़ी को ज्ञान, चरित्र और स्वाभिमान के सूत्रों से जोड़ने का कार्य कर रही है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पहल

भारतीय ज्ञान परम्परा को शिक्षा के मूलधारा में पुनः स्थापित करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न अनुशासनिक विषयों की पाठ्यचर्या में ऐसे संप्रत्ययों को सम्मिलित किया जा रहा है जो भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में न केवल बौद्धिक चेतना का विकास करना है, बल्कि उन्हें भारतीयता के गौरव से भी परिचित कराना है।

निष्कर्ष

भारतीय ज्ञान परम्परा केवल एक प्राचीन शैक्षिक व्यवस्था नहीं, अपितु एक जीवनशैली है, जो व्यक्ति को आत्मविकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की ओर प्रेरित करती है। वर्तमान समय में, जब भारतीयता के पुनर्जागरण की आवश्यकता अधिक तीव्रता से अनुभव की जा रही है, तब यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर पुनः लौटें और आने वाली पीढ़ियों को इस समृद्ध परम्परा से जोड़ें। यही मार्ग भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनेगा।

भारतीय ज्ञान परम्परा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा को भी आलोकित करने वाली ज्योति है। इसमें निहित रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता आज की शिक्षा प्रणाली के लिए अत्यंत मूल्यवान है। यदि हम अपने विद्यार्थियों को इस परम्परा से जोड़ सकें, तो वे न केवल अधिक कुशल समस्या-समाधानकर्ता बनेंगे, बल्कि संवेदनशील, विचारशील और नवाचारी नागरिक भी बनेंगे — जो न केवल अपने समाज और देश के, अपितु सम्पूर्ण विश्व के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

डॉ. मीनाक्षी सक्सेना
प्राध्यापक, गृह विज्ञान विभाग

चरित्रः– व्यक्तित्व विकास की पूँजी

डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी

बच्चों में प्रारंभ से ही सद्गुणों का विकास हो तभी वे दुर्गुणों से लोहा ले पाएँगे तभी उनके व्यक्तित्त्व में चमक पैदा हो पाएगी। इसी आधार पर वे मेधावी बन पाएँगे। विद्यार्थी परिस्थितियों के दास नहीं, अपितु नियंत्रणकर्ता बने। अपने चरित्र की ऐसी बढ़िया और मजबूत नींव रखें कि उस पर जीवन का बढ़िया–से बढ़िया महल बनाया जा सके।

मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी उसका चरित्र है। इसकी रक्षा करें। अगर यह बिगड़ा तो कुछ शेष न रहेगा। धन यदि लुट भी जाए तो परिश्रम द्वारा पुनः पाया जा सकता है पर चरित्र बिगड़ा तो उसे किसी प्रकार भी नहीं पाया जा सकता। इसलिए जीवन में सावधान और सतर्क रहना चाहिए। प्रयास यह रहे कि जीवन में किसी प्रकार का कोई आकर्षण आपको आकर्षित न करने पाए। यदि आपका जीवन संवेदनाओं से ओत प्रोत रहा और आप दोष–दुर्गुणों से दूर रहे तो निश्चित मानिए आपके जीवन में उन्नति और उत्कर्ष के अवसर आते ही रहेंगे तथा आप श्रेय और सम्मान के अधिकारी रहेंगे। पढ़े, समझें और करें –

आदतों के समूह को चरित्र कहते हैं। जिनमें अच्छी आदतें होती हैं उन्हें सच्चरित्र और जिनमें गंदी आदतें होती हैं उन्हें दुश्चरित्र कहा जाता है। चरित्रवान व्यक्ति प्रशंसा के पात्र होते हैं, उनका सर्वत्र सम्मान होता है। दुश्चारेत्र को न कोई हृदय से प्यार करता है और न सम्मान देता है। समाज में उनका कोई विशेष स्थान नहीं होता। लोग मन–ही मन उनसे घृणा करते हैं। अभिभावक यह प्रयास करते हैं कि उनके बच्चे गंदी सोहबत से बचें। दुश्चरित्रों की संगति में न बैठें। संसार में जितने बड़े काम हुए हैं, वे सब योग्य और चरित्रवान व्यक्तियों द्वारा ही संभव हुए हैं। चरित्र में हजार हाथियों का बल होता है। चरित्रवान का जीवन, तप, सद्भाव और उसका सदाचार, जन–जीवन को बड़ी गहराई तक प्रभावित करता है। चरित्रवान के प्रति लोगों में आस्था का भाव जाग्रत होता है। वे उसके प्रति समर्पण भाव रखने लगते हैं। वस्तुतः चरित्रवान व्यक्ति अपने संगी–साथियों, मित्रों, पड़ोसियों और दूर–दूर तक के लोगों का विश्वास अर्जित करता है। उसके सदाचार की सुगंध चारों ओर फैलती है वह अपने चरित्र बल से लोगों को प्रेरित करने और अनगढ़ को सुघड़ बनाने में सफल होता है।

चरित्र निर्माण के आधारभूत तत्वः–

सत्य और ईमानदारीः–

चरित्रवान व्यक्ति का विश्वास सत्य और ईमानदारी में होता है। वह हानि सहकर भी झूठ बोलना पसंद नहीं करता। बड़े से बड़े प्रलोभन भी उसे बेईमान नहीं बना सकते और न सत्य से डिगा सकते हैं। उसके ये गुण ही उसे सामान्य लोगों से अलग, उसकी पहचान बनाते हैं। जिनके जीवन में सत्य समाया है वे अपने प्रत्येक कार्य–व्यापार में सत्य का पालन करते हैं। उनका साध्य और साधन दोनों ही सत्य पर अवलम्बित होते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का लक्ष्य धनवान बनना है और वह चरित्रवान है तो वह रिश्वतखोरी, चोरबाजारी, धोखाधड़ी, हेराफेरी, मिलावट, शोषण, बेईमानी आदि के कोई हथकण्डे नहीं अपनाता, बल्कि अधिक से अधिक श्रम करता है। साधनों की पवित्रता का ध्यान रखते हुए उनका सदुपयोग करता है। भले ही वह मालदार बने या न बने। वह ईमानदार बने रहने में ही अपनी शान समझता है।

सत्य और ईमानदारी दो ऐसे गुण हैं जिनके आधार पर एक ओर तो व्यक्ति प्रतिष्ठा पाता है और दूसरी ओर उसके अन्दर ही अन्दर अनेक ऐसे सद्गुण विकसित होने लगते हैं जो उसके भावी जीवन को श्रेष्ठ, समुन्नत और पवित्र बनाते हैं। ऐसा व्यक्ति दूसरों के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादाश्री बन जाता है। महात्मा गाँधी ने जीवन के प्रारंभ में ही हरिश्चन्द्र नाटक देखा और सत्य का संकल्प ले लिया। उन्होंने जीवन भर उसका निर्वाह किया। उसी के बल पर निरंतर संघर्ष करते रहे, यहाँ तक कि उनके जीवन की सच्चाई ने ही उन्हें विश्ववंद्य बापू बना दिया।

विनम्रता और सज्जनताः–

जो व्यक्ति स्वभाव से विनम्र होते हैं उन्हें सब प्यार करते हैं। विनम्र और सज्जन व्यक्ति का मस्तिष्क शांत और शीतल रहता है उसमें उदण्डता नहीं उभरती, न वह आवेशग्रस्त होता है और न लड़ाई झगड़ों में उलझता है। उसका समय छल–प्रपंच में बर्बाद नहीं होता बल्कि उसकी विनम्रता और सज्जनता जीवन में

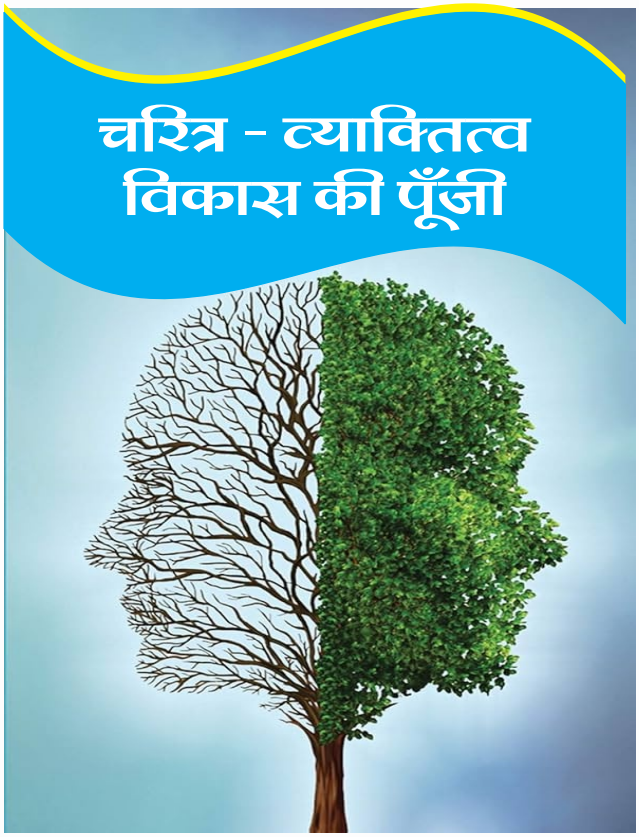
अबाध गति से बढ़ने में सहायक होती है। सज्जन बनें और दूसरों के साथ सज्जनोचित व्यवहार करें। दूसरों की । भलाई की सोचें और बुराई से बचे। संगी साथियों की कठिनाइयों और मजबूरियों को समझें। सहयोग करें। इससे विनम्रता एवं सज्जनता के गुणों में निरन्तर वृद्धि होती है।

आत्मविश्वास आत्मनिर्भरताः–

विश्वास कीजिए कि आप एक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपने अन्दर इतनी समझ विकसित कीजिए कि आप अपनी बात किसी के सामने विश्वासपूर्वक कह सकें। चुनौतियों का सामना कर सकें। आपके विश्वासों को कोई डिगा न सके। जिनमें आत्मविश्वास की कमी होती है वे न तो स्वयं को सही ढंग से प्रस्तुत कर पाते हैं और न किसी को प्रभावित ही कर पाते हैं। आत्मविश्वास–आत्मनिर्भरता से बढ़ता है। जैसे– भाषण प्रतियोगिता के लिए यदि कोई छात्र अपने भाषण की विषयवस्तु स्वयं खोजता है, ठीक क्रम निर्धारण करता है, ठीक शब्द चयन करता है तो उसमें सफल और प्रभावोत्पादक अभिव्यक्ति तथा प्रतियोगिता में सफल होने का विश्वास पैदा होता है। केवल इसलिए कि सब कुछ उसने स्वयं किया है, जो अँधरे में दूसरों के पीछे–पीछे चले जा रहे हैं उनमें वह आत्मविश्वास कैसे पैदा होगा कि वे कभी अकेले में भी मंजिल पर पहुँच सकेंगे? करो, सीखो और आगे बढ़ो का सिद्धांत ही आत्मनिर्भर बनाता और आत्मविश्वास पैदा करता है।

निर्भयता और निर्भीकताः–

जब व्यक्ति आचरण हीन होता है, गलत काम करता है, तो उसके मन में भय का दबाव बना रहता है। वार–बार सोचता है कि कहीं उसकी पोल न खुल जाए। ऐसा व्यक्ति खुलकर सामने नहीं आता। उसकी योग्यताएँ दबी पड़ी रहती हैं। वह संकोची स्वभाव का बन जाता है। हीनता, भय और निराशा के विचार ही उसे घेरे रहते हैं। ये ही जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं। इन्हें जीवन में कभी घुसने न दें। निर्भीक और निडर होकर चरित्र बल को ऊँचा उठाने का प्रयत्न निरन्तर करते रहना चाहिये।



जहाँ खड़े हो वहीं से शुरु करो

भीड़ में खो जाने से अच्छा है ।आप जहां खड़े हो, वहीं से शुरुआत करो ।हर व्यक्ति की अपनी सीमाएं होती है ।हार जाने से ,भीड़ में शामिल होने से अच्छा है ,जीवन को नए ढंग से जियो।

यदि जीवन की भाग दौड़ से आप थक गए हो ,तो भी बीते दिनों को पीछे मुड़कर मत देखो ।आपकी पुरानी जिंदगी से दुनिया को कोई लेना देना नहीं ।आपका समय आपका भविष्य है और भविष्य उसका ही अच्छा होगा जो अभी तक जो गुजर चुका है ,भूलकर भविष्य की ओर अग्रसर होगा । बीता हुआ समय सिर्फ तारीख बनकर रह जाता है। बीते हुए समय की गलतियों को बार-बार कहने से अच्छा है उनसे सीख लेकर नई शुरुआत करो। सीखने की या शुरुआत करने की कोई उम्र नहीं होती। जब जागो तभी सवेरा, पर सोच हमेशा सकारात्मक और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होना चाहिए। सहारे इंसान को खोखला कर देते हैं और उम्मीद कमजोर कर देती है ।अपनी ताकत के बल पर जीना शुरु कीजिए। आपका आपसे अच्छा कोई साथी और हमदर्द नहीं।

इसलिए अच्छा है कि जहां खड़े हो वहीं से शुरुआत करो।

डॉ. मीनू चतुर्वेदी
प्राध्यापक, हिन्दी



संस्कार : विकास और परिमार्जन

संस्कारहीन हजार व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण होता है एक संस्कारी युवक। वे हजार व्यक्ति मिलकर जो काम नहीं कर सकते, उसे एक संस्कारी युवक सहजता से निष्पन्न कर लेता है। उसके व्यक्तित्व में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो उसे अन्य व्यक्ति से अलग खड़ा कर देते है। उसका दृष्टिकोण सर्जनात्मक होता है। उसके चिन्तन में निर्माण के बीज होते हैं और उसके व्यवहार में होते है ऐसे सार्थक प्रयास जो कभी व्यर्थ नही होते।

हमारे दृश्य व्यक्तित्व के तीन घटक है- शरीर वाणी और मन। शरीर स्थूल है। वाणी और मन इसी के अंग है। वाणी शरीर से सूक्ष्म है, मन उससे भी सूक्ष्म है। शरीर वाणी और मन परस्पर एक-दूसरे को प्रभावित करते है। मन का प्रभाव शरीर पर होता है, कभी शरीर मन को प्रभावित कर देता है। इसलिए इन सबको स्वस्थ और संस्कारी बनाने की अपेक्षा है।

संस्कार कहाँ से आते हैं? यह प्रश्न पर विचार किया जाये तो बच्चा जन्म के साथ जो परिवार से लेकर आता है, उन्हे सिंचन और संपोषण कर इच्छा के अनुरुप व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है। इसकी सहज परिणति को सहजात संस्कार कहा जा सकता है। संस्कार निर्माण के दो क्रम है - वैयक्तिक और सामूहिक। समूह में किये गये प्रयोग भी कार्यकारी होते हैं। व्यक्ति-व्यक्ति को प्रशिक्षित करना अधिक उपयोगी है। व्यक्ति को एक निश्चित परिकल्पित साँचे में ढालकर यथेष्ट व्यक्तित्व दिया जा सकता है।

किसी देश का चरित्र उसमें रहने वाले लोगों के व्यवहार से परिलक्षित होता है और चरित्र निर्माण उनके बचपन में ही किया जाता है। संस्कार का बीजवपन बचपन की धरती पर जितनी सुगमता से होता है, विचारों की परिपक्वता से नहीं होता। संस्कारित बीजों से जो वृक्ष बनेगें उनमें फिर संस्कारो की पुट देने के लिए अतिरिक्त प्रयत्न करने की अपेक्षा ही नही रहेगी।

युवापीढ़ी का सबसे बड़ा दायित्व है- अपने व्यक्तिगत चरित्र का उदात्तीकरण।उदात्त चरित्र के धनी युवा ही समाज में नई कांति का सूत्रपात कर सकते है। वैसे उदात्त चरित के कई मानक हो सकते है पर न्यूनतम मानको में वर्तमान मान में व्यसन मुक्ति, मोबाइल इन्टरनेट का अधिक उपयोग और व्यावसायिक नीतिमत्ता की अनिवार्यता को स्वीकृति देनी होगी।

युवा पीढ़ी यदि इनमें गिरफ्त रहती है तो वह न तो समाज का भला कर सकती है और न ही अपने परिवार का। सब दृष्टियों से वह स्वयं के अहित के साथ समाज का भी अहित करता है उसका दायित्व बोध समाप्त हो जाता है।

आर्थिक भ्रष्टाचार युग की जटिलतम समस्याओं में से एक है। अधिकांश लोगों को एकही प्रवाह में बहते देख आदर्श जीवन जीने का इच्छुक व्यक्ति भी घुटने टेक देता है। यह दुर्बलता है। युवा पीढ़ी में युग के प्रवाह को मोड़ने की क्षमता होनी चाहिए। प्रवाह के साथ तो कोई तिनका भी बह सकता है। प्रतिस्त्रोत में बहने या स्त्रोत की गति बदलने का संकल्प स्वीकार कर चलने वाला ही न तो अपनी आस्था को कमजोर होने देता है और न ही अपने आदर्श को ओझल होने देता है।

युवापीढ़ी का सबसे बडा दायित्व - सामाजिक बुराइयों का परिष्कार। जिन बुराइयो की जड़ेवहुत गहरी चली गई है, उन्हे उखाड़ने के लिए एकनिष्ट पुरुषार्थ की जरूरत है। युवा चिन्तन के साथ व्यवस्थित योजना बनाए और संस्कार निर्माण को क्रियान्वित कर एक सकारात्मक वातावरण को निर्मित करें।

डॉ. इला जैन
प्राध्यापक, रसायनशास्त्र

पानी सेहत की जरूरत

पानी कम पीने से किडनी को खतराः कब्ज, बदहजमी की समस्या, याददाश्त कमजोर, रोज दो-तीन लीटर पानी पिएं, बुढ़ापा जल्दी नहीं आएगा

सर्द मौसम में प्यास कम लगती है। मौसम का पारा नीचे होने की वजह से शरीर को पानी की कमी का पता नहीं चल पाता है। बाहर भले ही ठंड हो लेकिन कम पानी की वजह से शरीर में दिक्कत शुरू हो जाती है। शरीर सही ढंग से काम करें इसके लिए जरूरी है कि बॉडी में पानी की पर्याप्त मात्रा को बनाकर रखा जाए ।

डिहाइड्रेशन

पर्याप्त पानी नहीं पीने का सबसे तात्कालिक असर डिहाइड्रेशन के रूप में देखने को मिलता है। डिहाइड्रेशन होने पर शरीर से पानी अधिक निकलता है। इससे बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है और बॉडी के कई फंक्शन ठीक से काम नहीं करते हैं। हल्के डीहाइड्रेशन में मुंह का सूखना, गहरे रंग का यूरिन पास होना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं जबकि गंभीर होने पर चक्कर आना, बेहोशी भ्रम और दिल की धड़कन तेज हो जाती है।

काम पर फोकस कम होना और कन्फ्यूजन अधिक होना

माइल्ड डिहाइड्रेशन में भी चेतना के स्तर पर व्यक्ति का ब्रेन ठीक से काम नहीं करता है। उसका मूड बदलता रहता है। रिसर्च में यह सामने आया है कि डिहाइड्रेशन से एकाग्रता घटती है याददाश्त पर असर पड़ता है, एंजायटी की फिलिंग्स और थकान बढ़ती है। असल में शरीर में पानी की कमी होने की वजह से ब्रेन में ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है जिससे दिमाग की काम करने की क्षमता प्रभावित होती है।

तेजी से थकावट

शरीर में पानी की कमी होने से व्यक्ति किसी काम को आसानी से नहीं कर पता है इससे फिजिकल परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। खासकर वर्कआउट और शारीरिक मेहनत के काम में शरीर को पाने की ज्यादा जरूरत होती है ।बॉडी में पानी की कमी होने से ब्लड वॉल्यूम कम होता है जिससे मांसपेशियों तक ऑक्सीजन और न्यूट्रिएंट्स ठीक से नहीं पहुंच पाते। इसकी वजह से सहन शक्ति ताकत और एथलेटिक परफॉर्मेंस में कमी आती है। साथ ही डिहाइड्रेशन से शारीरिक परिश्रम के दौरान मांसपेशियों में ऐंठन गर्मी से थकावट और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

डाइजेशन में गड़बड़ी

पानी सिर्फ शरीर में नमी को बरकरार नहीं रखता बल्कि खाना पचाने में भी इसका बड़ा रोल है। पानी पेट की सेहत को बनाए रखता है। पानी कम पीने की वजह से व्यक्ति कब्ज जैसी समस्याओं का शिकार हो जाता है। पानी पेट की गंदगी को बाहर करने और पेट की गतिविधियों को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है। अगर पर्याप्त मात्रा में पानी ना पिया जाए तो स्टूल, यूरिन पास करने में दिक्कत आएगी और व्यक्ति गैस्ट्रिक अल्सर सहित कई डाइजेस्टिव समस्याओं से घिर जाएगा। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट सबको दिन भर में दो-तीन लीटर पानी पीने की सलाह देते हैं।

यूटीआई इन्फेक्शन की वजह बनता कम पानी

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन से बचने के लिए भी शरीर में पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। जब व्यक्ति पानी कम पीता है तो यूरिन एसिडिक हो जाता है इसे ब्लैडर और यूरेथा में जलन होती है और यूरिनरी ट्रैक्ट में इन्फेक्शन यानी यूटीआई की समस्या बढ़ जाती है। ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से यूरिन के जरिए शरीर से जहरीला तत्व बाहर निकलता है और यूटीआई जोखिम कम हो जाता है।

डॉ. हर्षा जालोरी
प्राध्यापक (भौतिकी)

HERBOVIGILANCE: ENSURING SAFETY IN THE USE OF HERBAL MEDICINES

Introduction

Herbal medicines have been used for centuries across various cultures to treat a wide range of ailments. With the increasing popularity of complementary and alternative medicine, herbal remedies are now widely available in the form of powders, capsules, teas, extracts, and topical formulations. Despite their "natural" origin, herbal products are not free from risks. (Barnes, 2003). This has led to the emergence of a relatively new field known as Herbovigilance-the systematic monitoring, assessment, and prevention of adverse effects associated with the use of herbal medicines.

What is Herbovigilance?

Herbovigilance refers to the surveillance system established for monitoring the safety of herbal drugs. It is like pharmacovigilance but focused specifically on herbal and traditional medicines. The main objective is to detect, assess, understand, and prevent any adverse reactions or risks associated with herbal products (Sahoo et al., 2018).

The World Health Organization (WHO) and various national health authorities, including India's Ministry of AYUSH, have recognized the need for Herbovigilance as part of public health protection strategies.

Why is Herbovigilance Important?

Unlike modern pharmaceuticals, many herbal products do not go through stringent pre-marketing safety evaluations. Additionally, several factors increase the risk of adverse effects, including:

- Contamination with heavy metals or pesticides
- Adulteration with pharmaceuticals
- Incorrect identification of plant species
- Drug-herb interactions (Posadzki et al., 2013)

Herbovigilance helps fill these gaps by collecting real-world data on adverse events and promoting safer use of herbal medicines.

Examples of Herbal Drug Adverse Effects

1. Kava (*Piper methysticum*)

Traditionally used to treat anxiety, kava has been linked to liver toxicity. In several countries, cases of acute hepatitis and liver failure were reported, some requiring liver transplantation. This led to restrictions and warnings on kava-based products in many parts of the world (Teschke et al., 2011).

2. Aristolochia spp.

This herb was once used in weight-loss preparations. However, it was found to contain aristolochic acid, a potent carcinogen and nephrotoxin. Several users developed irreversible kidney damage, leading to global regulatory bans (Debelle et al., 2008).

3. St. John's Wort (*Hypericum perforatum*)

Commonly used as an antidepressant, St. John's Wort interacts with numerous drugs including antidepressants, birth control pills, and anticoagulants. It induces liver enzymes and can reduce the efficacy of many conventional drugs (Izzo & Ernst, 2009).

4. Guggul (*Commiphora mukul*)

Used in Ayurveda for cholesterol control, Guggul can cause side effects like skin rash, diarrhea, and liver function abnormalities in some individuals. Monitoring through herbovigilance systems has helped document these effects (Ulbricht et al., 2005).

Current Herbovigilance Efforts in India

India launched its Herbovigilance Programme of India (HvPI) under the Ministry of AYUSH in collaboration with the All India Institute of Ayurveda (AIIA). The goal is to build a structured reporting mechanism for adverse drug reactions (ADRs) related to AYUSH products-Ayurveda, Siddha, Unani, and Homoeopathy (AYUSH, 2017).

Key features include :

- Setting up regional and peripheral centers for ADR monitoring
- Training healthcare professionals and students
- Creating awareness among the public -Developing standardized reporting formats

Challenges in Implementing Herbovigilance

- Underreporting due to lack of awareness
- Misconception that natural equals safe
- Unregulated market for herbal products
- Limited resources and trained personnel (Sahoo et al., 2018)

Conclusion

Herbovigilance is a vital part of healthcare in the modern era, especially as herbal medicines become increasingly popular worldwide. By documenting adverse reactions and improving the quality and safety of herbal products, herbovigilance can protect public health while supporting the responsible use of traditional medicine systems.

Moving forward, collaboration between regulatory authorities, healthcare professionals, researchers, and the public is essential to ensure that the benefits of herbal medicines are maximized while minimizing potential harms.

Mrs. Asha Wadhwani
Assistant Professor
English Dept.

EMOTIONAL INTELLIGENCE & PERSONALITY DEVELOPMENT

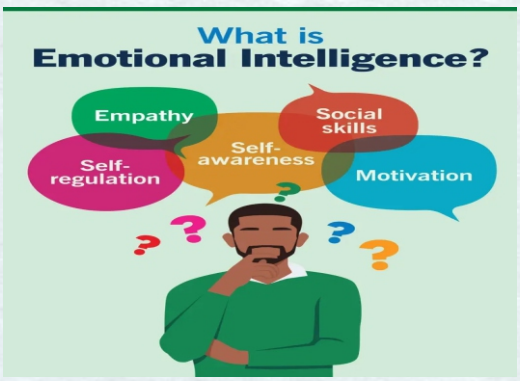
"Intelligence is a foundation of personality & Emotional Intelligence is pillar of personality"

In the current competitive world where students are expected to perform multiple roles with efficiency and effectiveness, it is highly desirable to develop the right attitude and emotional intelligence unseen complexities of life. Emotional Intelligence plays a very important role in a wide spectrum of Personality Development. Emotions are vast as they contain our histories, experiences, deep understandings and all relations in our lives. Emotions make what we are, they not only shape our mind but also develop our entire personality pattern. They enter in the human system as the source of energy that radiates and resonates. Researches has been conducted on various aspects of personality traits and emotional intelligence. Salovey and Mayer in 1990 defined emotional intelligence in terms of being able to monitor and regulate one's own and others feelings and to use feelings to guide thought and action

Emotional intelligence (EI), is the capacity to be aware of, control, and express one's emotions, and to handle interpersonal relationships judiciously and empathetically. It encompasses a range of skills, including self-awareness, self-regulation, social skills, empathy, and motivation. Personality development, on the other hand, is the ongoing process of growth and change in an individual's character, behavior, and thought patterns. It involves cultivating positive traits, overcoming negative ones, and developing a deeper understanding of oneself and the world around them. While seemingly distinct, emotional intelligence and personality development are deeply intertwined. EI provides the foundation for successful personality development, while a well-developed personality enhances emotional intelligence.

Emotional intelligence encompasses a range of skills and abilities that enable individuals to understand, manage, and utilize their own emotions effectively, as well as navigate and influence the emotions of others.

In an increasingly complex and interconnected world, emotional intelligence is more critical than ever. The skills that make up EI can be learned at any time. In order to permanently change behavior in ways that stand up under pressure, you need to learn how to overcome stress in the moment, and in your relationship, in order to remain emotionally aware. By developing our EI, we can enhance our personal and professional lives, build stronger relationships, and navigate the challenges of the present time with greater resilience and success. By cultivating emotional intelligence and engaging in intentional personality development, we can unlock our full potential and lead more fulfilling, successful, and meaningful lives. EI can be can be used as a powerful tool that can significantly benefit students in various aspects of their lives. Students with high EI can unlock their full potential and thrive in all aspects of their journey. EI and personality development are essential for navigating the complexities of higher education, the workplace and personal life.



Dr. Neetupriya Lachoria
Assistant Professor, Chemistry
Govt. Dr. SPM Science & Commerce College, Bhopal

THE TRIBAL ART OF MADHYA PRADESH

The Tribal Art Of Madhya Pradesh is a rich and diverse tradition, primarily known for its vibrant folk paintings and intricate metal crafts. Key forms include Gond, Bhil, and Baiga paintings, along with Dhokra metal casting. Tribal paintings

GOND PAINTING Originating from the Gond tribe, one of the largest indigenous communities in central India, this art is a popular folk style. LOCATION: Patangarh village in the Dindori district is a famous center for Gond art.
TECHNIQUE: Paintings are created using meticulously drawn lines and bright colors to convey a sense of movement. Fine dots are also used to add detail and texture.
THEMES: Artworks often depict elements of nature, myths, and legends. The "Tree of Life" is a prominent motif, symbolizing the interconnectedness of all living things.
MATERIALS: Traditionally, artists used natural materials like charcoal, mud, and vegetable dyes, but modern artists also use canvas and poster colors.

BHIL PAINTING Practiced by the Bhil tribe, this art is known for its simplicity and close connection to nature.
TECHNIQUE: The art features vibrant stories and dot work, with each dot symbolizing a grain of rice or reflecting tribal mythology.
MATERIALS: Natural materials like charcoal, mud, and dyes are used, and the art often adorns the walls of houses during ceremonies and festivals.
CULTURAL SIGNIFICANCE: Bhil paintings reflect the tribe's deep-rooted spirituality and traditions.

PITHORA PAINTING This is a ritualistic painting done on the inner walls of houses by the Rathwa, Bhil, and Bhilala tribes.
TECHNIQUE: The wall is first coated with a mixture of cow dung and mud before being painted with vivid colors.
THEMES: The paintings are created as a sacred offering and often feature seven horses, which are said to represent the seven hills near the Gujarat-Madhya Pradesh border.
DEITY: The art is created to please God Pithora (Pithora Baba), the deity of food grains.



GOND PAINTING



BHIL PAINTING



PITHORA PAINTING

BAIGA PAINTING An intricate artistic expression of the Baiga community, this style is known for its dot painting technique.

TECHNIQUE: Artists create freehand, vibrant depictions of everyday life, nature, and folklore using dot patterns.

MATERIALS: Bright, earthy hues are derived from natural sources such as turmeric and vermilion.

CONNECTION TO NATURE: Baiga art celebrates the community's deep connection to nature, which is said to have been taught to them by the goddess Mavai.

MANDANA PAINTING ORIGIN: A traditional art form of the Sahariya tribe, practiced on the walls and floors of homes.

PURPOSE: Used for marking significant events like weddings, births, and festivals, and to invite well wishes into the home.

CHARACTERISTICS: Involves intricate and time-consuming processes, with symbols and motifs conveying cultural significance.



BAIGA PAINTING



MANDANA PAINTING

Mrs. Nisha Yadav
Assistant Professor
Home Science Dept.

स्मृति शेष

स्मृति शेष श्रद्धांजलि डॉ. संजय तेलंग

डॉ. संजय तेलंग सर, हमारे विभागाध्यक्ष रहे फिर प्रभारी प्राचार्य पद संभाला। इनका समय से पहले महाविद्यालय आ जाना, उनका व्यवहार जिसमें किसी चीज की फिक्र नहीं, सबसे अपने विचारों का आदान प्रदान, बड़े ही सरल और सहजता से आगे बढना, जीवन में सबसे उर्जा से भर देना था। एन.सी.सी. के प्रभारी मेम्बर जिन्होंने निश्चित ही विद्यार्थियों में अनुशासन का अभ्यास कराया था। उनके द्वारा हमारे महाविद्यालय में कई वर्षो तक शिक्षक का कार्य किया गया जिसके साथ उनका विभिन्न आयामों में भी अनुकरणीय योगदान रहा। महाविद्यालय में उनके द्वारा अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की जाती रही है और इसे ही उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों को भी जोड़ा।

महाविद्यालय के स्टाफ क्लब के आयोजनों में भी उनके द्वारा गायन किया जाता था और यदि कोई फरमाईश करता तो वह गाना गाने से कभी नहीं चूकते। सर साफ दिल कर्मठ और तनाव रहित व्यक्तित्व के धनी थे। जो महाविद्यालय परिवार के जहन में हमेशा रहेंगे।



Dr. ASHA SHARMA, PROFESSOR BOTANY



"Only a life lived for others is a life worth living"- this quote absolutely holds true for people like Dr Asha Sharma , who was a professor of Botany in Government Dr ShyamaPrasad Mukherjee Science and Commerce College, Bhopal .

Born with exceptional talents, she proved that her name truly belong to herself means where there is Asha (Hope) there will be a sure solution for facing each and every problem . She was a person who always encouraged solution based thinking.

Born and brought up in Bhopal and Sagar, she always excelled academically in her school and college education. She was one of the toppers during her M.Sc from Sagar University . So soon , after completing the education she got a call for job, which she started from Government Chhatrasal Science College , Panna. She worked there for 5 years after which she to transfer to Government Model Science College Rewa there she served for 13 years. Later she moved to Bhopal so as to support the medical education of her children. Here she worked at Government Motilal Vigyan Mahavidyalay for many years, followed by her job at Government Dr Shyama Prasad Mukherjee Science and Commerce College.

She did her PhD while working at Govt Model Science College, Rewa . She was also author for writing books on botany when she was working at MVM Bhopal.

She was always very famous among her friends and colleagues for her outstanding talent to perform any task at hand with ease and with her happy and positive attitude, therefore everyone enjoyed working in her team.

Blessed with a beautiful and kind heart she selflessly kept on working all her life, whether it was at home for her family , at college for her students and colleagues and at all random places where she got the chance to help anyone she did without thinking twice .

Even after her death she donated her cornea for transplant (that she had decided much earlier in her life) to two people , one done at BMHRC Bhopal and one at Ashok Nagar .

All of us can't Stop missing her not just because of a good deed but also for her calm, loving and joyful personality . May God always bless her soul with all his peace and love.

Om Shanti!

महाविद्यालय की झलकीयाँ


















अक्षय ऊर्जा दिवस
भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ
डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी
महाविद्यालय, भोपाल
दिनांक २०.०८.२४


TUTOR-GUARDIAN MEETING
FACULTY OF ARTS
20.01.24


पौधारोपण कार्यक्रम
भारतीय ज्ञान प्रकोष्ठ
शासकीय सरोजिनी नायडू
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल
भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी
विक्रम संवत २०८१




अक्षय ऊर्जा दिवस समारोह
भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
महाविद्यालय, भोपाल
दिनांक २०.०८.२४


राष्ट्रीय गणित दिवस
डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी
महाविद्यालय, भोपाल

OUR COLLEGE IN NEWS MEDIA

भोपाल, बुधवार, 20 नवंबर, 2024

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में पारम्परिक लोक गीत व लोक नृत्य प्रतियोगिताऐं आयोजित हुई



पत्रिका

राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह मनाया



भोपाल ZOOM रिपोर्टर

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कोलार में शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया। इसमें मुख्य वक्ता एम्स की बाल मनोवैज्ञानिक डॉ. अनुराधा कुशवाह थीं। उनके द्वारा बालिकाओं के अधिकार और उनसे जुड़े मुद्दों पर संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का प्रबोधन किया गया। प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना, डॉ. हरनीत चीमा ने विद्यार्थियों से प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की।

25/01/2025 | Bhopal | Page : 19
Source : https://epaper.patrika.com/

शास. डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस का समारोहपूर्वक आयोजन

भोपाल



शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल में आज राष्ट्रीय गणित दिवस के परिप्रेक्ष्य में सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों का शुभारंभ महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं गणित विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ राजेश श्रीवास्तव द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ मीनू चतुर्वेदी के निर्देशन में संपन्न हुआ। महाविद्यालय से प्राध्यापक डॉ एस के मल्होत्रा ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने वैदिक गणित के सूत्रों का उपयोग कर अंकगणित की जटिल गणनाओं के त्वरित समाधान की दृष्टांतों के द्वारा व्यवहारिक जानकारी दी। प्राचार्य द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समस्त संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को गणित सप्ताह के आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. व्ही. पी. सिंह गौर तथा आभा जापन डॉ ज्योति पंथी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.आशीष वाधवानी, डॉ सुषमा जैन, डॉ अनीता मंडलोई, डॉ आशा वर्मा, प्रो. रफत फातिमा, डॉ सरताज परें, एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ



स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन 2025 अनुपम का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अनूप सिंह बैस थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना द्वारा की गई। प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में दो दिवसीय वार्षिक आयोजित को जाने वाली विभिन्न विधाओं के माध्यम से अपनी सृजनशीलता, प्रतिभा एवं रचनात्मकता के प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र संघ प्रभारी एवं परामर्शदाता डॉ राजेश श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी की गई। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ एसके मल्होत्रा द्वारा किया गया। उनके द्वारा वार्षिक स्नेह सम्मेलन के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गई। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन डॉ राजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया।

साक्षात समाचार

मुखर्जी कॉलेज में छात्राओं को दी अधिकारों की जानकारी



भोपाल। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता डॉ अनुराधा कुशवाह, बाल मनोवैज्ञानिक एम्स ने बालिकाओं के अधिकार की जानकारी दी। प्रावार्य डॉ शालिनी सक्सेना ने अपने उदबोधन में बालिकाओं के लिए अच्छे वातावरण के निर्माण का आह्वान किया। डॉ हरनीत चीमा ने प्रश्नों के माध्यम से छात्राओं से चर्चा की। गोष्ठी का संचालन डॉ व्हीपी. सिंह गौर तथा आभार आशा वाधवानी ने किया। इस मौके पर डॉ पूनम वासनिक, प्राध्यापक डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ एसडी सिंह, डॉ. एसके मल्होत्रा

शा.डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन



ब्रैफ न्यूज

डा श्यामा प्रसाद मुखजा महाविद्यालय म राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गय



एसएमपी कॉलेज में मनाया राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस



भोपाल। राजधानी स्थित शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना ने कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वीपीएस गौर ने देश और अपनी माटी के महत्व का उद्घोष कर उलगुलान क्रांति से स्वत्व, स्वाभिमान और स्वराज की चेतना जगाने वाले भगवान बिरसा मुंडा के अवदान पर प्रकाश डाला गया।

कोलार कॉलेज में बाल विवाह के दुष्प्रभाव को लेकर हुई व्याख्यानमाला

छात्राओं को बताया कानून और नियम



कोलार @ पत्रिका. शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय कोलार में सोमवार को महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति द्वारा एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें बाल विवाह के कारण दुष्प्रभाव एवं विधिक परिणाम के संबंध में छात्राओं को जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता पांडे द्वारा किया गया, जिसका शुभारंभ बाल विवाह प्रतिषेध से संबंधित जागरूकता फैलाने हेतु अर्चना धुर्वे बीएससी द्वितीय वर्ष और नैंसी बाए द्वितीय वर्ष को ब्रांड एंबेसडर बनाकर की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. व्हीपीएस गौर प्राध्यापक राजनीति शास्त्र द्वारा बाल विवाह अधिनियम बाल भरण पोषण, कानून बाल पुर्नविवाह बाल संरक्षण समिति, बाल विवाह दंड कानून आदि से विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह सामाजिक कुरीति है अपराध है, परंतु आज भी बाल विवाह का होना, अत्यंत चिंतनीय विषय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना द्वारा की गई।

पत्रिका

शा. डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञानएवं वाणिज्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन

नोबल एक्सप्रेस, भोपाल



शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल में आज राष्ट्रीय बालिका दिवस के कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता थीं डॉ अनुराधा कुशवाह,बाल मनोवैज्ञानिक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल। उनके द्वारा बालिकाओं के अधिकार और उनसे जुड़े मुद्दों पर संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का प्रबोधन किया गया। प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बालिकाओं को विशेष अवसर उपलब्ध कराते हुए परिसर में प्राचीन भारतीय मूल्यों के अनुरूप वातावरण के निर्माण का आवाहन किया। डॉ हरनीत चीमा ने विद्यार्थियों से प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ व्ही. पी. सिंह गौर तथा आभार ज्ञापन आशा वाधवानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ पूनम वासनिक, प्राध्यापक डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ एस डी सिंह, डॉ. एस के मल्होत्रा, डॉ एस गुप्ता, डॉ एस एस यादव, डॉ आशा वर्मा, डॉ इ जैन,प्रो. रफत फातिमा, डॉ सरताज परें, उमाशंकर कुलहारे एवं बड़ी संख्या में विद्या उपस्थित रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखजा कालज में व्याख्यान माला का आयोजन



राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह मनाया



भोपाल ZOOM रिपोर्टर

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्याल कोलार में शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के कार्यक्रम का आयोज भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया। इसमें मुर वक्ता एम्स की बाल मनोवैज्ञानिक डॉ. अनुराधा कुशवाह थीं। उनके द्व बालिकाओं के अधिकार और उनसे जुड़े मुद्दों पर संकाय सदस्यों विद्यार्थियों का प्रबोधन किया गया। प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना, हरनीत चीमा ने विद्यार्थियों से प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की।

मातृ भाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन



भोपाल। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्षता महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कीर्ति जैन द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा प्राचार्य, चंद्रशेखर आजाद, अग्रणी महाविद्यालय सीहोर ने अपने उद्बोधन में मातृभाषा के महत्व व उसमें शिक्षा तथा भाषाई विविधता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. शालिनी सक्सेना ने आयोजन को सराहनीय प्रयास बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. व्हीपी एस गौर ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी डॉ. मीनू चतुर्वेदी ने किया।

भोपाल। शासकीय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल में महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति द्वारा बाल विवाह के कारण दुष्प्रभाव एवं विधिक परिणाम के व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पांडे द्वारा किया गया। जिसका शुभारंभ बाल विवाह प्रतिषेध से संबंधित जागरूकता फैलाने हेतु कुमारी अर्चना धुर्वे बीएससी द्वितीय वर्ष और कुमारी नैंसी बीए द्वितीय वर्ष को ब्रांड एंबेसडर बनाकर की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ गौर प्राध्यापक राजनीति शास्त्र द्वारा बाल विवाह अधिनियम बाल भरण पोषण, कानून बाल पुर्नविवाह बाल संरक्षण समिति, बाल विवाह दंड कानून आदि से विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। प्राध्यापक डॉ हरनीत चीमा, समाजशास्त्र द्वारा बाल विवाह कारण एवं दुष्प्रभाव विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना द्वारा की गई। कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्य डॉ ममता पांडे, डॉ हरनीत चीमा, डॉ पूनम वासनिक, डॉ आशा वाधवानी एवं डॉ निशा यादव ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल

सत्र 2025 – 26

प्राध्यापक/सहप्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	मोबाइल न0
1	2	4	3	6
1	डॉ. शालिनी सक्सेना	प्रभारी प्राचार्य		9425606540
2	डॉ. कीर्ति जैन	प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	9827069568
3	डॉ. एस.डी. सिंह	प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	9479954079
4	डॉ. रफत फातिमा	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	9826215534
5	डॉ. दिनिशा मालवीय	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	9584614910
6	डॉ. सरला पटेल	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	9425469820
7	डॉ. देवेन्द्र सिंह पटेल	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	7415771824
8	डॉ. शालिनी नेमा	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	7276099827
9	डॉ. दिनेश कुमार डहारे	सहा. प्राध्यापक	वनस्पतिशास्त्र	7987821144
10	डॉ. कल्पना दवे	प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9893275622
11	डॉ. कौशल कुमार मिश्रा	प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9425361882
12	डॉ. माहिरा परवीन	प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9424473680
13	डॉ. दीप्ती वैश्य	प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9425021497
14	डॉ. इंतेखाब आलम दुर्रानी	प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9425600156
15	डॉ. मुकेश नापित	सहा. प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9826867242
16	डॉ. हेमलता वर्मा	सहा. प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	9425611936
17	डॉ. अंजना चौधरी	सहा. प्राध्यापक	प्राणीशास्त्र	8319434301
18	डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी	प्राध्यापक	रसायनशास्त्र	9425007434
19	डॉ. आशा वर्मा	प्राध्यापक	रसायनशास्त्र	9424417062
20	डॉ. इला जैन	प्राध्यापक	रसायनशास्त्र	9425433155
21	डॉ. नीतूप्रिया लचौरिया	सहा. प्राध्यापक	रसायनशास्त्र	9827724427
22	डॉ. स्मिता वर्मा	सहायक प्राध्यापक	रसायनशास्त्र	9893691774
23	डॉ. हर्षा जलौरी	प्राध्यापक	भौतिकशास्त्र	9425637396
24	डॉ. ममता पाण्डेय	प्राध्यापक	भौतिकशास्त्र	9926868929
25	डॉ. धर्मेश खरे	सह प्राध्यापक	भौतिकशास्त्र	8839621569
26	डॉ. राजेश श्रीवास्तव	प्राध्यापक	गणित	9425010401
27	डॉ. नवल सिंह	प्राध्यापक	गणित	9425680718
28	डॉ. एस.के. मल्होत्रा	प्राध्यापक	गणित	9826543918
29	डॉ. अनीता मंडलोई	सहप्राध्यापक	गणित	9425008408
30	डॉ. ज्योति पंथी	सहायक प्राध्यापक	गणित	9406952867
31	डॉ. एम.के. गुप्ता	प्राध्यापक	वाणिज्य	8109273861
32	डॉ. शिवाली शाक्या	सहा. प्राध्यापक	वाणिज्य	9406518859
33	डॉ.(श्रीमती) आशा बाघवानी	सहा. प्राध्यापक	अंग्रेजी	9425393548
34	डॉ. निधि नेमा	सहा. प्राध्यापक	अंग्रेजी	9407022252
35	डॉ. मीनू चतुर्वेदी	प्राध्यापक	हिन्दी	9826029815
36	डॉ.(श्रीमती) हरनीत चीमा	सह प्राध्यापक	समाज शास्त्र	8461949151
37	डॉ. एस.एस. यादव	सह प्राध्यापक	समाज शास्त्र	8989097251
38	डॉ. सुषमा जैन	सह प्राध्यापक	अर्थशास्त्र	7999529745
39	डॉ. विष्णु पाल सिंह गौर	प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र	9406500789
40	डॉ. मीनाक्षी टडिकर	सहायक प्राध्यापक	राजनीति शास्त्र	9303128557
41	डॉ. मधुसूदन प्रकाश	सहायक प्राध्यापक	इतिहास	9425029306
42	डॉ. एकता पाल	सहायक प्राध्यापक	इतिहास	9826766350
43	श्रीमती पुष्पा देवी साहू	सहायक प्राध्यापक	इतिहास	9111523228
44	श्रीमती पूनम वासनिक	सहायक प्राध्यापक	भूगोल	9575065549
45	डॉ. मीनाक्षी सक्सेना	प्राध्यापक	गृहविज्ञान	9425124777
46	डॉ. रूचि सोनी	सहायक प्राध्यापक	गृहविज्ञान	9426702639
47	डॉ. निशा यादव	सहायक प्राध्यापक	गृहविज्ञान	8989599347
48	श्री राम किशोर	ग्रंथपाल	पुस्तकालय	8130848424
49	डॉ. सतीश कुमार	क्रीड़ा अधिकारी	स्पोर्टस	9329219035

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञन एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल

क्र.	नाम	पद	मोबाइल न.
1	श्रीमती भारती पंथी	लेखापाल	9993167755
2	श्री पुरूषोत्तम मंगतानी	सहायक ग्रेड-2	9993375510
3	श्री प्रदीप हरतालकर	सहायक ग्रेड-3	9893661434
4	श्री सुदेश सैनी	सहायक ग्रेड-3	9826053137
5	श्री दीपक तिवारी	प्रयोगशाला तकनीशियन	9826259977
6	श्रीमती सुनीता ठाकुर	प्रयोगशाला तकनीशियन	7869066163
7	श्री मणीकान्त भिडे	प्रयोगशाला तकनीशियन	9425624243
8	श्री राजेश कुमार गौर	प्रयोगशाला तकनीशियन	9893614298
9	श्री भागीरथ शाक्य	प्रयोगशाला परिचारक	9826407887
10	श्री गुणवंत ढोके	प्रयोगशाला परिचारक	8989561979
11	श्री सुशील कु. मातुरकर	प्रयोगशाला परिचारक	9303482641
12	श्री जितेन्द्र पारोचे	बुक लिफ्टर	9301851223
13	श्रीमती शशी बाथम	भृत्य	9669838148
14	श्रीमती सुमन बाथम	भृत्य	9685784635
15	श्री मनीष कौसिया	भृत्य	7389759172
16	श्री हीरालाल मौर्य	स्थाईकर्मी	7898624499
17	श्री संतोष कुमार सिंह	स्थाईकर्मी	8435533192
18	श्रीमती मोहिनी धाकड़	प्रयोगशाला तकनीशियन (स्थाईकर्मी)	7415187676
19	रितेश गुप्ता	प्रयोगशाला तकनीशियन (स्थाईकर्मी)	9893145125
20	श्रीमती रूचिका शर्मा	कम्प्यूटर ऑपरेटर(स्थाईकर्मी)	9713294529
21	श्रीमती अर्चना पंसौरिया	कम्प्यूटर ऑपरेटर(स्थाईकर्मी)	9754527357
22	ब्रजेश धाकड़	कम्प्यूटर ऑपरेटर(स्थाईकर्मी)	9993405205
23	कपिल कुमार तिवारी	कम्प्यूटर ऑपरेटर(स्थाईकर्मी)	8085214233
24	दिनेश पटेल	कम्प्यूटर ऑपरेटर	8120263500
25	मुश्ताक	सिक्यूरिटी गार्ड	

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञन एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल

अतिथि विद्वान शासन/अतिथि विद्वान (जनभागीदारी)

क्र.	नाम	पद	मोबाइल नं.
1	डॉ. अर्चना नागर	समाजशास्त्र	8103116291
2	डॉ. उमाशंकर कुल्हारे	हिन्दी	9229481744
3	डॉ. सालेहा सुल्तान	वाणिज्य	9407512236
4	डॉ. वर्षा जैन	वाणिज्य	7415224666

जनभागीदारी/स्ववित्तीय से कार्यरत अतिथि विद्वान

1	श्रीमती विभा श्रीवास्तव	अतिथि विद्वान	9179600681
2	कु. नेहा शर्मा	अतिथि विद्वान	9479378247
3	श्री विपिन कुमार	अतिथि विद्वान	9179856976